School of Health Sciences

CSJM University, Kanpur

Development/Program Report

01.07.2021 to 30.06.2022

स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस

संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम सेमिनार/वर्कशाप/आनलाइन व्याख्यान एवं अन्य
जुलाई, 2022

1. 01 जुलाई, 2021, डाक्टर्स डे

दिनांक 01 जुलाई, 2021 के अवसर पर छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर ने डाक्टर्स डे मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में सेवायें देने वाले चिकित्सकों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी ने प्रशस्ति पत्र एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले चिकित्सक हैं–

1. डा0 गौतम दत्ता, हड्डी रोग विशेषज्ञ।
2. डा0 पंकज गुलाटी, नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ।
3. डा0 शर्मीली ओबेराय, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ।
4. डा0 गौरव दुबे, नेत्र रोग विशेषज्ञ।
5. डा0 आर0एम0 कटियार, मेडिसिन।
6. डा0 वी0के0 टण्डन, शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ।
7. डा0 संजीव रोहतगी, नेत्र रोग विशेषज्ञ।
8. डा0 अशोक पुरी, शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ।
9. डा0 डी0के0 जयपुरिया, एम.डी.एस, डेंटल सर्जन।
10. डा0 अभिनव कुशवाहा, डेंटल सर्जन।
11. डा0 रोनल कुमार, साइकोलाजिस्ट।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डा0 अनिल कुमार यादव**, स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी **डा0 प्रवीन कटियार,** मीडिया प्रभारी **प्रो0 संजय स्वर्णकार**, **प्रो0 सुधांशु पाण्डिया,** सह मीडिया प्रभारी **डा0 विवेक सिहं सचान**, **डा0 मुनीश रस्तोगी, डा0 वर्षा प्रसाद** आदि उपस्थित

2. 04.07.2021, थैलीसीमिया मरीजों हेतु एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

दिनांक 04 जुलाई, 2021 को थैलीसीमिया मरीजों हेतु एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, पुलिस प्रशासन व अमर उजाला फाउण्डेशन द्वारा **विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में पूर्वान्ह 10:00** बजे से किया गया।

इस शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो0 विनय कुमार पाठक** एवं डी.सी.पी. कानपुर वेस्ट **श्री संजीव त्यागी** द्वारा हुआ। शिविर के उदघाटन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक व डी. सी.पी. कानपुर वेस्ट श्री संजीव त्यागी ने पौधा रोपण भी किया। शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डॉ0 अनिल कुमार यादव,** स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी **डा0 प्रवीन कटियार**, सुरक्षा अधिकारी **डॉ0 आर0पी0 सिंह, डॉ0 अजय कुमार गुप्ता** व सह मीडिया प्रभारी **डॉ0 विवेक सिंह सचान** आदि उपस्थित थे। पुलिस की ओर से एडीसीपी वेस्ट **श्री अभिषेक अग्रवाल,** ए.सी.पी. कल्यानपुर **श्री दिनेश कुमार शुक्ला**, कल्यानपुर थाने के एस.एच.ओ. **श्री बीर सिंह**, विश्वविद्यालय की चौकी इंचार्ज **श्रीमती इंदु यादव,** आरक्षी मीडिया सेल, **श्री सागर पोरवाल** एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कुल **67 यूनिट** रक्तदान हुआ। रक्तदान करने वालों में पुलिस के अधिकारी, उनके सहकर्मी, नगर की विभिन्न संस्थाओं से जुड़े हुए व्यक्ति तथा महिला एवं पुरूष नागरिक थे।

रक्तदान का कार्य **जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर** के **रक्तकोष** द्वारा संपादित कराया गया।

इस आयोजन में नगर की समाज सेवी संस्थओं **राबिन हुड आर्मी, माँ तुझे सलाम, ब्लड कनेक्ट, संरक्षण, सपोर्ट फाउण्डेशन, युग भारती, कानपुर थैलेसेमिक सोसायटी, पार्श्वनाथ चैरिटेबल सेंटर, फील, पीआईए, फीडिंग इंडिया, यूथ विलर्स, उ0प्र0 योगासन संघ, साहवेस, रिलायंस वेलफेयर सोसाइटी, ह्यूमन फाउंडेशन व ओलम्पिक एसोसिएशन** ने भी अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

सितम्बर, 2021

1. 01.09.2021, चिकित्सकों का सम्मान कार्यक्रम

दिनांक **01 सितम्बर, 2021** को भारतीय विचारक समिति द्वारा चिकित्सकों का सम्मान कार्यक्रम छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के कांफ्रेस हाल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो0 विनय कुमार पाठक**, विशिष्ट अतिथि **डा0 राजेश कुमार द्विवेदी,** निदेशक, महाविद्यालय विकास परिषद, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, विशिष्ट अतिथि **डा0 वंदना पाठक,** कार्यक्रम अध्यक्ष **डा0 मीरा अग्निहोत्री**, भारतीय विचारक समिति के संरक्षक **श्री बलराम नरूला** व कार्यवाहक अध्यक्ष **श्री रमेश चन्द्र जी** व मुख्य वक्ता **डा0 नीलम मिश्रा** द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

संस्था के कार्यवाहक अध्यक्ष **श्री रमेश चन्द्र जी** ने अतिथियों का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता **डा0 नीलम मिश्रा**, अध्यक्ष आई.एम.ए. कानपुर ने एक छोटी से फिल्म के द्वारा कोविड–19 से लड़ने में चिकित्सकों एवं अन्य फ्रंट लाइन वारियर के योगदान को दर्शाया तथा कोविड से लड़ने के लिए सभी को एकजुट रहकर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो0 विनय कुमार पाठक** ने कहा कि कोविड–19 के दौरान चिकित्सकों ने श्रेष्ठ कार्य किया है और नागरिकों के जीवन की रक्षा की है। उन्होंने दिनरात मेहनत कर सभी की सेवा की। इन चिकित्सकों को सम्मानित कर हम स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान परिस्थितियों कोविड–19 के विरूद्ध जंग जीतने के लिए हमें तकनीकी रूप से चिकित्सा क्षेत्र में सुदृढ़ होना पड़ेगा। चिकित्सा के क्षेत्र में भारत वर्ष में शोधकार्य और आगे बढ़े और उस शोध कार्य से नयी पीढ़ी को एक दिशा मिलना आवश्यक है।

कार्यक्रम में कोविड–19 की सेकेण्ड वेब के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले निम्नलिखित चिकित्सकों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 विनय कुमार पाठक द्वारा सम्मानित किया गया–

डा0 मीरा अग्निहोत्री	डा0 नीलम मिश्रा	डा0 किरन पाण्डेय
डा0 सीमा द्विवेदी	डा0 वंदना पाठक	डा0 गरिमा गुप्ता
डा0 उमेश पालीवाल	डा0 वंदना शर्मा	डा0 प्रवीन कटियार
डा0 प्रतिमा वर्मा	डा0 मृदुला पालीवाल	डा0 कल्पना दीक्षित
डा0 आदित्य नरूला	डा0 प्रीती त्यागी	डा0 जी0एम0 द्विवेदी
डा0 नेहा	डा0 देविका गुप्ता नरूला	डा0 अरूक्षित दीक्षित
डा0 श्वेता	डा0 सत्यम	डा0 सुधा कुमारी
डा0 हिमानी मालवीया	डा0 अनम नफीस	डा0 अंचल मलिक
डा0 बी0एन0 आचार्या	डा0 रितु सिंह	डा0 राजीव कुमार
डा0 शुभम पाण्डेय	डा0 एम0के0 सिंह	डा0 सीमा निगम
डा0 प्रगवेश	डा0 विवेक पाण्डेय	डा0 अतहर
डा0 पार्थ सिंह बघेल	डा0 अनुपम जैन	डा0 सचिन गौर
डा0 रश्मि गुप्ता	डा0 अविनाश रंजन	डा0 अमितेश यादव
डा0 पाविका लाल	डा0 रश्मि यादव	डा0 उरूज जहां
डा0 दिव्या द्विवेदी	डा0 अरूण कुमार	

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि **डा0 वंदना पाठक** एवं **डा0 राजेश कुमार द्विवेदी** ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में पेटिंग्स की प्रदर्शनी भी जुहारी देवी गर्ल्स डिग्री कालेज, कानपुर की **डा0 ज्योति अग्निहोत्री** व उनके विद्यार्थियों द्वारा लगायी गयी जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी द्वारा किया गया।

डा0 मोहिनी शुक्ला एवं डा0 **शोभा सिंह** ने वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के संयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका भारती विचारक समिति के महासचिव **श्री उमेश चन्द्र दीक्षित, मेडिकल विंग की संयोजन डा0 सीमा द्विवेदी, श्रीमती उदिता शर्मा, श्री गुलशन धूपर** आदि ने निभायी।

2. 01 सितम्बर, 2021, भारतीय विचारक समिति द्वारा आयोजित कोरोना योद्धा सम्मान

3. 05 सितम्बर, 2021 शिक्षक दिवस के अवसर पर उ0प्र0 सरकार द्वारा छत्रपति शाहू जी महाराज, विश्वविद्यालय के शिक्षकों का सम्मान।

नवम्बर, 2021

1. 07.11.2021, राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस

दिनांक **07 नवम्बर, 2021** को **यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस** द्वारा **राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस** के उपलक्ष्य में एक **''कैंसर जागरूकता कार्यक्रम''** यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के कांफ्रेस हाल में प्रातः 09:00 बजे से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक थे** तथा इस व्याख्यान के वक्तागण थे**–जे0के0 कैंसर संस्थान के पूर्व निदेशक डा0 एम0पी0 मिश्रा, कानपुर के कैंसर सर्जन डा0 अरूण प्रकाश द्विवेदी व ओरल सर्जन डा0 प्रणव ठाकुर।**

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि **प्रो0 विनय कुमार पाठक**, कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, वक्तागण–**डा0 एम0पी0 मिश्रा, डा0 अरूण प्रकाश द्विवेदी व डा0 प्रणव ठाकुर,** संस्थान के निदेशक **डा0 प्रवीन कटियार,** कार्यक्रम संयोजक **डा0 सौमित्र महेन्द्र** व संस्थान के शिक्षकगणों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम में वक्ताग्णों ने निम्न विषयों पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए–

वक्ता	विषय
डा0 एम0पी0 मिश्रा पूर्व निदेशक, जे0के0 कैंसर संस्थान	कैंसर के प्रारम्भिक अवस्था पता चलने के लिए डायग्नोस्टिक टूल्स एवं पद्धतियां (Diagnostic Tools and Modalities in Early Cancer Detection)
डा0 अरूण प्रकाश द्विवेदी कैंसर सर्जन, कानपुर	सामान्य कैंसर के विषय में जानकारी। (Awareness about Cancer- General Cancer & Oncology)
डा0 प्रणव ठाकुर ओरल सर्जन	मुख कैंसर व प्रीमैलिगनेंट स्थितियों के विषय में जागरूकता। (Awareness about Oral Cancer and Premalignant Lesion)

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि **प्रो0 विनय कुमार पाठक** ने अपने उद्बोधन में कहा कि कैंसर एवं उससे बचाव के उपायों के संबंध में सभी को जानकारी होना आवश्यक है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में कैंसर के संबंध में जागरूकता को बढ़ायेगा। उन्होंने कहा कि आर्टिफीशियल इन्टेलीजेंस एवं नवीन तकनीक से कैंसर के प्रारंभिक अवस्था में डिटेक्शन में सहायता मिल सकती है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस प्रसिद्ध चिकित्सकों के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर नियमित रूप से स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान आयोजित करे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भी जाकर इस संबंध में जागरूकता बढ़ाये।

प्रथम व्याख्यान के के विषय था– **कैंसर के प्रारम्भिक अवस्था पता चलने के लिए डायग्नोस्टिक टूल्स एवं पद्धतियां (Diagnostic Tools and Modalities in Early Cancer Detection) |**

डा0 अरूण प्रकाश द्विवेदी ने **सामान्य कैंसर के विषय में जानकारी। (Awareness about Cancer- General Cancer & Oncology) डा0 प्रणव ठाकुर** ने **मुख कैंसर व प्रीमैलिगनेंट स्थितियों के विषय में जागरूकता (Awareness about Oral Cancer and Premalignant Lesion)** के संबंध में बताया कि नशे की लत अपने आप को कैंसर रूपी खाई में धकेलता है। उन्होंनें तम्बाकू में पाये जाने वाले नाइट्रोसो–एन निकोटीन नामक कार्सिनोजेन के बारे में बताया, जिसमें कैंसर सेल को पनपने देने की क्षमता होती है।

कार्यक्रम में संस्थान के **एम.पी.टी., एम–एस.सी. एम.एल.टी., बी.पी.टी, बी.एस–सी. मेडिकल माइक्रोबायोलाजी, बी.एस–सी. योगा** व **अन्य पाठ्यक्रम के विद्यार्थी** उपस्थित थे। शिक्षकगणों में संस्थान के शिक्षक **डा0 दिग्विजय शर्मा, डा0 वर्षा प्रसाद, सुश्री हिना, कु0 आकांक्षा बाजपेयी,** विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों के शिक्षक **डा0 रविन्द्र नाथ कटियार, डा0 प्रवीन भाई पटेल, श्री रामेन्द्र सिंह निरंजन एवं सह मीडिया प्रभारी डा0 विवेक सिंह सचान** उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन संस्थान के निदेशक **डा0 प्रवीन कटियार एवं** कार्यक्रम संयोजक **डा0 सौमित्र महेन्द्र** द्वारा किया गया।

2. 18 नवम्बर, 2021, पैथोलॉजी लैब में नय मशीनों से जांचों के कार्य का शुभारम्भ

दिनांक **18 नवम्बर, 2021** को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के **यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस** की पैथोलॉजी लैब के लिए मंगायी गयी नयी मशीनों से जाँचों के कार्य का उद्घाटन तथा संस्थान की पैथोलॉजी लैब में होने वाली रक्त एवं अन्य नमूनों की जांचों के संबंध में तथा संस्थान की फिजियोथिरैपी ओ0पी0डी0 में फिजियोथिरैपी की सुविधा के संबंध में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गयी।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति **प्रो0 विनय कुमार पाठक** जी द्वारा पैथोलॉजी लैब में स्थापित नयी मशीनों –5 Part Hematoanalyzer, Auto Analyzer, ELISA Reader से जांचों के कार्य का उद्घाटन नारियल फोड़ कर किया गया। मा0 कुलपति महोदय ने विद्यार्थियों से सभी मशीनों के बारे में जानकारी प्राप्त की व सैम्पल कलेक्शन कक्ष में मरीजों के सैम्पल लेने का शुभारम्भ कराया।

संस्थान की पैथोलॉजी लैब में होने वाली रक्त एवं अन्य नमूनों की जांचों के संबंध में तथा संस्थान की फिजियोथिरैपी ओ0पी0डी0 में फिजियोथिरैपी की सुविधा के बारे में प्रेस वार्ता में **मा0 कुलपति महोदय** ने बताया कि संस्थान की पैथोलॉजी लैब में नयी मशीनें आ गयी हैं, जिनके माध्यम से मरीजों के रक्त एवं अन्य नमूनों की जांच दिनांक 18.11.201 से प्रारम्भ की गयी है। पैथोलॉजी लैब में 129 प्रकार की जाचें हो सकती हैं जिसमें कि हीमैटोलॉजी, सीरोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, यूरीन, माइक्रोबायोलॉजी, फ्लूड एवं डिस्चार्ज, हार्मोन्स (थायराइड, प्रोलैक्टिन, प्रोजेस्ट्रान इत्यादि) विटामिन डी, डी डाइमर तथा कैंसर माकर्स (एल्फा फीटो प्रोटीन, सी.ए–125, कार्सिनोएम्ब्रोयानिक एंटीजन आदि) प्रमुख हैं। इसके साथ ही फुल बाडी चेकअप की जांचों की सुविधा भी उपलब्ध है। **यहां पर जाँचों की दरें मार्केट से आधी हैं। कानपुर नगर के नागरिक संस्थान की पैथोलॉजी लैब में मार्केट से आधी दरों पर जांचों की सुविधा उठा सकते हैं।** इसके साथ ही साथ मरीजों के घर से भी सैम्पल कलेक्शन की सुविधा दी जा रही है। संस्थान के बी.एस–सी. एम.एल.टी. व एम.एस–सी. एम.एल.टी. पाठ्यक्रम के विद्यार्थी मरीजों के घरों से सैम्पल कलेक्ट करके लायेंगे और यहां पर जांचों के बाद रिपोर्ट उनके घर पर पहुंचायेंगे। इस हेतु मरीजों को सैम्पल लेने वाले व्यक्ति को सैम्पल कलेक्शन शुल्क भी देना पड़ेगा। शीघ्र ही मोबाइल एप के माध्यम से पैथोलाजी सैम्पल कलेक्शन तथा घर पर फिजियोथिरैपी हेतु फिजियोथिरैपिस्ट की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

संस्थान के **पैथोलॉजिस्ट डा0 सौमित्र महेन्द्र,** असि0 प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस ने बताया कि संस्थान की पैथोलॉजी लैब में अतिविशिष्ट मशीनें उपलब्ध हैं, जिनमें कि प्रमुख है–Mini Vidas (Hormonal and Cancer Markers की जांचों की लिए), D10 Machine (Glycosylated HbA1c, थैलीसीमिया टेस्टिंग के लिए), 5 Part Hematology Analyzer (CBC, Hb, Platelet जांच के लिए), Fully Automated Analyzer (क्नीलिकल बायोकेमेस्ट्री की आटोमेटड तरीके से सभी प्रमुख जांचों के लिए), Semi Automated Analyzer (क्नीलिकल बायोकेमेस्ट्री की जांचों के लिए), ELISA Reader and Washer (हार्मोन एवं कैंसर मार्कर की जांचों के लिए, जिसमें कि HIV, Hepatitis, HCV आदि प्रमुख हैं) आदि।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डा0 अनिल कुमार यादव** ने बताया कि आधुनिकतम मशीनों के साथ जांचो की सुविधा संस्थान द्वारा प्रदान करायी जा रही है। मेरा अनुरोध है कि कानपुर नगर के नागरिक **मार्केट से 50 प्रतिशत कम दरों पर इन सुविधाओं का लाभ उठायें।**

संस्थान की असि0 प्रोफेसर **डा0 वर्षा प्रसाद** ने बताया कि रक्त के साथ–साथ शरीर के अन्य नमूनों जैसे–मूत्र, स्टूल, सी.एस.एफ., सीमेन आदि की भी जांचे यहां की जायेंगी। संस्थान के सैम्पल कलेक्शन कक्ष में व्यक्ति प्रातः 9:30 बजे से 2:00 बजे तक (अवकाश के दिनों को छोड़कर) अपने सैम्पल दे सकते हैं।

संस्थान के असि0 डायरेक्टर **डा0 दिग्विजय शर्मा** ने बताया कि संस्थान की फिजियोथिरैपी ओ0पी0डी0 में मरीजों की फिजियोथिरैपी हेतु आधुनिकतम एवं उत्कृष्ट सुविधायें उपलब्ध हैं। गत माह 03 नये फिजियोथिरैपी शिक्षकों ने भी संस्थान में योगदान देना प्रारम्भ कर दिया है। वर्तमान में 06 फिजियोथिरैपी शिक्षक संस्थान में उपलब्ध हैं–

1. डा0 दिग्विजय शर्मा, एमपीटी (आर्थो), पी.एच–डी.
2. श्री चन्द्रशेखर कुमार, एम.पी.टी.(आर्थो)

3. श्रीमती नेहा शुक्ला एम.पी.टी.(आर्थो)
4. कु0 हिना वैश, एम.पी.टी.(कार्डियो पल्मोनरी)
5. कु0 आकांक्षा बाजपेयी, एम.पी.टी.(कार्डियो पल्मोनरी)
6. श्री आदर्श कुमार श्रीवास्त, एम.पी.टी.(न्यूरो)

इन शिक्षकों के मार्गदर्शन में मरीजों को आवयश्यकतानुसार एक्सरसाइज थिरैपी एवं इलेक्ट्रोथिरैपी करायी जाती हैं।

एक्सरसाइज थिरैपी में उपलब्ध सुविधायें –शोल्डर लेडर, शोल्डर व्हील, पैरेलेल बार, मल्टीपल एक्सरसाइजर चेयर, ट्रेड मिल, स्टेटिक साइकिल, क्वार्डिसेप चेयर, वाकर, वाकिंग एड्स, पेंगबोर्ड आदि।

इलेक्ट्रोथिरैपी में उपलब्ध सुविधायें – अल्ट्रासाउंड थिरैपी, शार्ट वेव डायथर्मी, स्पाइनल ट्रैक्शन, हाइड्रोकोलेटर, कन्ट्रास्ट बाथ, सी.पी.एम., आई.एफ.टी., टेन्स, आई.आर.आर., इलेक्ट्रिकल मसल स्टीमुलेटर।

फिजियोथिरैपी ओ0पी0डी0 के लिए शुल्क निम्न प्रकार है–

क्र.सं.	**विवरण**	**दरें**
01	पंजीकरण शुल्क	रू0 50/– प्रति मरीज वैद्यता 15 दिन
02	मशीनों से उपचार	रू0 50/– प्रति मरीज प्रति दिन

संस्थान के निदेशक **डा0 प्रवीन कटियार** ने बताया कि संथान की पैथोलॉजी लैब व फिजियोथिरैपी ओपीडी के माध्यम से बहुत ही कम दरों पर पैथोलाजिकल जांचों एवं फिजियोथिरैपी की सुविधा नागरिकों को उपलब्ध करायी जा रही है। आम जनमानस इन सुविधाओं का लाभ उठायें। शीघ्र ही संस्थान द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पैथोलाजिकल जाँचों की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

दिसम्बर, 2021

1. 01 दिसम्बर, 2021, विश्व एड्स दिवस

दिनांक **01 दिसम्बर, 2021** को यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा **विश्व एड्स दिवस** पर **Past, Present & Future of HIV** विषय पर स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान संस्थान के कांफ्रेस हाल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डा0 अनिल कुमार यादव,** मुख्य वक्ता **डा0 राहुल मिश्रा,** सेकेट्री जनरल, एच.आई.वी. वेलफेयर सोसाइटी आफ इण्डिया, संस्थान के निदेशक, **डा0 प्रवीन कटियार** तथा हिन्द मेडिकल कालेज में एनाटमी विभाग के पूर्व प्रोफेसर **डा0 आर0के0 श्रीवास्तव** द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डा0 अनिल कुमार यादव** ने सभी का स्वागत किया तथा उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि एच.आई.वी. एड्स के संबंध में जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी स्वयं जागरूक रहकर इस बीमारी से बच सकते हैं। साथ ही साथ समाज में इस संबंध में जागरूकता बढ़ा सकते हैं।

मुख्य वक्ता **डा0 राहुल मिश्रा,** सेकेट्री जनरल, एच.आई.वी. वेलफेयर सोसाइटी आफ इण्डिया ने अपने व्याख्यान में बताया कि पूरे विश्व में विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकडों के अनुसार वर्ष 2020 में 3,77,00,000 व्यक्ति एच.आई. वी. संक्रमण के साथ जी रहे हैं। वर्ष 2020 में एच.आई.वी. एवं संबंधित कारणों से 6,80,000 व्यक्तियों की मृत्यु हुयी है। वर्ष 2020 में 15,00,000 नये संक्रमण हुए है। उन्होंने बताया कि इस बार की विश्व एड्स दिवस की थीम है–End Inequalities. End AIDS. भारतवर्ष में एच.आई.वी. संक्रमण के आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि भारत वर्ष विश्व में एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्तियों के मामले में तीसरे पायदान पर है। भारत वर्ष में 23.5 लाख लोग एच. आई.वी. संक्रमित हैं। प्रति वर्ष 69000 नये संक्रमण होते है तथा लगभग 59000 व्यक्तियों की मृत्यु एच.आई.वी./एड्स से होती है।

एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति में क्या कोविड–19 होने का संक्रमण अधिक रहता है? इस पर डा0 राहुल मिश्रा ने बताया कि हम यह मान कर चल रहे हैं एच.आई.वी. संक्रमित वो व्यक्ति जो कि उचित प्रकार से एंटी रेटरोवायरल थिरैपी ले रहे हैं उनमें तथा सामान्य व्यक्तियों में कोविड–19 का खतरा लगभग बराबर है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि हम सभी मिलकर इस बीमारी से लड़ सकते हैं। हमें एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्तियों के प्रति सद्भावनापूर्ण व्यवहार रखना है, उनकी उपेक्षा नहीं करनी है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डा0 अनिल कुमार यादव** एवं संस्थान के निदेशक **डा0 प्रवीन कटियार** ने मुख्य वक्ता डा0 राहुल मिश्रा को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के निदेशक **डा0 प्रवीन कटियार** ने किया।

कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइसेंस के शिक्षक **श्री चन्द्रशेखर कुमार, श्रीमती नेहा शुक्ला, डा0 के0के0 पाण्डेय, श्री आदर्श श्रीवास्तव, कु0 आकांक्षा बाजपेयी, सुश्री अमीना जैदी, डा0 अनामिका दीक्षित, प्रो0 आर0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 राम किशोर,** सह मीडिया प्रभारी **डॉ0 विवेक सिंह सचान** एवं अन्य शिक्षकगण तथा संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

जनवरी, 2022

1. युवा समागम, दिनांक 01 जनवरी, 2022

दिनांक 01.01.2022 को नव वर्ष के अवसर पर **'यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस'** एवं **'प्रयत्न'** संस्था द्वारा युवा समागम कार्यक्रम यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के कांफ्रेस हाल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन **कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो0 विनय कुमार पाठक कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, मुख्य अतिथि प्रो0 संजय काला, प्रधानाचार्य, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर, विशिष्ट अतिथि–डा0 वंदना पाठक, आयुर्वेदाचार्य, कानपुर, डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र, परीक्षा नियंत्रक, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर व डा0 प्रवीन कटियार, निदेशक, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस** द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो0 विनय कुमार पाठक,** मुख्य अतिथि **प्रो0 संजय काला,** विशिष्ट अतिथि–**डा0 वंदना पाठक** ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने व इसको स्वच्छ व सुंदर बनाने हेतु संस्थान के परिसर में नववर्ष के अवसर पर पौधा रोपण भी किया।

संस्थान के निदेशक **डा0 प्रवीन कटियार** ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण **विचार मंथन, चिकित्सक सम्मान, प्रतिभा सम्मान व सांस्कृतिक संध्या** थी। सांस्कृतिक संध्या के अन्तर्गत संस्थान के छात्रा **इयांशी** ने **गणेश वंदना नृत्य के माध्यम से**, आस्था ने **'शुभ दिन आयो रे....' पर नृत्य, ईशा ने 'नगाढ़े संग ढोल बाजे' पर नृत्य, तान्या दीक्षित** ने **'अभी मुझमें कहीं....', पर गीत, विकास ने दिल ले गयी कुड़ी पर नृत्य, दिलीप सिंघानिया ने 'स्लोली–स्लोली पंजाबी सांग', प्रियांशु गुप्ता ने तेरी आंखों का काजल पर नृत्य तथा संस्थान के पूर्व छात्र अभिषेक द्विवेदी ने 'तुमने न जाना कि मैं दीवाना व बड़ी मुश्किल है, खोया मेरा दिल है' गीत प्रस्तुत किया। स्टार आक्रेस्ट्रा ने भी गीत प्रस्तुत किए। स्टार आक्रेस्ट्रा** की धुनों पर विद्यार्थियों ने नृत्य भी प्रस्तुत किया।

प्रयत्न संस्था की ओर से **चिकित्सक सम्मान** के अन्तर्गत कानपुर नगर के प्रसिद्ध चिकित्सक **डा0 उमेश पालीवाल** को चिकित्सा–स्वास्थ्य सेवाओं एवं समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान हेतु **'उत्कृष्ट सेवा सम्मान'** प्रदान किये जाने की घोषणा की। मुख्य अतिथि **प्रो0 संजय काला** ने **डा0 उमेश पालीवाल** को **एक शाल, एक स्मृति चिन्ह व एक प्रशस्ति** पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रयत्न संस्था द्वारा कानपुर नगर के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ **डा0 अवध दुबे** को **'लाइफ टाइम एचीवमेंट एवार्ड'** प्रदान किया गया। यह एवार्ड उनको अब तक 32771 गरीब मरीजों के नेत्र के आपरेशन तथा समाज सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने हेतु प्रदान किया गया। **डा0 अवध दुबे को मा0 कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक,** मुख्य अतिथि **प्रो0 संजय काला** व विशिष्ट अतिथि **डा0 वंदना पाठक** द्वारा **एक शाल, एक स्मृति चिन्ह व एक प्रशस्ति** पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम अध्यक्ष **प्रो0 विनय कुमार पाठक ने** कहा कि यह वर्ष चुनौतियों भरा वर्ष है। हमें इस वर्ष नई बीमारियों से लड़ने की तैयारी करनी होगी। साथ ही आर्थिक रूप से भी आगे बढ़ना होगा। हम सभी को बदलाव की आवश्यकता है। इस नव वर्ष समाज की सेवा करना हमारा प्रथम संकल्प होना चाहिए। जिन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया है वह सेवा भाव के महत्व को समझें और साथ ही अपनी क्षमता अनुसार सेवा करें। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष से ऐसे विद्यार्थियों को भी सम्मानित करेगें, जिन्होनें समाज सेवा में अपना योगदान दिया हो, नयी तकनीकी विकसित की हो या डायग्नोस्टिक/ फिजियोथिरैपी में कोई नवाचार किया हो।

कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि,** जी.एस.वी.एम के प्रधानाचार्य **प्रो. संजय काला** ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र/अध्ययन में अदभुत प्रयास करना चाहिए। छात्रों को कछुए से दृढ़ता और खरगोश से तेजी सीखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। विद्यार्थियों को सिर्फ डिग्री मिलने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। जो सीखा है उसे जमीनी स्तर पर भी लागू करें और ज्यादा से ज्यादा नई तकनीकों के बारे में जानें तथा उनका उपयोग समाज कल्याण के लिए करें। उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि जो समाज से लिया है उसको समाज में दोगुने रूप में वापस करें।

कार्यक्रम में **विशिष्ट अतिथि डा0 वंदना पाठक** ने कहा कि हमें अपने जीवन में अपनी प्राचीन पद्धति (आयुर्वेद) के लाभ का अनुपालन करना चाहिए। हॉस्पिटल में जो इतने मरीज दिखाई देते है,उसका एक प्रमुख कारण यह भी है कि हम अपनी दिनचर्या का पालन ठीक ढंग से नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने उद्देश्य को स्पष्ट रखना चाहिए। साथ ही सभी को समाज के प्रति अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में योग को अपनाना चाहिए।

धन्यवाद ज्ञापन देते हुए प्रयत्न संस्था के अध्यक्ष **डा0 एस0पी0 सिंह** ने कहा कि शिक्षा के साथ साथ हमारा आचरण और व्यवहार भी अच्छा होना चाहिए।कार्यक्रम में कूटा अध्यक्ष **डॉ0 बी.डी पांडे**, रोटरी क्लब आफ कानपुर के सचिव **श्री गौरव अग्रवाल जैन, श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह,** महानगर मजिस्ट्रेट/सदस्य, ज्यूडिशियल बेंच सीडब्लूसी, कानपुर नगर, **श्री गौरव प्रकाश,** निदेशक, आरनम फूड्स जोन प्राइवेट लि0 को भी सम्मानित किया गया।

फरवरी, 2022

1. 04 फरवरी 2022, विश्व कैंसर दिवस

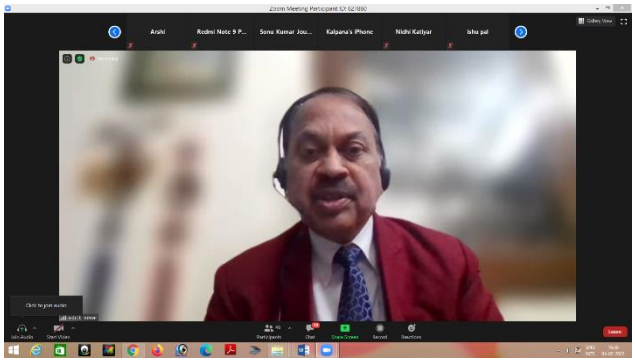

दिनांक **04 फरवरी, 2022** को **यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस** एवं **इण्टरनेशनल सोसाइटी फार लाइफ साइंसेस** के संयुक्त तत्वाधान में **विश्व कैंसर दिवस** के अवसर पर **कैंसर जागरूकता विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार** का आयोजन हुआ। इस वेबिनार का शुभारम्भ **मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी** द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो0 विनय कुमार पाठक जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर के संबंध में जागरूकता बढ़ाने की अत्यंत आवश्यकता है। व्यक्तियों को कैंसर के रोकथाम के संबंध में जानना नितांत आवश्यक है। विश्व में आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस और कैंसर डिटेक्टशन का बहुत सा कार्य हो रहा है। कैंसर की टेस्टिंग मैकेनिज्म पर भी कार्य चल रहा है। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर प्रतिबद्ध है समाज की सेवा के लिए और बहुत से कार्य इस संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा किये जायेंगे।

व्याख्यान के वक्तागण निम्नवत् थे–

वक्ता	विषय
प्रो0 अशोक कुमार कुलपति, निर्वान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान अध्यक्ष, इण्टरनेशनल सोसाइटी फार लाइफ साइंसेस। पूर्व कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय	**कैंसर–जागरूकता एवं रोकथाम (Cancer Awareness & Prevention)**
प्रो0 एस0एन0 प्रसाद निदेशक, जे0के0 कैंसर इंस्टीट्यूट, कानपुर।	**मुख के कैंसर की रोकथाम (Prevention of Oral Cancer)**

प्रो0 एस0एन0 प्रसाद, निदेशक, जे0के0 कैंसर इंस्टीट्यूट, कानपुर ने **मुख के कैंसर की रोकथाम** विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि मुख के कैंसर के लिए तंबाकू का सेवन (किसी भी रूप में) एक प्रमुख कारण है। तंबाकू का सेवन व एल्कोहल का सेवन करने से यह रिस्क बढ़ जाता है। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण से भी मुख का कैंसर हो सकता है। उन्होंने बताया कि पूरे विश्व में 4 व्यक्ति प्रति लाख जनसंख्या मुख के कैंसर से पीड़ित हैं। भारत वर्ष में यह संख्या 16 व्यक्ति प्रतिलाख जनसंख्या है।

प्रो0 अशोक कुमार, कुलपति, निर्वान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान; अध्यक्ष, इण्टरनेशनल सोसाइटी फार लाइफ साइंसेस एवं पूर्व कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय ने **कैंसर–जागरूकता एवं रोकथाम** विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि इस बार विश्व कैंसर दिवस की थीम है–CLOSE THE CARE GAP. उन्होंने कहा कि सब जानते हैं कि विगत 2 वर्षों में कोरोना महामारी के कारण विभिन्न प्रकार के अन्य रोगियों पर जिस प्रकार ध्यान कम गया, ठीक उसी प्रकार से कैंसर रोगियों के चिकित्सा पर पूरा ध्यान नहीं दिया गया। इसीलिए इस वर्ष कैंसर दिवस के अवसर पर यह एक विशेष अभियान चलाया जायेगा, जिससे कि कैंसर पीड़ित रोगियों का उचित उपचार हो, उनकी देखभाल हो तथा वह स्वस्थ रह सकें।

प्रश्नोत्तर सेशन में नारायना इंस्टीट्यूट के फार्मेसी विभाग के छात्र नवल किशोर ने पूछा क्या मसूड़ों में रक्तस्राव ओरल कैंसर का लक्षण है? इस प्रश्न का उत्तर देते हुए डा0 एस0एन0 प्रसाद ने बताया मसूड़ों में रक्तस्राव के विभिन्न कारण हैं और इस संबंध में चिकित्सक की सलाह लेना अत्यंत आवश्यक है।

बी.एस.सी. एम.एल.टी. द्वितीय वर्ष के छात्र अनिल कुमार ने पूछा कि कैंसर से लड़ने में चुनौतियां क्या हैं? इस प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रो0 अशोक कुमार ने बताया कि कैंसर के विरूद्ध लड़ाई व्यक्ति पर निर्भर है। व्यक्ति यदि उचित जीवन शैली, नियमित रूप से खानपान एवं व्यायाम करता है तो वह कैंसर से काफी हद तक बच सकता है।

इस वेबिनार में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, डा0 सुधांशु पाण्डिया, डॉ0 राशि अग्रवाल, डॉ0 संदेश गुप्ता, डॉ0 कौशलेन्द्र कुमार पाण्डेय, सहमीडिया प्रभारी डा0 विवेक सिंह सचान व अन्य शिक्षकगण व देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्यार्थी, शिक्षकगण, इण्टरनेशनल सोसाइटी फार लाइफ साइंसेस के सचिव डॉ0 हेमंत पारिक तथा फाइट अगेंस्ट कैंसर अभियान के सचिव डॉ0 मुकेश कुमार शर्मा उपस्थित थे।

मार्च, 2022

1. 03.03.2022, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान

माननीय कुलपति जी प्रो. विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा से दिनांक 3 मार्च 2022 को स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस की स्टूडेंट काउंसिल के छात्र छात्राओं के द्वारा सफाई अभियान में श्रम दान किया गया द्य छात्र छात्राओं ने इसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और भविष्य में भी ऐसे ही उत्साहवर्धक कार्यक्रमों में आगे भी भाग लेने का संकल्प लिया। विभाग के शिक्षकों ने स्वयं श्रम दान कर कार्यक्रम का प्रेरणादायक शुभारंभ किया।

2. 08.03.2022, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी एवं शोभा यात्रा।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में ''बेहतर कल के लिए वर्तमान में लैंगिक समानता'' विषयक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठ में मुख्य अतिथि आयुर्वेदाचार्य डा0 वंदना पाठक ने कहा कि वर्तमान परिवेश में हर महिला ने अपने आप को प्रत्येक क्षेत्र में सिद्ध किया, चाहे वह आर्थिक हो या सामाजिक, सांस्कृतिक या फिर खेल।

विशिष्ट अतिथि डा0 संगीता सारस्वत ने अपने विचार रखते हुए कहा कि महिला ही हर क्षेत्र में उत्थान की कारिणी है। भावी पीढ़ी के निर्माण में गर्भिणी के क्रिया कलाप हमारे ऋषियों द्वारा सुनिश्चित किये गये हैं, जिसके आधार पर गर्भिणी जैसा चाहे वैसी संतति का निर्माण कर सकती है। वर्तमान परिवेश में गर्भिणी का खान–पान, पारिवारिक वातावरण आदि कैसा होना चाहिए इसकी सम्यक शिक्षा देने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर 'गर्भ संस्कार' कोर्स संचालित हो रहे हैं।

मुख्य वक्ता **डा0 अंजली विश्वास कुलकर्णी, विशिष्ट अतिथि डा0 संगीता सारास्वत, प्रति कुलपति, प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा, सहायक निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी, सहायक आचार्य डा0 राम किशोर** आदि उपस्थित रहे।

3. 11 व 12 मार्च, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के बी.पी.टी. अंतिम वर्ष के छात्रों को किरन पुर्नवास केंद्र, वाराणसी में शैक्षणिक भ्रमण।

छत्रपति साहूजी महाराज यूनिवर्सिटी (सीएसजेएम यूनिवर्सिटी), स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज, फिजियोथैरेपी (फाइनल ईयर) के छात्रों ने 11 और 12 मार्च 2022 को दो दिवसीय शैक्षिक दौरे के हिस्से के रूप में माधोपुर, वाराणसी–विकलांगता और विकलांग पुनर्वास केंद्र स्थित किरण सोसायटी का दौरा किया। छात्रों ने दौरा किया और विभिन्न प्रक्रियाओं और विभिन्न इकाइयों जैसे फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक चिकित्सा, ऑर्थोटिक्स, प्रोस्थोटिक, समुदाय आधारित पुनर्वास, संस्थान आधारित पुनर्वास और अन्य प्रक्रियाओं आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्रों ने समाज के विभिन्न सदस्यों से विकलांगता उपचार के लिए समग्र दृष्टिकोण में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त की और पुनर्वास के दौर से गुजर रहे कई रोगियों के साथ आमने–सामने बातचीत करने का मौका मिला। किरण सोसायटी के स्टाफ ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद दिया।

एजूकेशन टूर पर स्टूडेंट्स गए काशी

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज के स्टूडेंट्स करेंगे अध्ययन

kanpur@inext.co.in

KANPUR (11 March): सीएसजेएम यूनिवर्सिटी के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज में बैचलर ऑफ फीजियोथेरेपी (बीपीटी) लास्ट ईयर के स्टूडेंट्स का दल एजूकेशन टूर के लिए बनारस गया. यह दल सैटरडे तक शैक्षणिक भ्रमण पर रहेगा. स्टूडेंट्स बनारस में स्थित किरण रिहैबिलिटेशन केंद्र जो कि देश का जाना माना पुनर्वास सेंटर है. उसमें संचालित विभिन्न सेवाओं का अवलोकन और अध्ययन भी करेंगे. इस पुनर्वास सेंटर की स्थापना वर्ष 1990 में हुई थी और यह सेंटर स्पेशल एजुकेशन विकलांगता और

बस से स्टूडेंट्स रवाना हुए.

स्टूडेंट्स बनारस स्थित किरण पुनर्वास चिकित्सा केंद्र में करेंगे अध्ययन

पुनर्वास चिकित्सा के क्षेत्र में समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रहा है. किरण पुनर्वास चिकित्सा केंद्र भारतीय पुनर्वास संस्था और स्विट्जरलैंड से संबद्ध है. दल के साथ संरक्षक के रूप में संस्थान के सहायक आचार्य आदर्श कुमार श्रीवास्तव और आकांक्षा बाजपेई भी गए हैं. इस मौके पर डॉ. हरीश शर्मा, डॉ. मुनीश रस्तोगी मौजूद रहे.

4. 12 मार्च, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के छात्रों द्वारा नयी पुर्नवास तकनीकि का अध्ययन एवं चर्चा।

5. 14 मार्च, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आनलाइन माध्यम से आयोजित होने वाली साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला का उद्घाटन सत्र –

दिनांक 14 मार्च दिन सोमवार छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज द्वारा ऑनलाइन आयोजित होने वाली साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के यशश्वी प्रति कुलपति प्रोफ़ेसर सुधीर कुमार अवस्थी सर ने किया।

उद्घाटन सत्र का प्रारंभ संस्थान के निदेशक डॉ दिग्विजय शर्मा सर ने अतिथियों के स्वागत के साथ किया।

विश्व विद्यालय के प्रति कुलपति प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी महोदय ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा योग एक ऐसी प्राचीन विधा है जिसके माध्यम से ऋषि मुनि अपने आप को स्वस्थ ही नहीं रखते थे बल्कि उत्तम स्वास्थ्य के साथ–साथ अपने चिंतन प्रवाह को चरमोत्कर्ष पर ले जाते थे जिसे योग की भाषा में समाधि कहते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉक्टर निधीश कुमार यादव ने तैतरीय उपनिषद के आधार पर गुरु और शिष्य के बीच के संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा योग स्वास्थ्य के सभी आयामों को प्रभावित करता है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के यह चार आयाम हैं, जिनकी सर्वोच्च अवस्था के लिए योग ही एक मात्र माध्यम।

योग से स्वावलंबन के परिपेक्ष्य में प्रकाश डालते हुए डॉ यादव ने कहा यद्यपि योग का मुख्य उद्देश्य अपनी चेतना को उच्चतम अवस्था में ले जाना है, तथापि रोजगार के दृष्टिकोण से भी योग एक महत्वपूर्ण विषय है । योग के विभिन्न कोर्स जैसे डिग्री, डिप्लोमा पीजी, पीएचडी आदि कोर्स करने के बाद योग का विद्यार्थी अपने आप को एक योग शिक्षक या योग चिकित्सक के रूप में विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं में अपनी सेवाएं दे सकता है, और यदि वह नौकरी न

करना चाहे तो स्वयं का अपना योग चिकित्सा केंद्र या प्रशिक्षण केंद्र भी संचालित कर सकता है आज प्रत्येक सेक्टर में देश और विदेश में स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से योग शिक्षकों की मांग बढ़ी है।

योग यूजीसी में शामिल होने के कारण इसमें नेट और पीएचडी के कोर्स भी संचालित है। विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में भी इस विषय से विद्यार्थी अपने आप को स्थापित कर सकता है। इस प्रकार योग शिक्षा के क्षेत्र में, स्वावलंबन के क्षेत्र में और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी प्रासंगिक है और इन क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं हैं।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉक्टर रामकिशोर असिस्टेंट प्रोफेसर स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज, ने बताया कि प्रारंभ हो रहे सप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला जिसमें प्रत्येक सप्ताह देश के अलग–अलग योग के विद्वानों का व्याख्यान कराया जाएगा। मुख्य रुप से देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में जहां पर योग के विभाग हैं या योग के विभिन्न कोर्स संचालित हैं, उन एकेडमिक योग विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान होगा ताकि विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं योग के विभिन्न पहलुओं के प्रति अवगत हो सके।

संस्थान में संचालित योग के कोर्सों के संदर्भ में डॉक्टर राम किशोर जी ने बताया वर्तमान में योग से बीएससी कोर्स संचालित है और आने वाले शैक्षिक सत्र जुलाई 2022 से एम.एस.सी./एम.ए. इन योग भी संचालित होगा, जिसमें किसी भी स्ट्रीम से बैचलर डिग्री धारक प्रवेश पा सकेंगे। बीएससी वालों के लिए एमएससी इन योग और अन्य स्ट्रीम के छात्रों के लिए एमएन इन योग की डिग्री प्रदान की जाएगी। अंत मे संस्थान के निदेशक डॉ दिग्विजय शर्मा सर ने माननीय कुलपति महोदय, प्रति कुलपति महोदय, मुख्य वक्ता और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन मुख्य वक्ता ने वैदिक मंत्र के साथ संपन्न किया।

6. 24 मार्च, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आनलाइन माध्यम से आयोजित होने वाला साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला

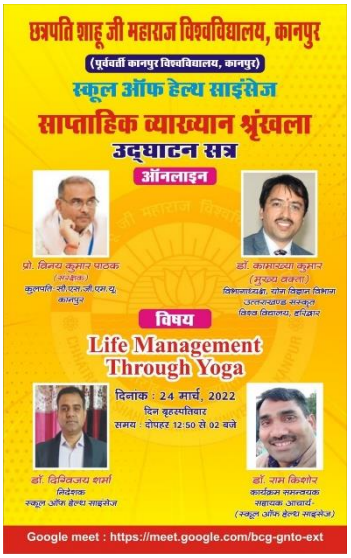

विषय–योग द्वारा जीवन प्रबंधन मुख्य वक्ता डॉक्टर कामाख्या कुमार, विभागाध्यक्ष योग विज्ञान विभाग उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार।

व्याख्यान का शुभारंभ स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज के निदेशक डॉ दिग्विजय शर्मा सर ने कार्यक्रम के संरक्षक माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए प्रारंभ किया। संस्थान के निदेशक डॉ शर्मा ने मुख्य वक्ता डॉक्टर कामाख्या कुमार विभागाध्यक्ष योग विज्ञान विभाग उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को प्रारंभ किया।

योग द्वारा जीवन प्रबंधन विषय पर बोलते हुए डॉक्टर कामाख्या कुमार ने जीवन प्रबंधन के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा यह जीवन जब क्षमता से युक्त हो जाता है तो खुशहाली लाता है प्रसन्नता देता है और यह जीवन परिवार समाज और राष्ट्र सभी के लिए उपयोगी हो जाता है परंतु यदि जीवन संतुलित ना हो तब जीवन नाना प्रकार के दुखों का समुच्चय बन जाता है।

श्रीमद्भागवत गीता के संदर्भ में योग को परिभाषित करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा 'समत्वम योग उच्यते' अर्थात समता का नाम ही योग है सुख और दुख सम और विषम अनुकूल और प्रतिकूल इन सभी परिस्थितियों में अपने आप को सम रखता है वही योगी है।

योग द्वारा जीवन प्रबंधन के विषय पर स्पष्ट करते हुए कामाख्या कुमार ने कहा जीवन को दो पक्षों में देखा जा सकता है एक फिजिकल लाइफ के रूप में और दूसरा स्प्रिचुअल लाइफ के रूप में योग जीवन के दोनों पहलुओं को प्रखर करता है योग के द्वारा दोनों क्षेत्रों में हम अपने आप को अग्रणी बना सकते हैं ।

उन्होंने कहा उपलब्ध साधनों का दक्षता पूर्ण समायोजन करना ही योग द्वारा जीवन प्रबंधन है । इस जीवन प्रबंधन की अर्थात लाइफ मैनेजमेंट स्किल की हर क्षेत्र में आवश्यकता है ।

योग की भूमिका स्व प्रबंधन में, व्यक्तित्व प्रबंधन में, परिवार प्रबंधन में, अपने हेल्थ के प्रबंधन में, अपने कार्यालय जीवन के प्रबंधन में, अपने विचारों के प्रबंधन में और तनाव के प्रबंधन में विशेष महत्व है।

तनाव जीवन के साथ ही प्रारंभ हुआ ऐसा नहीं हो सकता है कि जीवन रहे और तनाव ना रहे परंतु अपने जीवन प्रबंधन का समुचित उपयोग करके उसी तनाव में प्रसन्न रहने के उपाय हम ढूंढ सकते हैं।

योग द्वारा बुढ़ापे को धीमा किया जा सकता है इस विषय पर अब तक तमाम शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

एक बड़े स्तर पर लाइफ डिसऑर्डर के कारण लोग अल्पायु में मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं और योग सबसे पहले लाइफ डिसऑर्डर को ही संतुलित करता है उन्होंने कहा कुछ लोग आसन प्राणायाम को ही योग समझते हैं परंतु योग महा ऋषि पतंजलि ने अनुशासन से प्रारंभ किया उसी के साथ यम और नियम के रूप में सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर होने वाले अनुशासन को योग के प्रथम पायदान के रूप में स्थापित किया। इस प्रकार योग का जो एक संतुलित अभ्यास है इसके अंतर्गत यम नियम आसन प्राणायाम प्रत्याहार धारणा ध्यान समाधि आते हैं और जिसे अष्टांग योग के नाम से भी जाना जाता है उसी के द्वारा लाइफ का प्रबंधन किया जा सकता है ।

ऑनलाइन माध्यम से जुड़े अजमेर के नीरज चौधरी और लखनऊ से जुड़ी अमृता गुप्ता ने अपने प्रश्न भी पूछे।

संस्थान के सहायक निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी, डा0 वर्षा प्रसाद, श्री आदर्श श्रीवास्तव, कु0 हिना वैश, कु0 आकांक्षा बाजपेयी आदि का व्याख्यान में पूर्ण सहयोग रहा।

अंत में कार्यक्रम समन्वयक एवं सहायक आचार्य, डाक्टर राम किशोर ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

7. 24 मार्च, 2022 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की शैक्षणिक परिषद में प्रस्तावित हुए 78 नये पाठ्यक्रमों 04 पाठ्यक्रमों का प्रस्ताव स्कूल आफ हेल्थ साइसेंस द्वारा किया गया।

स्नातक	परास्नातक
1. बी.आर.आई.टी.	3. एम.एस–सी./एम.ए. इन योग
2. बी.ओ.पी.टी.	4. मास्टर्स इन पब्लिक हेल्थ

8. 26 मार्च, 2022 को ''100 टी.वी. ग्रस्त बच्चों को गोद लेने के कार्यक्रम''

विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति माननीय प्रो. विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा और संरक्षण में दिनांक 25 मार्च 2022 दिन शुक्रवार को विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज की ओर से ''100 टी.वी. ग्रस्त बच्चों को गोद लेने के कार्यक्रम'' आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति और कार्यक्रम प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, मुख्य अतिथि डॉ. ए.पी. मिश्रा, जिला क्षय अधिकारी, कानपुर नगर, कानपुर नगर के एडिसनल सी.एम.ओ. डॉ. सुबोध प्रकाश, डा0 राजेश द्विवेदी, सी0डी0सी0 निदेशक, संस्थान के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा, कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार

यादव, सहनिदेशक डा. मुनीश रस्तोगी, डीन स्टूडेन्ट वेलफेयर डा0 संजय स्वर्णकार, डा0 वर्षा प्रसाद आदि के द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ।

सर्वप्रथम कार्यक्रम के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्माजी ने माननीय कुलपतिजी के प्रति धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए कहा विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रकार की सामाजिक पहल का समाज के साथ–साथ विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं और आचार्यों पर भी बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। डा0 शर्मा ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रति कुलपति सहित उपस्थित सभी अभ्यागतों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और जनपद क्षयरोग अधिकारी डा0 ए.पी. मिश्रा ने सबसे पहले राज्यपाल महोदया और भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री के प्रति अपना अभार व्यक्त किया।

क्षयरोग के सन्दर्भ में बोलते हुए डॉ0 मिश्रा ने कहा कि यह रोग सबसे अधिक मलिन बस्ती और गरीबी में जीवन यापन करने वाले लोगों को प्रभावित करता है। उन्होंने कोविड महामारी का हावला देते हुए कहा कि क्षयरोग की सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर इतनी सुविधाएं होते हुए भी वर्तमान समय में भी विश्व में आज भी सवा करोड़ प्रति वर्ष नये क्षय रोगी पाये जाते हैं, जिनमें 14 लाख प्रतिवर्ष मर जाते हैं और इसके 30 प्रतिशत रोगी भारत वर्ष के हैं। भारत वर्ष का लक्ष्य–2030 तक क्षय रोग से मुक्त कराने का था, जिसे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी ने कहा हम इसे 2025 तक ही पूर्ण करेंगे। डा0 मिश्रा ने मा0 प्रधानमंत्री जी को आभार व्यक्त करते हुए कहा तहसील स्तर पर क्षय रोग की जांच की अत्याधुनिक आटोमेटिक मशीनें लगायी जा चुकी हैं, जो मात्र 40 मिनट में रिपोर्ट को दे देती हैं। उन्होने समाज के प्रत्येक वर्ग से अपेक्षा की कि सभी को इस रोग के नियंत्रण हेतु समाज को जागरूक करने का कार्य करना चाहिए। अपने आस–पास जिनमें इस रोग की संभावना हो, ऐसे लोगों को जांच सेंटर में भेजने के लिए कहा।

कार्यक्रम अध्यक्ष और विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति महोदय ने अपने व्याख्यान में क्षय रोग पर किये गये अपने अनुसंधानों के आंकडे प्रस्तुत किए और आगे भविष्य में हेल्थ साइंसेस एवं लाइफ साइंसेस के साथ मिलकर क्षय रोग पर अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया। प्रतिकुलपति महोदय ने आश्वस्त किया कि लिये गये सभी 100 क्षय रोगियों की विश्वविद्यालय सभी आवश्यक सुविधायें पूर्ण स्वस्थ होने तक उपलब्ध करायेगा।

विशिष्ट अतिथि डा0 सुबोध प्रकाश, ए.सी.एम.ओ., कानपुर नगर ने सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक इन योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित नहीं किया जा सकेगा तब तक देश को टी.बी. मुक्त नहीं किया जा सकता।

कार्यक्रम में सी.डी.सी. डायरेक्टर, डा0 राजेश द्विवेदी और प्रो0 संजय स्वर्णकार, डीन, स्टूडेंट वेलफेयर ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम निदेशक और विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा0 अनिल कुमार यादव ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डा0 राम किशोर, सहायक आचार्य, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस ने किया।

9. 22 से 27 मार्च, 2022, अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालयीय महिला एवं पुरूष जूड़ो चैंपियनशिप में स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस की टीम द्वारा चिकित्सा राहत

जूडो चैम्पियनशिप में एलपीयू ओवर आल चैम्पियन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में चल रहे अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीय जूडो (पुरुष) चैम्पियनशिप 2021–22 पुरस्कार वितरण के साथ आज रविवार को संपन्न हो गया। अंतिम दिन फाइनल मैच में रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। मुख्य अतिथि संजीव पाठक, क्षेत्रीय संयोजक, क्रीड़ा मंत्री ने विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उनका उत्साहवर्द्धन किया। उन्होंने कहा कि सरकार अब खेल की तरफ ज्यादा ध्यान देने लगी हैं। खुद प्रधानमंत्री भी इस मामले में अपनी रूचि दिखा रहे हैं, जो देश के होनहार खिलाड़ियों के लिए स्वर्णिम भविष्य के संकेत हैं। मुख्य अतिथि श्री पाठक ने कहा कि जिन प्रतिभागियों को विजय हासिल नही हुई, उन्हें निराश होने की जरूरत नही है। उन्हें इस हार को भुलकर फिर से जीतने के प्रयास में लग जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि हार–जीत तो हर खेल का हिस्सा है, लेकिन अपनी हार पर निराश न होकर बल्कि खेल में हुई गलतियों से सीख कर आगे बढ़ना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की प्रशंसा करते हुए इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन करवाने के लिए उनका आभार प्रकट किया। समापन समारोह के अध्यक्ष प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए इस तरह की प्रतियोगिताओं को भविष्य में भी निरंतर आयोजित किया जायेगा, जिससे छात्रों के मन में खेलों के प्रति उत्साह और लगन की भावना बनी रहे। उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति के बौद्धिक तथा शारीरिक विकास के लिए उसी तरह से आवश्यक है, जैसे जीने के लिए अन्न, जल और वायु। खेलों से दिमाग सक्रिय रुप से कार्य करता है तथा शरीर स्वस्थ रहता है। चैम्पियनशिप में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ओवर ऑल चैम्पियन रही। दिल्ली विश्वविद्यालय दूसरे स्थान पर तथा कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी व सन्त गाडगे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी तीसरे स्थान पर रही। चैम्पियनशिप में –66 किलोग्राम भार वर्ग में पंजाब यूनिवर्सिटी के केशव को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बेस्ट जूडोका'' से सम्मानित किया गया। उन्होंने प्रतिस्पर्धा में अपने प्रतिद्वंद्वी को अपने उम्दा दांव–पेंच दिखाया और अंत में विजय हासिल की। आज के खेल में एबी –73 किलोग्राम भार वर्ग में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के राहुल मिश्रा को गोल्ड, बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी के आयुष दत्त को सिल्वर और सन्त गाडगे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी के महक प्रीत सिंह तथा यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के हर्ष टोकस को ब्रॉन्ज मेडल हासिल हुआ। इससे पहले खेले गये मैचों में –100 किलोग्राम भार वर्ग में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के ऋतिक को गोल्ड, डॉ. बी.आर. अंबेडकर यूनिवर्सिटी के ललित को सिल्वर और सन्त गाडगे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी के आशीष मलिक तथा इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी, मीरपुर के विशाल को ब्रॉन्ज मेडल हासिल हुआ। एबी –60 किलोग्राम भर वर्ग में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के अजय कुमार ने गोल्ड, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के मनी शर्मा ने सिल्वर और डॉ. बी.आर. अंबेडकर यूनिवर्सिटी के सोहन सिंह व एम.डी. यूनिवर्सिटी (बॉयज) के देवेंद्र ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। पूरे चैम्पियनशिप के दौरान स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के वालंटियर्स पूरी तनमयता के साथ लगे रहे। हेल्थ साइंस की तरफ से स्वास्थ्य टीम का नेतृत्व डॉ. दिग्विजय शर्मा और डॉ. मुनीष रस्तोगी ने किया। उनके नेतृत्व में विकास कुमार, आदित्य, ज्ञान सिंह आदि वालंटियर्स खिलाड़ियों के प्राथमिक उपचार में लगे रहे।

समापन समारोह का संचालन डॉ. प्रवीण कटियार ने किया तथा कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार यादव धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर क्रीड़ा सचिव डॉ. आर.पी सिंह, टेक्निकल डायरेक्टर डॉ. यशवीर सिंह, डॉ. आशीष दुबे, डॉ. आशीष कटियार समेत बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र और जूडो के कोच, खिलाड़ी आदि मौजूद रहे।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अखिल भारती अंतरविश्वविद्यालयीय महिला एवं पुरूष जूड़ो चैंपियनशिप का आयोजन 22 मार्च से 27 मार्च, 2022 में किया गया। जिसमें स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा मेडिकल समिति का गठन कर राहत सहायता प्रदान की गयी।

10. 31 मार्च, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आनलाइन माध्यम से आयोजित होने वाला साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला–तृतीय व्याख्यान

कोरोना काल में लोगों ने फेफड़ों के महत्व को लोगों ने जाना, लोगों ने जाना कि इम्यूनिटी क्या होती है। लोगों ने आयुष को भी जाना और योग एवं प्राणायाम को भी जाना। इम्यूनिटी को बढ़ाने में योग एवं प्राणायाम का महत्व अद्वितीय है। हम सभी जानते हैं कि टी.बी. और निमोनिया आदि संक्रमण रोग हैं। देश के माननीय प्रधानमंत्री जी ने घोषणा की है कि वर्ष 2025 तक भारतवर्ष को टी.बी. मुक्त बनाना है और टी.बी. रोगियों में 80 प्रतिशत रोगी फेफड़ों की टी.बी. के होते हैं। अतः भारत वर्ष को टी.बी. मुक्त बनाने के लिए फेफड़ों को मजबूत किये बिना संभव नहीं है।

यह विचार किंगजार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ के विभागाध्यक्ष प्रो0 सूर्यकान्त त्रिपाठी ने छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला में रख रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना, टी.बी., निमोनिया आदि न हो यह अवश्य ही आयुष, योग, प्रणायाम आदि से ही हो सकता है। प्राणायाम हमारी प्राचीन पद्धति है परंतु हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि योग, प्राणायाम आदि सहायक चिकित्सा पद्धतियां हैं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक अवस्था का मधुमेह जिसमें पैक्रियाज की बीटा सेल ने पूरी तरह से इंसुलिन का स्रावण बंद नहीं किया है योग प्रणायाम आदि से ठीक हो सकता है। परंतु बीटा सेल द्वारा इंसलिन का स्रावण बंद हो जाने के बाद योग द्वारा मधुमेह को ठीक करने का दावा करना सर्वथा भ्रामक है।

मनुष्य बिना भोजन एवं जल के तीन सप्ताह तक जीवित रह सकता है परंतु बिना आक्सीजन के 3 मिनट भी जीवन संभव नहीं है और आक्सीजन का आधार है हमारी श्वसन प्रक्रिया। सामान्य ढंग की श्वांस से लगभग 500 एम.एल. वायु ही अंदर जाती है। प्राणायाम के दौरान 1000 से 1500 एम.एल. तक वायु को हम धारण करते हैं। अतः फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए नियमित 5 मिनट का प्राणायाम अवश्य करना चाहिए। डा0 त्रिपाठी ने फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए जन समुदाय से निम्न बातों को अपनाने का परामर्श दिया–

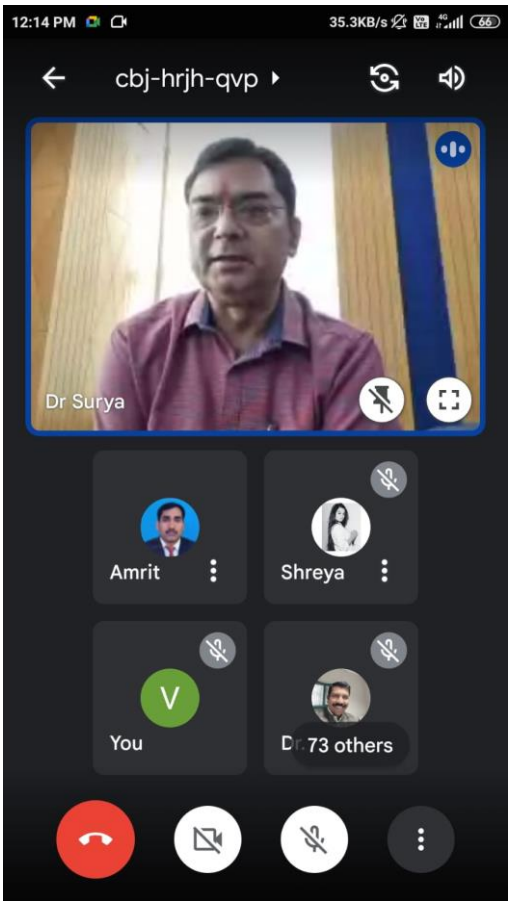

1. सभी लोग नियमित 5 मिनट का प्राणायाम अवश्य करें।
2. घर से बाहर निकलें तो वायु प्रदूषण से बचने के लिए मास्क का प्रयोग अवश्य करें।
3. धूम्रपान बिल्कुल न करें।
4. प्रातः या सायं भाप लें, जिसमें सायं काल अधिक लाभप्रद है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ व्याख्यान श्रृंखला के समन्वयक डॉ. राम किशोर जी ने गायत्री मंत्र के साथ प्रारंभ करते हुए सर्व प्रथम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज में संचालित योग के कोर्सों में बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ''बी.एस.सी. इन योग'' कोर्स संचालित हैं तथा अगामी शैक्षिक सत्र 2020–23 से एम.एससी./एम.ए. इन योग भी संचालित होगा, जिसमें अन्तिम वर्ष के छात्रों को यू.जी.सी–नेट की लिए अतिरिक्त कक्षाएं चालाई जायेगी।

कार्यक्रम अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत वर्ष की प्रचीन योग विद्या जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उपयोगी हैं। इसे प्रत्येक विषय के विद्यार्थियों का अपनाना चाहिए।

लखनऊ से योग छात्रा कुसुम पाण्डेय, डा0 नंद लाल जिज्ञासु, आदि ने मुख्य वक्ता से अपने प्रश्न भी पूछे, जिसे डा. त्रिपाठी जी ने बड़े ही व्यवहारिक एवं वैज्ञानिक ढंग से समझाया। संस्थान के सहायक निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी, डा0 वर्षा प्रसाद, श्री आदर्श श्रीवास्तव, कु0 हिना वैश, कु0 आकांक्षा बाजपेयी आदि का व्याख्यान में पूर्ण सहयोग रहा।

अन्त में संस्थान के निदेशक डा. दिग्विजय शर्मा जी ने कार्यक्रम में जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

माह– अप्रैल, 2022

1. 07 एवं 08 अप्रैल, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक्स (Myofascial Release Techniques) विषय पर दो दिवस फिजियोथिरैपी कार्यशाला

मांसपेशियों के खिंचाव में नैनो टेक्नोलॉजी होती बेहद कारगर

सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस में आयोजित हुई वर्कशॉप, डाइट क्लीनिक का भी इनॉग्रेशन

kanpur@inext.co.in

KANPUR (7 April): जब एक फास्ट बालर एक हाथ का प्रयोग दूसरे की तुलना में कम करता है, तो उसके उसके कंधे की मांसपेशियों में असंतुलन उत्पन्न होता है. इस प्रकार की समस्याओं के निदान एवं बचाव के लिए फिजियोथिरैपी, योग, एक्यूप्रेशर, नैनो टेक्नोलॉजी आदि काफी उपयोगी साबित हो सकते हैं. यह बात सीएसजेएम यूनिवर्सिटी के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने कही. वे स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज में थर्सडे को 'मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक्स' टॉपिक पर आयोजित वर्कशाप में बोल रहे थे.

पौधा देकर गेस्ट का किया सम्मान.

मायोफेशियल रिलीज के सिद्धांत

मुख्य वक्ता प्रो. अरूणमोझी रंगनाथन ने मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक के सिद्धांतों और प्रयोगों के विषय पर विशेष जोर दिया. डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. संजय कुमार स्वर्णकार जी ने ट्रिगर प्वाइंट्स और पुराने दर्द के प्रबंधन के बारे में बताया. कार्यशाला में अतिथियों ने स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में 'आहार चिकित्सा केन्द्र' का भी उद्घाटन किया. इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार यादव, संस्थान के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा, डॉ. हरीश शर्मा, डॉ. मुनीश रस्तोगी, आदि मौजूद रहे.

डाइट क्लीनिक का इनॉग्रेशन

स्वास्थ्य दिवस स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस में प्रतिकुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने डाइट क्लीनिक का इनॉग्रेशन किया. इस डाइट क्लीनिक में मोटापा, हृदय रोग, डाइबिटीज, कुपोषण, पेट के रोग, थाइराइड, हड्डी रोग तथ अन्य रोगों का आहार परामर्श किया जाएगा. स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस में 100 स्टूडेंट्स का निशुल्क एनीमिया चेकअप किया गया.

100 स्टूडेंट्स का निशुल्क एनीमिया चेकअप किया गया.

स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में ''मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक्स'' विषय पर चल रही कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य वक्ता प्रो0 अरूणमोझी रंगनाथन ने विद्यार्थियों को शरीर के अलग–अलग हिस्सों में मांसपेशीय से संबंधित जटिलताओं में प्रयोग की जाने वाली मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक्स के विषय में विस्तृत व्यवहारिक एवं सैद्धान्तिक चर्चा की।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में संस्थान के प्रतिभागियों ने अपने प्रश्नों को पूछा जिसको डा0 अरूणमोझी रंगनाथन बड़े ही सरल और व्यवहारिक ढंग से समझाया। प्रतिभागियों में कार्यशाला को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला और उन्होंने इस तरह की कार्यशालायें भविष्य में निरंतर होती रहें ऐसी अपेक्षा भी की।

कार्यशाला के समापन सत्र में संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा ने एस.बी.एस. विश्वविद्यालय, देहरादूर से पधारे प्रो0 अरूणमोझी रंगनाथन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपके द्वारा मायाफेशियल रिलीज टेक्नीक्स पर की गयी कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए निश्चित ही उनके व्यवसायिक प्रगति में सहायक होगी। इसी के साथ निदेशक महोदय ने प्रतिभागियों और संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों आदि के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

समापन अवसर पर सहनिदेशक डा0 मुनीष रस्तोगी व संस्थान के शिक्षक डा0 वर्षा प्रसाद, श्री चन्द्रशेखर कुमार, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, सुश्री आकांक्षा बाजेपयी एवं श्री हरीश चन्द्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

2. 07 अप्रैल, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा 110 विद्यार्थियों का एनीमिया परीक्षण किया गया।

110 छात्रों की एनीमिया जांच

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस की ओर से एनीमिया की निशुल्क जांच कराई गई। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के निर्देश पर 110 छात्र-छात्राओं की एनीमिया जांच हुई है। जिन छात्रों की रिपोर्ट में कुछ कमी मिलेगी, उन्हें जागरूक किया जाएगा। उनका विशेष ध्यान भी रखा जाएगा।

मा0 कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं मा0 कुलपति महोदय प्रो0 विनय कुमार पाठक के संरक्षण एवं अथक प्रयासों से विश्वविद्यालय के हेल्थ साइंसेस में 100 विद्यार्थियेां का निःशुल्क रक्ताल्पता (Anaemia) का परीक्षण हुआ।

ज्ञातव्य हो कि दिनांक 04 मई, 2022 को वर्ल्ड थैलीसीमिया डे के उपलक्ष्य में कुलाधिपति महोदया छात्राओं के स्वास्थ्य सुधार के प्रति निरंतर चिंतित और प्रयत्नशील हैं, जिसके लिए विश्वविद्यालयों को अनवरत् प्रेरित करती रहती हैं। उसी क्रम में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर भी निरंतर छात्र–छात्राओं के सामाजिक सरोकार, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता आदि को प्रोत्साहित एवं संचालित करता रहता है।

3. 07 अप्रैल, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आहार चिकित्सा केंद्र का शुभारम्भ

सीएसजेएमयू में आहार चिकित्सा केंद्र शुरू

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज में विवि कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की प्रेरणा से आहार चिकित्सा केंद्र की स्थापना की गई। जिसका शुभारंभ विवि के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने किया। इस क्लीनिक में मोटापा, हृदय, डाइबिटीज, कुपोषण, पेट के रोग, थायराइड, हड्डी समेत अन्य रोगों से संबंधित आहार परामर्श दिया जाएगा। प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि कई रोग का कारण गलत आहार होता है।

स्वास्थ्य दिवस के शुभ अवसर पर मा0 कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा से डाइट क्लीनिक का उद्घाटन मा0 प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी द्वारा किया गया एवं इस अवसर पर मा0 कुलसचिव डा0 अनिल कुमार यादव, प्रो0 संजय कुमार स्वर्णकार, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा, सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी एवं डिपार्टमेंट आफ न्यूट्रीशन साइंस की सहायक आचार्य डा0 अनामिका दीक्षित, डा0 आमना जैदी उपस्थित रहीं।

इस डाइट क्लीनिक में मोटापा, हृदय रोग, डाइबिटीज, कुपोषण, पेट के रोग, थाईराइड, हड्डी रोग तथ अन्य रोगों का आहार परामर्श किया जायेगा।

4. 10 अप्रैल, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आनलाइन माध्यम से आयोजित होने वाला साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला–चतुर्थ व्याख्यान

प्रकृति ने हमें वह सब कुछ दिया है जो हमारे लिए आवश्यक हैए उसने रात और दिन बनायाए दिन कार्य करने के लिए है और रात आराम करने के लिएए परंतु हम रात्रि में जगते हैं और दिन में सोते हैंए नियम के प्रतिकूल और विभिन्न रोगों का कारण है। अतः रात में आराम और दिन में कार्य करना प्रकृतिक नियम है। वही फल और सब्जियां हमारे लिए उपयोगी हैं जो क्षेत्रीय और मौसम के अनुकूल हैंए दूसरे देशों या प्रदेशों का फल और सब्जियां हमारे लिए इतनी उपयोगी नहीं हो सकते। नियमित अंकुरित अन्न अवश्य लेनी चाहिए क्योंकि वह हमारी प्रकृति के अनुकूल हैं। वह हमारे शरीर के तंत्रों में सहायता उत्पन्न करती हैं।

आहार को चबा चबा कर ले अन्यथा दांत भी पहले जाएंगे और आते भी।

यह विचार छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज द्वारा आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला में डॉक्टर सत्येंद्र कुमार मिश्र वरिष्ठ योग शिक्षक योग विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ने रखें ।

'प्रकृति के विपरीत कार्य करना ही समस्या'

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

सीएसजेएमयू में आयोजित सेमिनार में दिए योग के टिप्स

kanpur@inext.co.in

KANPUR (10 April): प्रकृति ने रात और दिन बनाया, दिन कार्य करने के लिए है और रात आराम करने के लिए, परंतु हम रात्रि में जगते हैं और दिन में सोते हैं. प्रकृति के प्रतिकूल रहना ही रोगों का कारण है. रात में आराम और दिन में कार्य करना प्राकृतिक नियम है. हमारा खान-पान भी हमारी परिस्थितियों और मौसम के अनुरूप ही होना चाहिए. यह बात लखनऊ यूनिवर्सिटी के डॉ. सत्येंद्र कुमार मिश्र ने कही. वे सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला में बोल रहे थे.

सवालों के दिए जवाब

उन्होने स्टूडेंट्स के सवालों के भी जवाब दिए और योग द्वारा दैनिक जीवन में होने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में भी बताया. सीएसजेएमयू के सीडीसी डायरेक्टर डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा और योग दोनों परस्पर पूरक है. व्यक्ति जब निराश हो जाता है, तब इनकी शरण में आता है जबकि, हमें रोग की प्रारंभिक अवस्था में ही इनकी शरण में आना चाहिए, ताकि हम हानिकारक दवाओं से बच भी सके. कोऑर्डिनेट डॉ. रामकिशोर ने और संचालन डॉ. दिग्विजय शर्मा ने किया.

वेबिनार में मौजूद एक्सपर्ट.

12 अप्रैल को प्रतियोगिता

सीएसजेएमयू में 12 अप्रैल को सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता होगी. शिवाजी स्टेडियम में होने वाली 108 सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता की तैयारियां चल रही हैं.

मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ मिश्रा ने कहा जब हम प्राकृतिक चिकित्सा की बात करते हैं तो इसके मुख्यता दो अभिप्राय हैं नंबर 1 रोगी की चिकित्सा और नंबर दो नेचर केयर अर्थात के वह नियम जिनका पालन करके हम अपने आप को रोगी होने से बचाते हैं। और अपने हेल्थ स्तर को भी सुधारते हैं। उन्होंने कहा हमारा शरीर पांच तत्वों से मिलकर बना हुआ है इसलिए इसका उपचार इन्हीं पंच तत्वों से ही हो सकता है जैसे मोरंग सीमेंट बालू आदि से बनी बिल्डिंग कि जब हम मरम्मत करते हैं तो उन्हीं तत्वों का इस्तेमाल करते हैं जिनसे वह बनाए गए हैंए ठीक उसी प्रकार पृथ्वीए अग्निए वायुए जल और आकाश इन पंच तत्वों से बने शरीर में विकृत होने पर इसका इलाज इन्हीं तत्वों के द्वारा की जा सकती है।

उन्होंने कहा इन पांचों तत्वों की कमी या अधिकता के आसानी से जाना जा सकता है और उसी के अनुसार इनका प्रयोग करके योगी को ठीक किया जा सकता है।

उन्होंने कहा जिस मौसम में हमें जिस प्रकृति के फल और सब्जियों की आवश्यकता होती है प्रकृति स्वयं उत्पन्न करती है। इसी

जैसे गर्मी के मौसम में जल प्रधान तोरई लौकी परवल आदि सब्जियां स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होती हैं और सर्दी के मौसम में सोया मेथी सरसों आदि।

लखनऊ से जुड़ी कुसुम पांडे ने पूछा सर प्रोटीन के लिए मांस का सेवन आवश्यक है तो क्या मांस को भी कच्चा खाना चाहिए इस प्रश्न के उत्तर डॉ मिश्रा ने कहा मांस का सेवन वहां आवश्यक है जहां पर अन्य प्रोटीन के कंपोनेंट उत्पन्न नहीं।

भारत देश में प्रोटीन के ढेरों विकल्प उत्पन्न है। भारतवर्ष में 17 प्रकार की दाले पाई जाती हैं जो प्रोटीन की प्रचुरता से परिपूर्ण है। प्रोटीन के पोषण के लिए इन दलों को मिलाकर सेवन करना प्रोटीन का सबसे अच्छा विकल्प है। मांस का सेवन उन देशों के लिए है जहां पर प्रोटीन के कोई भी विकल्प उत्पन्न ना हो क्योंकि मांस प्राकृतिक आहार नहीं है।

एक अन्य छात्रा ने पूछा आकाश की चिकित्सा के लिए आप ने उपवास को बताया उपवास में प्रमुख सावधानियां क्या हैघ उपवास अर्थात फास्टिंग इसके प्रारंभिक और अंतिम दोनों अवस्थाएं बहुत महत्वपूर्ण है प्रारंभिक अवस्था में हमें सबसे पहले संकल्प लेते हुए अपने आप को उपवास के लिए मानसिक तौर पर तैयार करना चाहिए। उपवास के दो भाग हैं एक कल्प और एक सामान्य उपवास।

दोनों के अलग-अलग नियम है जिस भी तरह का उपवास किया जा रहा है उस तरह का उपवास करते हुए उपवास काल में पर्याप्त मात्रा में जल का सेवन और एनिमा का प्रयोग अवश्य करना चाहिएए ताकि बड़ी आंतों में मल का अवरोध ना होने पाए। जब उपवास समाप्त कर रहे हो तो एकदम से सामान्य नहीं लाना चाहिए। अंत में नींबू पानीए सेमी लिक्विड और उसके बाद सामान्य आना चाहिए।

विश्व विद्यालय के सी डी सी डायरेक्टर डॉक्टर राजेश कुमार द्विवेदी ने अपने विचार रखते हुए कहा प्राकृतिक चिकित्सा और योग दोनों परस्पर पूरक है। व्यक्ति जब निराश हो जाता हैए तब इनकी शरण में आता है जबकिए हमें रोग की प्रारंभिक अवस्था में ही इनकी शरण में आना चाहिएए ताकि हमारे हम। हानिकारक दवाओं से बच भी सके।

कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर डॉ रामकिशोर सहायक आचार्य स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज ने बताया की विश्वविद्यालय के यशश्वी कुलपति के प्रेरणा और अनुमति से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के संदर्भ में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय विभिन्न प्रकार के योग के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है उसी क्रम में आजका चतुर्थ व्याख्यान संपादित हो रहा है। 12 अप्रैल को 108 सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का भी आयोजन शिवाजी स्टेडियम में होगा और इसी प्रकार मई और जून में योग के विभिन्न कार्यक्रम जैसे निशुल्क योग कैंपए योग लेक्चरए योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और कार्यशाला स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज आयोजित करेगा।

कार्यक्रम का समापन संस्थान के निदेशक डॉ दिग्विजय शर्मा सर ने आभार व्यक्त करते हुए किया।

5. 11 अप्रैल, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस की छात्रा ने मरीजों मरीजों की सुविधा के लिए बनाई ई–पर्ची एप

मरीजों की सुविधा के लिए सीएसजेएमयू की छात्रा ने बनाया ई-पर्ची एप

जागरण संवाददाता, कानपुर: छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) की छात्रा स्नेहा ने ग्रामीण क्षेत्रों व छोटे कस्बों में रहने वाले मरीजों की सहूलियत के लिए ई-पर्ची नामक एप्लीकेशन तैयार किया है। इसकी मदद से मरीज व तीमारदार घर बैठकर शहर में डाक्टरों के क्लीनिक या अस्पताल में आने का सही वक्त जान सकेंगे और उनसे मुलाकात का वक्त ले सकेंगे।

देवरिया निवासी स्नेहा विवि के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज से बैचलर आफ फिजियोथेरपी की छात्रा हैं। स्नेहा ने बताया कि पिछले वर्ष लाकडाउन के दौरान जब वह अपने घर गईं तो वहां मरीजों की परेशानी देखी। कई क्लीनिक पर अपनी बारी का इंतजार कर रहे मरीजों के बीच शारीरिक दूरी के नियम का पालन भी नहीं हो रहा था। मरीज कई-कई घंटे तक इंतजार करते दिखे। इसके बाद छात्रा ने साथियों की मदद से ई पर्ची नामक एप तैयार किया। प्ले स्टोर पर अपलोड करने के बाद उसे डाक्टरों व मरीजों के स्मार्ट फोन में डाउनलोड कराया। इससे मरीजों को विभिन्न रोगों से संबंधित डाक्टर से मुलाकात का समय लेना आसान हो गया। यही नहीं, क्लीनिक पर घंटों इंतजार करने का झंझट भी खत्म हो गया है।

स्नेहा ने बताया कि एप को बनाने के लिए उन्होंने देवरिया के सभी डाक्टरों का ब्योरा जुटाकर अपलोड किया है। अब क्लीनिक व अस्पतालों में एप का प्रचार कर रही हैं, ताकि मरीज इसे इस्तेमाल करें। स्नेहा बताती हैं कि वर्तमान में प्ले स्टोर पर कई एप्लीकेशन टेली मेडिसिन से संबंधित हैं। उनका एप ओपीडी समय में ही मरीजों को देखने की प्रक्रिया को व्यवस्थित करेगा। एप के इस्तेमाल पर मरीज को सिर्फ पांच रुपये का आनलाइन भुगतान करना होगा।

सहूलियत

- साथियों की मदद से छोटे शहरों और कस्बों में शुरू किया जाएगा एप का ट्रायल
- एप के इस्तेमाल पर मरीज को महज पांच रुपये का करना होगा आनलाइन भुगतान

एप में यह सुविधा

- मरीज घर में बैठकर एप के जरिए डाक्टर से मिलने का समय ले सकेंगे।
- डाक्टर बुकिंग देख क्लिक करेंगे तो रजिस्ट्रेशन नंबर तैयार होगा।
- मरीज देखने के साथ ही क्रम से रजिस्ट्रेशन नंबर ऊपर आता जाएगा।
- मरीज को पता चल जाएगा कि क्लीनिक पर उसका नंबर कब आएगा।
- इससे मरीजों का समय बचेगा और ज्यादा देर इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

6. 12 अप्रैल, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा शिवाजी स्टेडियम में किया गया 108 सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता

ऊँ सूर्याय नमः के साथ प्रारंभ हुई १०८ सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता

ऊँ मित्राय नमः, ऊँ रवये नमः, ऊँ सूर्याय नमः, ऊँ भानवे नमः, ऊँ खगाय नमः, ऊँ पुष्ये नमः, ऊँ हिरण्य गर्भाय नमः, ऊँ मारिचये नमः, ऊँ आदित्याय नमः, ऊँ सावित्रे नमः, ऊँ अर्काय नमः, ऊँ भास्कराय नमः आदि सूर्य नमस्कार के 12 मंत्रों और ''हम फिट तो इंडिया फिट'' उदघोष के साथ छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के शिवाजी स्टेडियम में ''108 सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता'' का प्रारंभ आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित की गयी थी।

विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक सर की अनुमति और उनके संरक्षण में इस प्रतियोगिता की तैयारियाँ विगत 1 माह से चल रही थीं।

डॉ वंदना पाठक ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा सूर्य नमस्कार का अभ्यास जब मंत्रों के साथ किया जाता है, तो शरीर के अलग–अलग अंगों पर विशेष तौर से प्रभाव पड़ता है। यह युवाओं, किशोरों, लड़कियों के लिए शारीरिक और मानसिक विकास में बहुत ही सहायक हैं। इसके अभ्यास से जहां एक ओर अस्थियां, मांसपेशियां पुष्ट और सुडौल होती हैं वहीं दूसरी ओर मंत्रों का उच्चारण हमारे मानसिक और भावनात्मक स्तर को सकारात्मक चिंतन की ओर ले जाता है। जो लोग पूरे 1 घंटे तक योग का अभ्यास नहीं कर सकते उन्हें कम से कम 15 मिनट अपने लिए समय निकाल कर सूर्य नमस्कार और कुछ भ्रामरी अनुलोम–विलोम जैसे महत्वपूर्ण प्राणायाम तो अवश्य करने चाहिए।

स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के संदर्भ में बताते हुए कहा कि आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आगामी 21 जून 2022 को मनाया जाएगा इस अवसर पर स्कूल

आफ हेल्थ साइंसेज की ओर से विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होंगे जिनमें साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला, संपन्न हो रही 108 नमस्कार प्रतियोगिता, विश्व विद्यालय परिसर में एक माह का योगाभ्यास शिविर, अन्य विभागों या संस्थानों में योग के व्याख्यान और शहर के अलग–अलग १० स्थानों पर 15 दिवसीय निःशुल्क योग शिविर बीएससी योग के अंतिम वर्ष के छात्रों के द्वारा संपन्न किए जाएंगे जाएंगे।

कार्यक्रम की समग्र रूपरेखा को प्रस्तावित करते हुए कार्यक्रम समन्वयक डा0 रामकिशोर जी ने बताया श्रद्धेय कुलपति महोदय के संरक्षण में इस कार्यक्रम में गूगल फॉर्म के द्वारा 184 लोगों ने पंजीयन कराया था जिसमें से इस प्रतियोगिता में कुल 46 लोगों ने भाग लिया, जिनमें से बिना रुके २८ मिनट में 41 लोगों ने 108 सूर्य नमस्कार के अभ्यास को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। कार्यक्रम समन्वयक ने प्रतिभागियों को आगे नियमित सूर्य नमस्कार के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि युवाओं, किशोरों और विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार का नियमित अभ्यास अवश्य करना चाहिए। सूर्य नमस्कार के अभ्यास से अंतः स्रावी तंत्र, पाचन तंत्र, तंत्रिका तंत्र, मांस पेशीय तंत्र अस्थि तंत्र आज सभी प्रभावित होते हैं।

आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज के निदेशक डॉ दिग्विजय शर्मा, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डा0 रामकिशोर, श्री हरीश चन्द्र शर्मा, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतियोगिता के दौरान तालियां बजा बजाकर के प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते रहे।

कार्यक्रम में संस्थान के श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, कु0 आकांक्षा बाजपेई, श्री शैलेंद्र वर्मा, श्री हरीश चन्द्र शर्मा एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉक्टर श्रवण कुमार यादव और डा0 निमिषा सिंह कुशवाहा आदि आत्मीय स्वजन उपस्थित रहे।

शिवाजी स्टेडियम में 108 सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के तत्वावधान में मंगलवार को परिसर स्थित शिवाजी स्टेडियम में 108 सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रुप में आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक मौजूद रहीं। इस प्रतियोगिता की शुरुआत सूर्य नमस्कार के 12 मंत्रों और हम फिट तो इंडिया फिट के उद्घोष से की गई। मुख्य अतिथि ने कहा कि जब सूर्य नमस्कार का अभ्यास मंत्रों के साथ किया जाता है तो शरीर के अलग-अलग अंगों पर विशेष तौर से प्रभाव पड़ता है। यह युवाओं तथा किशोरों के शारीरिक और मानसिक विकास में बहुत ही सहायक हैं। इसके अभ्यास से जहां एक ओर हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होती है वहीं दूसरी ओर मंत्रों का उच्चारण हमारे मानसिक और भावनात्मक स्तर को सकारात्मक चिंतन की ओर ले जाता है। उन्होंने सभी को योग तथा सूर्य नमस्कार को अपने जीवन में अपनाने की सलाह दी। आगामी 21 जून को होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज की ओर से विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। इसके साथ ही शहर के अलग-अलग 10 स्थानों पर 15 दिवसीय निःशुल्क योग शिविर बी.एससी. योग के अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राम किशोर ने बताया कि इस प्रतियोगिता में आज कुल 46 लोगों ने भाग लिया। इनमें से बिना रुके 28 मिनट में 41 लोगों ने 108 सूर्य नमस्कार के अभ्यास को सफलतापूर्वक पूरा किया। कार्यक्रम में संस्थान के आदर्श कुमार श्रीवास्तव, आकांक्षा बाजपेई, शैलेंद्र वर्मा, हरीश चन्द्र शर्मा एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ. श्रवण कुमार यादव और डॉ. निमिषा सिंह कुशवाहा आदि लोगों मौजूद रहे।

7. 16 अप्रैल, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आनलाइन माध्यम से आयोजित होने वाला साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला–पंचम व्याख्यान

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज द्वारा ऑनलाइन माध्यम से आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला के पंचम व्याख्यान का प्रारंभ गायत्री मंत्र से हुआ। देव संस्कृति विश्वविद्यालय की योग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश लाल वर्णवाल ने अपना व्याख्यान प्रारंभ करने से पहले विश्वविद्यालय के यषष्वी कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक सर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि माननीय कुलपतिजी भारतीय संस्कृति की विचारधारा को बढ़ावा दे रहे हैं इसके लिए हम सभी योग के स्वजन उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

योगसूत्र का संक्षिप्त परिचय और इसमें वर्णित विविध योगाभ्यास'' विषय पर अपना विचार रखते हुए उन्होंने कहा समस्त भारतीय वांग्मय योग रूपी प्राचीन विद्या से परिपूर्ण हैं। समस्त वैदिक दर्शन, उपनिषद आदि योग की महिमामंडित करते हैं। उन्हीं में से एक है ''योगसूत्र'' जो कि महर्षि पतंजलि द्वारा प्रतिपादित है। यह योग का आधारभूत ग्रंथ है। इसका प्रारंभ ''अथ योगानुषासनम्'' अर्थात योग को अनुशासन के रूप में स्थापित करते हुए हुआ है। महर्षि पतंजलि ने ''चित्त की वृत्तियों के निरोध को योग कहा है'' और इस चित्तवृत्ति निरोध को सुव्यवस्थित रूप से समझाने के लिए योग सूत्र को 4 समाधि, साधन, विभूति और कैवल्य पादों में विभक्त किया है, जिनमें क्रमशः 51, 55, 55 और 34 सूत्रों का उल्लेख किया गया है। इस प्रकार योगसूत्र 4 पादों अर्थात अध्यायों में बटा हुआ है। जिसमें कुल 195 सूत्र प्रतिपादित हुए हैं। प्रथम पाद को महाऋषि ने समाधि से ही प्राराम्भ किया हैं। योग की व्याख्या करते हुए व्यासजी कहते हैरू योग का अर्थ समाधि है अर्थात योग समाधि है। इस पाद में चित्त की वृत्यिों के भेद उनके स्वभाव और अभ्यास–बैराग्य से वृत्तियों का निरोध कैसे? भवप्रत्यय और उपाय प्रत्यय, उपाय प्रत्यय के 5 चरण श्रद्धा, वीर्य, स्मृति, समाधि और प्रज्ञा हैं। सम्प्रज्ञात समाधियां के चार भेद–वितर्क, विचार, आनंद और अस्मिता आदि का उल्लेख किया गया है।

दूसरे पाद में क्रिया योग और अष्टांग योग का उल्लेख है। क्रियायोग के अंतर्गत तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान आता है जबकि अष्टांग योग के अंतर्गत योग के आठ अंग, यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि आते हैं। तीसरा पाद विभूतियों से संबंधित है जिसमें योग मार्ग पर मिलने वाली विभूतियों का वर्णन किया गया है जिसके अंतर्गत अष्ट सिद्धियां आदि आती हैं। इस पाद में योग साधक को सिद्धियों से सावधान रहने का परामर्श दिया गया है। चर्तुथ पाद कैवल्यपाद है जिसके अंतर्गत कैवल्य का उल्लेख किया गया है और यही कैवल्य जीवन का लक्ष्य है। अष्टांग योग के फल के रूप में विवेक ख्याति की प्राप्ति होती है। विवेक ख्याति अर्थात प्रकृति–पुरुष भेद ज्ञान। इसी विवेकख्याति की जब अखंड अवस्था होती है तो वह धर्ममेघ समाधि कहलाती है। समाधि की यह अवस्था पुरुषार्थ शून्य हो जाती है। प्रकृति पुरुष के लिए जो भोग और योग इन दो की उपलब्धि हेतु से संयोग में आई थी। यह दोनों उद्देश्य पूर्ण हो जाते हैं, जिसके कारण इस अवस्था को पुरुषार्थ शून्य अवस्था कहते हैं। पुरुषार्थ शून्य अवस्था होने के बाद प्रकृति के समस्त गुण जो जिस गुण से उत्पन्न हुए थे, उन्हीं में वापस समाहत होने लगते हैं। और कैवल्य रूपी लक्ष्य की प्राप्ति के साथ योग सूत्र का समापन होता है।

समस्त भारतीय वांग्मय योग रूपी प्राचीन विद्या से परिपूर्ण हैं

सीएसजेएमयू के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हुई व्याख्यान माला

ऑन लाइन कार्यक्रम में शामिल शिक्षक।

कानपुर, 16 अप्रैल। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कैंपस में संचालित स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला के पंचम व्याख्यान में मुख्य अतिथि देव संस्कृति विश्वविद्यालय के योग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो सुरेश लाल वर्णवाल ने बताया कि समस्त भारतीय वांग्मय योग रूपी प्राचीन विद्या से परिपूर्ण हैं। समस्त वैदिक दर्शन, उपनिषद आदि योग को महिमामंडित करते हैं। योगसूत्र का संक्षिप्त परिचय और इसमें वर्णित विविध योगाभ्यास विषय पर अपने विचार रखते हुए

कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर

उन्होने कहा कि योगसूत्र जो कि महर्षि पतंजलि द्वारा प्रतिपादित है, योग का आधारभूत ग्रंथ है। इसका प्रारंभ अथ योगानुषासनम्' अर्थात योग को अनुशासन के रूप में स्थापित करते हुए हुआ है। महर्षि पतंजलि ने ''चित्त की वृत्तियों के निरोध को योग कहा है'' और इस चित्तवृत्ति निरोध को सुव्यवस्थित रूप से समझाने के लिए योग सूत्र को समाधि, साधन, विभूति और कैवल्य पादों में विभक्त किया है, जिनमें क्रमशः 51, 55, 55 और 34 सूत्रों का उल्लेख किया गया है। इस प्रकार योगसूत्र 4 पादों अर्थात अध्यायों में बटा हुआ है। जिसमें कुल 195 सूत्र प्रतिपादित हुए हैं। वि.वि. के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने भारतीय संस्कृति की विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए उनके द्वारा किये गए कार्यों की सराहना भी की। निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा ने कहा कि यह व्याख्यान श्रृंखला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के उपलक्ष्य में आयोजित हो रही है। अप्रैल, मई और जून तीनों महीने में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. राम किशोर ने स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज में संचालित योग के पाठ्यक्रमों के सन्दर्भ में बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में संस्थान में योग के 2 कोर्स बी.एस.सी इन योग और एम.एस.सी इन योग संचालित है। इन कोर्सों में प्रवेश की प्रक्रिया हेतु शीघ्र ही प्रकिया शुरु की जाएगी

इस प्रकार योगसूत्र का संक्षिप्त परिचय देते हुए इसमें वर्णित योग साधनों का उल्लेख प्रोफेसर बरनवाल जी के द्वारा किया गया। श्रोताओं/विद्यार्थियों ने अपने प्रश्न को भी वर्णवाल सर से पूछा जिसका मुख्य वक्ता ने शास्त्र और व्यवहारिक दोनों दृष्टि से उत्तर देते हुए उन्हें संतुष्ट किया।

सकूल ऑफ हेल्थ साइंसेज के निदेशक डॉ दिग्विजय शर्मा ने व्याख्यान श्रंखला के लिए सर्व प्रथम माननीय कुलपति के प्रति आभार व्यक्त किया और मुख्य वक्ता सहित समस्त ऑनलाइन माध्यम से जुड़े जिज्ञासु का हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया। उन्होंने कहा यह व्याख्यान श्रृंखला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के उपलक्ष्य में आयोजित हो रही है। अप्रैल, मई और जून तीनों महीने में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार के आयोजन होंगे। अभी हाल ही में 12 अप्रैल को विश्वविद्यालय ने 108 सूर्य नमस्कार की प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ राम किशोर जी ने स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज में संचालित योग के कोर्सों के सन्दर्भ में बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में संस्थान में योग के 2 कोर्स बीएससी इन योग और एमएससी इन योग संचालित है। इन कोर्सो में प्रवेश की प्रक्रिया हेतु शीघ्र ही विज्ञापन जारी होगा। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

8. 18 अप्रैल, 2022 को तीन दिवसीय नेत्र जांच शिविर

तीन दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच शिविर का वैदिक मंत्रों के साथ हुआ उद्घाटन

दिनांक 18 अप्रैल 2022 दिन सोमवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस और ए.एस.जी. आई हॉस्पिटल, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रोफ़ेसर सुधीर कुमार अवस्थी जी ने वैदिक मंत्र के साथ दीप प्रज्जवलित करके किया।

प्रोफेसर अवस्थी ने बताया कि हमारे विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रोफ़ेसर विनय कुमार पाठक जी अनवरत इस विषय पर चिंतन करते रहते हैं कि विश्वविद्यालय की गतिविधियों से जन सामान्य को कैसे अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जा सके। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा अनेकानेक जन सामान्य को लाभ पहुंचाने वाली गतिविधियों का संचालन होता रहता है।

उसी क्रम में यह ''तीन दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच शिविर'' का उद्घाटन हो रहा है। निश्चित ही इस शिविर से विश्वविद्यालय परिसर के साथ–साथ आसपास के ग्रामीण अंचलों में रहने वाला जन सामान्य लाभान्वित होगा।

विश्वविद्यालय में कैम्पस फूड कोर्ट का संचालन फिर शुरू

विवि कैम्पस में फूड कोर्ट का उद्घाटन करने के बाद सामग्री चखते हुए कुलपति। फोटो : एसएनबी

■ सहारा न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर।

सीएसजेएमयू कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने सोमवार को विद्यार्थियों के सुविधार्थ परिसर में कैम्पस फूड कोर्ट का उद्घाटन किया। कोरोना काल के चलते कैंपस में लंबे समय से फूड कोर्ट का संचालन नहीं हो पा रहा था। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि छात्रों-कर्मचारियों को भोजन के लिए अब बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कैंपस के अंदर ही सस्ते दामों पर अच्छा खाना मिलेगा। उन्होंने कैंटीन संचालक को स्वच्छता पर ध्यान देने को कहा। कुलपति ने स्वयं टोकन लेकर फूड कोर्ट में भोजन किया। कुलसचिव डॉ.अनिल कुमार यादव, वित्त नियंत्रक पीएस चौधरी, होटल मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष शिवांशु सचान आदि थे।

सीएसजेएमयू की अपूर्वा श्रीवास्तव को पेपर प्रजेंटेशन में मिला प्रथम पुरस्कार

कानपुर (एसएनबी)। वनारसी दास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथैरेपी में 'फिजियो इन ट्राउमेटिक ब्रेन इंजरी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में सीएसजेएमयू की अपूर्वा श्रीवास्तव को पेपर प्रजेंटेशन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। विवि के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज में अध्ययनरत अपूर्वा निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा के निर्देशन में अपना शोध कार्य कर रही हैं। डॉ. शर्मा ने बताया कि सीनियर व जूनियर वर्ग के लिए हुई प्रतियोगिताओं में संस्थान के 15 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सीनियर वर्ग में संस्थान के आदर्श कुमार श्रीवास्तव और अपूर्वा श्रीवास्तव तथा जूनियर वर्ग में सलीहा, सादिया, अभिषेक, खुशबू, यशवंत, सुरभि, श्रेया, स्नेहा, अमिल, आस्था, सना, संध्या व गुंजन ने भाग लिया।

विवि हेल्थ स्कूल में हुआ निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आगाज

कानपुर। विवि के हेल्थ साइंस स्कूल के तत्वावधान में एएसजी आई हॉस्पिटल के सहयोग से तीन दिवसीय निःशुल्क शिविर का आयोजन किया है। शिविर का उद्घाटन सोमवार को प्रति कुलपति प्रो. सुधीर अवस्थी ने किया। विवि परिसर के साथ ही आसपास के ग्रामीण अंचलों में रहने वाले लोग इस शिविर का लाभ उठा सकते हैं। एएसजी आई हॉस्पिटल के कॉर्पोरेट मैनेजर संजय झा ने बताया कि राजस्थान में इस अस्पताल की श्रृंखला है। हेल्थ साइंस स्कूल के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा ने कहा कि संस्थान समयसमय पर आम लोगों के लाभार्थ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है। डॉ. राम किशोर ने कार्यक्रम का संचालन व सहायक निदेशक डॉ. मुनीष रस्तोगी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रति कुलपति महोदय ने स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज और लाइफ साइंसेज के मध्य स्वास्थ्य के क्षेत्र में होने वाले विभिन्न अनुसंधानों की ओर भी संकेत किया। उन्होंने कहा भविष्य में इन दोनों विभागों को मिलकर समाज हित में विभिन्न स्वास्थ्य और रोगों से संबंधित अनुसंधान करने चाहिए जिससे विश्वविद्यालय और जनसामान्य दोनों लाभान्वित होंगे।

ए.एस.जी. आई. हास्पिटल के कार्पोरेट मैनेजर श्री संजय झा ने बताया कि ए.एस.जी. आई हास्पिटल राजस्थान की सबसे बड़ी नेत्र चिकित्सालयों की श्रृंखला है।

स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज के निदेशक डॉ दिग्विजय शर्मा जी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज निरंतर अध्ययन और अध्यापन के साथ–साथ जनउपयोगी कार्यक्रमों को भी संचालित करता रहता है। हमारे संस्थान के द्वारा अनेकानेक स्वास्थ्य से जुड़ी हुई गतिविधियां कैंपस में और कैंपस से बाहर भी ग्रामीण अंचलों में संचालित होती हैं। हम अपेक्षा करते हैं ए.एस.जी. आई हॉस्पिटल और स्कूल आफ हेल्थ साइंस दोनों मिलकर भविष्य में ग्रामीण अंचलों में भी इस तरह के शिविर का आयोजन करेंगे।

स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज के सहायक निदेशक डॉ मुनीश रस्तोगी जी ने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके संरक्षण एवं मार्गदर्शन से ऐसे जन उपयोगी कार्यक्रम संचालित करने की प्रेरणा प्राप्त होती है। इसके साथ ही प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, श्री संजय कुमार झा, संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा, उपस्थित शिक्षकों डा0 के0के0 पाण्डेय, डा0 आदर्श कुमार श्रीवास्तव, डा0 हिना वैश, डा0 आकांक्षा बाजपेयी, ए.एस.जी. आई हॉस्पिटल के नेत्र रोग विशेषज्ञ श्री नरेन्द्र सिंह, मार्केटिंग टीम के श्री मयंक सिंह एवं श्री शिवम गुप्ता, मीडिया प्रभारी डा0 विशाल शर्मा, विद्यार्थियों एवं शिविर में आए रोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा इस जनोपयोगी कार्यक्रम में जिन–जिन का भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से सहयोग मिल रहा है वह सभी साधुवाद के पात्र हैं और मैं सभी के प्रति में हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

कार्यक्रम का संचालन संस्थान के सहायक आचार्य डॉक्टर रामकिशोर जीने वैदिक मंत्र के उच्चारण के साथ दीप प्रज्वलन की महिमा को बताते हुए किया धन्यवाद।

9. 22 अप्रैल, 2022 को सड़क सुरक्षा सप्ताह एवं विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन

दिनांक 22–04–2022 दिन शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में मा0 यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा से स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस एवं नेशनल कैडेट कार्पस के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय 'सड़क सुरक्षा सप्ताह एवं विश्व पृथ्वी दिवस' कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी ने दीप प्रज्जवलित करके किया। दीप प्रज्जवलन में मुख्य अतिथि ए.आर.टी.ओ., कानपुर नगर श्री सुनील दत्त जी व श्री विनय पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि डा0 सुबोध प्रकाश, ए.सी.पी. कानपुर श्री दिनेश शुक्ला जी, संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा एवं संस्थान के सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी ने सड़क सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां छात्रों को उपलब्ध करायीं साथ ही विश्व पृथ्वी दिवस पर यह समझाया कि विकास की दौड़ में हम सब की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि हम पर्यावरण संतुलन को कतई बिगड़ने न दें अन्यथा टेहरी नगर की तरह प्रकृति हमको गंभीर परिणाम प्रदान करेगी। उन्होंने पेड़ों की महत्वता बताते हुए कहा कि सम्पूर्ण जीवन पेड़ हमें मौन रहकर स्वच्छ वायु का योगदान देते रहते हैं। अतः हमें इनको अपने पुत्र एवं पुत्री की तरह ही समझना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि कानपुर नगर के ए.सी.एम.ओ. डा0 सुबोध प्रकाश जी ने भी उक्त विषय के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। साथ ही ए.सी.पी. श्री दिनेश शुक्ला जी ने यातायात सुरक्षा के नियमों के संदर्भ में यह बताया कि हमें वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात नहीं करनी चाहिए, सीट बेल्ट का हमेश प्रयोग करना चाहिए, नशे में वाहन नहीं चलाना चाहिए एवं दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनना चाहिए। ट्रैफिक ट्रेनर श्री शिव सिंह चोखर जी ने अत्यंत सरल भाषा में छात्र–छात्राओं को ट्रैफिक नियमों के बारे में अवगत कराया एवं नेशनल कैडेट कार्पस की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अति महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

अतिथियों का स्वागत स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा ने किया। कार्यक्रम में संस्थान के सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी, वरिष्ठ शिक्षक डा0 वर्षा प्रसाद, डा0 के0के0 पाण्डेय, डा0 सिधांशु राय, डा0 राम किशोर एवं अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

मंच का संचालन एन.सी.सी. कैडेट इंचार्ज श्रीमती अर्पणा कटियार ने किया।

सीएसजेएमयू में सड़क सुरक्षा के विषय पर सेमिनार आयोजित

▸ 17वीं यूपी गर्ल्स एनसीसी बटालियन की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उठाये पर्यावरण और यातायात संबंधी मुद्दे

प्रखर विकास, कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में नेशनल कैडेट कार्पस की 17वीं गर्ल्स यूपी बटालियन एवं स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सड़क सुरक्षा सप्ताह एवं विश्व पृथ्वी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विशिष्ट अतिथि प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने सड़क सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय में लगातार ऐसे कार्य हो रहें है, जो पृथ्वी को संरक्षित रखने में जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि विकास की दौड़ में भागते हुए हमें अपनी नैतिक जिम्मेदारियों को भी याद रखना होगा, जिससे पर्यावरण तथा मनुष्य के बीच संतुलन बना रहे। उन्होंने पेड़ों के महत्व के बारे में बताया और कहा कि सम्पूर्ण जीवन पेड़ मौन रहकर हमें फल, फूल, छाया आदि कई चीजे प्रदान करते है, अतः हमें इनकी अपने संतान की भांति ध्यान रखना चाहिए। कानपुर नगर के ए.सी.एम.ओ. डॉ. सुबोध प्रकाश ने विश्व पृथ्वी दिवस के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारी छात्र-छात्राओं की बीच साझा की। उन्होंने पृथ्वी के महत्व को समझाते हुए इसकी रक्षा करने के लिए सभी को प्रेरित किया।

ए.सी.पी. दिनेश शुक्ला ने यातायात सुरक्षा के नियमों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करें, सीट बेल्ट का हमेशा प्रयोग करें, नशे में वाहन न चलायें तथा दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर लगायें। यातायात प्रशिक्षक शिव सिंह चोखर ने अत्यंत सरल भाषा में छात्र-छात्राओं को ट्रैफिक नियमों के बारे जानकारी दी।

इस मौके पर नेशनल कैडेट कार्पस 17वीं गर्ल्स यूपी बटालियन की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यातायात और पर्यावरण संबंधी बहुत से मुद्दों पर जानकारी साझा की। मंच का संचालन एन.सी.सी. कैडेट 17वीं गर्ल्स यूपी बटालियन की इंचार्ज अर्पणा कटियार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा ने किया। इस मौके पर सह-निदेशक डॉ. मुनीश रस्तोगी, वरिष्ठ शिक्षक डॉ. वर्षा प्रसाद, डॉ. के.के. पाण्डेय, डॉ. सिधांशु राय, डॉ. राम किशोर एवं छात्र-छात्राओं की मौजूदगी रही।

पृथ्वी बचाओ दिवस : पर्यावरण संरक्षण पर हुयी चर्चा

कानपुर (एसएनबी)। विश्व पृथ्वी दिवस' पर शुक्रवार को सीएसजेएमयू सहित विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण से संबद्ध विभिन्न मुद्दों पर चर्चा संग अपेक्षित सुधार न होने को लेकर चिंता जताई गई। विभिन्न कॉलेजों की राष्ट्रीय सेवा योजना व एनसीसी इकाइयों ने भी इस अवसर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज में 'पृथ्वी का संरक्षण : वर्तमान वन एवं पर्यावरणीय विधियां' विषयक गोष्ठी आयोजित की गई।

विवि कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक व डॉ.वंदना पाठक ने भी इस मौके पर पौधरोपण कर पृथ्वी के संरक्षण व उसे हरा-भरा बनाने का संदेश दिया। प्रभागीय वन अधिकारी, कानपुर नगर अरविंद कुमार यादव मुख्य अतिथि तथा व क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी अनिल माथुर बतौर विशिष्ट अतिथि गोष्ठी में शामिल हुए। विद्यार्थियों द्वारा विवि के मुख्य द्वार से लीगल स्टडीज विभाग तक जागरूकता रैली निकाली। रैली को डॉ.प्रवीन कटियार व विधि विभाग निदेशक डॉ. शशिकांत त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में डॉ.राहुल तिवारी, डॉ.प्रमोद कुमार, डॉ.स्मिता श्रीवास्तव व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सीएसजेएमयू सहित विभिन्न शिक्षा संस्थानों में ' विश्व पृथ्वी दिवस' पर आयोजित किये गये जागरूकता कार्यक्रम

विश्व पृथ्वी दिवस पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में पौधरोपण करते निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

विश्व पृथ्वी दिवस पर हाथों में पौधे लेकर धरती को प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लेते व संदेश देते स्कूली के बच्चे। फोटो : एसएनबी

सीएसजेएमयू में एनसीसी की 17वीं गर्ल्स यूपी बटालियन एवं हेल्थ साइंसेस स्कूल ने भी 'सड़क सुरक्षा सप्ताह एवं विश्व पृथ्वी दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रति कुलपति प्रो.सुधीर अवस्थी ने कहा कि विकास की दौड़ में भागते हुए हमें अपनी नैतिक जिम्मेदारियों को भी याद रखना होगा। कानपुर नगर के एसीएमओ डॉ.सुबोध प्रकाश ने सभी को पृथ्वी के महत्व को समझाया। एसीपी दिनेश शुक्ला व यातायात प्रशिक्षक शिव सिंह चोखर ने यातायात नियमों की जानकारी दी। बटालियन की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक कर पृथ्वी संरक्षण का संदेश दिया। यहां अर्पणा कटियार, डॉ.दिग्विजय शर्मा, डॉ.मुनीष रस्तोगी, डॉ.वर्षा प्रसाद, डॉ.केके पांडेय आदि थे।

महिला महाविद्यालय में छात्राओं पर्यावरण के प्रति दिया संदेश। फोटो : एसएनबी

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में ' विश्व पृथ्वी दिवस-2022, हमारे ग्रह में निवेश करें' विषय पर मनाया गया। निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने कहा कि हमें पर्यावरण की रक्षा की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह दिन भारतीय शर्करा उद्योग के संदर्भ में भी बहुत महत्वपूर्ण है, जो देश को दूसरा सबसे बड़ा कृषि आधारित उद्योग है। इस अवसर पर परिसर में पौधरोपण भी किया गया।

सीएसए कृषि विवि में एनएसएस से संबद्ध विद्यार्थियों ने पोस्टर, बैनर एवं स्लोगन के माध्यम से पृथ्वी बचाओ का संदेश दिया। कुलपति डॉ.डीआर सिंह ने कहा कि पृथ्वी में ही मानव जीवन सम्भव। कार्यक्रम का संचालन छात्रा श्रव्या सिंह ने किया।

महिला मवि में एनसीसी की छात्राओं ने पोस्टर प्रदर्शनी व फेस पेंटिंग के माध्यम से विश्व पृथ्वी दिवस 2022 की थीम इंवेस्ट इन आर प्लैनेट' को दर्शाया। यहां प्राचार्य व एएनओ लेफ्टिनेंट ऋचा छिव्वड़ आदि थीं।

10. 22 अप्रैल, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आनलाइन माध्यम से आयोजित होने वाला साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला–षष्ठम व्याख्यान

सत्य का आचरण है मन को शुद्ध करने का साबुन

जो धारण करने योग्य है वही धर्म है अर्थात धारण करने योग्य आचरण को अपनाना धर्म का लक्षण है। मानव जीवन के लिए चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष बतलाए गए हैं। इनमें से धर्म का आचरण हमारे मन को पवित्र करता है। एक सफल जीवन के लिए जीवन में धर्म का होना नितांत आवश्यक है। लोग अपने शरीर को स्वच्छ रखने के लिए स्नान करते हैं, स्वच्छता का पूरा ध्यान रखते हैं। स्वच्छता के विविध आयाम करते हैं, परंतु मन को पवित्र रखने के लिए ध्यान नहीं देते, जबकि भौतिक शरीर के साथ–साथ मन का पवित्र होना नितांत आवश्यक है।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक की अनुमति और प्रेरणा से संचालित साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला के षष्ठम व्याख्यान में उपरोक्त विचार देव संस्कृति विश्वविद्यालय के संकाय अध्यक्ष शैक्षणिक प्रोफेसर ईश्वर भारद्वाज रख रहे थे।

धर्म के 10 लक्षण बताते हुए उन्होंने कहा कि

धृतिरू क्षमा दमोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहरू।

धीर्विद्या सत्यमक्रोधो दशकं धर्मलक्षणम्।। ;

अर्थ द् धृति ;धैर्य द्धए क्षमा ;अपना अपकार करने वाले का भी उपकार करना द्धए दम ;हमेशा संयम से धर्म में लगे रहना द्धए अस्तेय ;चोरी न करना द्धए शौच ; भीतर और बाहर की पवित्रता द्धए इन्द्रिय निग्रह ;इन्द्रियों को हमेशा धर्माचरण में लगाना द्धए धी ; सत्कर्मों से बुद्धि को बढ़ाना द्धए विद्या ;यथार्थ ज्ञान लेना द्धण् सत्यम ; हमेशा सत्य का आचरण करना द्ध और अक्रोध ; क्रोध को छोड़कर हमेशा शांत रहना द्ध। यही धर्म के दस लक्षण है।

धर्म की इन मर्यादाओं का अभ्यास मन के लिए साबुन का काम करता है। आहार निद्रा भय और मैथुन यह पशु और मनुष्य दोनों में समान है। परंतु धर्म का आचरण ही मनुष्य को पशु से अलग करता है। इसलिए धर्म का आचरण मनुष्य के लिए नितांत आवश्यक है। यह धर्म हमारे मन को हमारे चित्त को पवित्र रखने के लिए साबुन का काम करता है। महर्षि पतंजलि मन को पवित्र रखने के लिए 05 यम और 05 नियम बतलाये हैं। इनमें अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह यम कहलाते हैं और शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान नियम कहलाते हैं। मन वचन और कर्म से किसी को कष्ट ना देना अहिंसा का पालन है। सत्य का मन वचन और कर्म से व्यवहार करना दूसरा यम है। अस्तेय का अर्थ चोरी है। इसका व्यापक अर्थ है–अपने दायित्वों का पालन न करना, अपने कर्तव्यों का निर्वाहन न करना, किसी की भी वस्तु को उसकी अनुमति के बिना प्रयोग करना, यह सब चोरी के अंतर्गत आता है और इसके आचरण का त्याग करना अर्थात चोरी न करना धर्म का लक्षण है। इंद्रियों के दुरुपयोग को रोकना ब्रम्हचर्य का पालन कहलाता है। अपरिग्रह का अर्थ आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह न करना है। इसी प्रकार नियम पर बोलते हुए उन्होंने कहा शौच का अर्थ होता है पवित्रता। यह पवित्रता वाह्य की अपेक्षा आंतरिक अर्थात मन की नितांत आवश्यक है। मन की सुचिता का संबंध जहां एक ओर हमारे शारीरिक स्वास्थ्य से है तो दूसरी ओर आध्यामिकता से। मन की पवित्रता गंदे विचार हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, हमारी मनोदशा को प्रभावित करते हैं। हमारे शरीर में होने वाले विभिन्न प्रकार के हार्मोन्स के स्रावण को प्रभावित करते हैं। इसका संबंध शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों की दृष्टि से आवश्यक है। संतोष पर बोलते हुए उन्होंने कहा गोधन , गजधन, बाजधन और रतनधन खान। जब आवे संतोष धन सब धन धूरि समान। अतः अपने कर्म के परिणाम से संतुष्ट रहने का प्रयास करना चाहिए। इस प्रकार योग सूत्र की प्रासंगिकता वर्तमान समय में भी उतनी ही प्रासंगिक है। पतंजलि ने मन को शुद्ध करने का पवित्र करने का उपाय बताया है।

धर्म का आचरण ही मनुष्य को पशुओं से अलग करता है : प्रो. ईश्वर भारद्वाज

प्रखर विकास, कानपुर। जो धारण करने योग्य है, वही धर्म है अर्थात धारण करने योग्य आचरण को अपनाना धर्म का लक्षण है। मानव जीवन के लिए चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष बतलाए गए हैं। इनमें से धर्म का आचरण हमारे मन को पवित्र करता है। एक सफल जीवन के लिए जीवन में धर्म का होना नितांत आवश्यक है। ये कहना है देव संस्कृति विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष शैक्षणिक प्रो. ईश्वर भारद्वाज का। प्रो. ईश्वर ह्याह्यवर्तमान काल में योग सूत्र की प्रासंगिकताह्ह विषय पर आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला के षष्ठम व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने धर्म के 10 लक्षण बताये और कहा कि धर्म की मयार्दाओं का अभ्यास मन के लिए साबुन का काम करता है। महर्षि पतंजलि द्वारा प्रतिपादित योग सूत्र के सिद्धांतों को ऋषियों के साथ-साथ वर्तमान समय के मनुष्यों के लिए प्रासंगिक बताया। अतः योग सूत्र में प्रतिपादित सभी सिद्धांत संपूर्ण मानव समाज के लिए अपनाने योग्य हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा ने सत्र का शुभारम्भ करते हुए कहा कि इस व्याख्यान श्रृंखला के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हीं की प्रेरणा से योग जैसी प्राचीन और लाभकारी विद्या का प्रसार विश्वविद्यालय के माध्यम से कराया जा रहा है।

व्याख्यान श्रृंखला के समन्वयक डॉ. राम किशोर, ने स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस संस्थान द्वारा संचालित बी.एस-सी. इन योग और एम.एस-सी./एम.ए. इन योग की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसकी प्रवेश प्रक्रिया और उससे जुड़ी समस्त जानकारी शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी जावेगी।

महर्षि पतंजलि द्वारा प्रतिपादित योग सूत्र के सिद्धांत जितना ऋषियों के लिए उपयोगी थे उससे कहीं अधिक वर्तमान काल में हम सब मनुष्यों के लिए प्रासंगिक हैं। इसमें प्रतिपादित मन की शुद्धि के सभी सिद्धांत अपनाने से मनुष्य अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन करते हुए एक श्रेष्ठ नागरिक का जीवन जी सकता है। अतः योग सूत्र में प्रतिपादित सभी सिद्धांत संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रासंगिक और अपनाने योग्य हैं। यह व्याख्यान श्रृंखला छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा ''वर्तमान काल में योग सूत्र की प्रासंगिकता'' विषय पर आयोजित थी। संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा जी ने सत्र का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी को धन्यवाद देते हुए की जिनकी प्रेरणा और अनुमति से यह कार्यक्रम संचालित हो रहा। इसके बाद उन्होंने मुख्य वक्ता प्रो0 ईश्वर भारद्वाज, संकाय अध्यक्ष, शैक्षणिक, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रति अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि गुरू जी के मार्गदर्शन में संस्थान के योग कोर्स के पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

व्याख्यान श्रृंखला के समन्वयक डा0 राम किशोर, सहायक आचार्य, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस ने संस्थान द्वारा संचालित बी.एस–सी. इन योग और एम.एस–सी./एम.ए. इन योग की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि इसके प्रवेश की प्रक्रिया और उससे जुड़ी हुयी समस्त जानकारी शीघ्र ही विश्वविद्यालय के आफीशियल वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति की प्रेरणा एवं अथक प्रयास से विश्वविद्यालय के अध्यापन की गुणवत्ता में निरंतर प्रगति हो रही है। अध्ययन और अध्यापन विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता है।

11. 23 अप्रैल, 2022 को सर्टिफिकेट कोर्स इन थेराप्यूटिक टेपिंग प्रैक्टिशनर, माड्यूल–1 व 2

दिनांक 23 अप्रैल, 2022 दिन, शनिवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा एवं संरक्षण में भौतिक कार्यशाला श्रृंखला के क्रम में ''सर्टिफिकेट कोर्स इन थेराप्यूटिक टेपिंग प्रैक्टिशनर, माड्यूल–01 एवं 02 (Certificate Course in Therapeutic Taping Practitioner] Module&1 & 2) विषय पर दूसरी कार्यशाला का शुभारम्भ डा0 संजय रस्तोगी, पूर्व प्रोफेसर, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर, प्रो0 संजय कुमार स्वर्ण, डीन, स्टूडेंट वेलफेयर, मुख्य वक्ता डा0 रोहित श्रीवास्तव, निदेशक एवं प्रशिक्षक, टेपिंग एप्टीट्यूड इंडिया, लखनऊ, संस्थान के निदेशक डा0

दिग्विजय शर्मा, सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी, वरिष्ठ शिक्षक डा0 वर्षा प्रसाद, डा0 राम किशोर आदि ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया।

कार्यशाला में आए अतिथियों के स्वागत के क्रम में संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा जी ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी एवं प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा आयोजित यह कार्यशाला मा0 कुलपति जी एवं प्रति कुलपति महोदय की प्रेरणा और उनके संरक्षण में संपन्न होने जा रही है। मा0 कुलपति महोदय समय–समय पर छात्र हित में बहुउपयोगी कार्यशालाओं को आयोजित करने के लिए सदैव प्रेरित करते रहते हैं। इसी के साथ विशिष्ट अतिथि प्रो0 संजय रस्तोगी, मुख्य वक्ता डा0 रोहित श्रीवास्तव, डीन, स्टूडेंट वेलफेयर, प्रो0 संजय कुमार स्वर्णकार आदि अतिथियों को अंगवस्त्र और तुलसी पादप देकर स्वागत किया।

कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रोफेसर, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर डा0 संजय रस्तोगी ने अपने अनुभव साझाा करते हुए कहा कि स्पोर्ट्स इंजरी प्रवेनशन में इस टेक्नीक का महत्वपूर्ण योगदान है। साथ ही रिहैबिलिटेशन में टीम वर्क की भी आवश्यकता है, साथ में उन्होंने इस विषय पर गहरी समझ की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्याशाला के मुख्य वक्ता डा0 रोहित श्रीवास्तव जो कि टेपिंग एप्टीट्यूड इंडिया, लखनऊ के निदेशक एवं प्रशिक्षक हैं, ने इस तथ्य पर जोर दिया कि स्पोर्ट्स इंजरी में टेपिंग टेक्नीक विशेष लाभप्रद है। मरीज की मांसपेशी करेक्शन एवं साफ्ट टिस्सू इंजरी या मांसपेशी की इंजरी में इस तकनीक का विशेष योगदान है। इसको करने के लिए हमको कंसेप्ट समझने की जरूरत है। डा0 रोहित श्रीवास्तव स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के प्रथम बैच के एल्यूमिनाई भी हैं और टेपिंग टेक्नीक की ट्रेनिंग इन्होंने विदेश से प्राप्त की है।

विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो0 संजय कुमार स्वर्णकार ने कहा कि इस तकनीक को 1970 में जापान के एक चिकित्सक डा0 केंजोकेस ने शुभारम्भ किया था। सन् 1980 में उन्होंने अपने मरीजों पर इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया। धीर–धीरे इस विधा का प्रचार–प्रसार बढ़ता गया और सन् 1990 के दशक तक इस विधा द्वारा बड़ी संख्या में कई मरीज लाभान्वित हुए।

संस्थान के सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी ने कार्यशाला में आए हुए अतिथियों के प्रति अपना अभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विधा मरीजों की अत्यंत लाभप्रद है साथ ही यह भी जानने की जरूरत है कि किस प्रकार के रोगियों के लिए यह तकनीक अधिक उपयुक्त होगी।

उद्घाटन सत्र का संचालन संस्थान की शिक्षिका कु0 आकांक्षा बाजपेयी द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला में संस्थान के शिक्षक श्री चन्द्रशेखर कुमार, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, कु0 हिना वैश, डा0 अनामिका दीक्षित, कु0 आमेना जैदी आदि उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स इंजरी में टेपिंग टेक्निक को फायदेमंद

▸ सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस में थेराप्यूटिक टेपिंग पर कार्यशाला

डीटीएन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में शनिवार को ''सर्टिफिकेट कोर्स इन थेराप्यूटिक टेपिंग प्रैक्टिशनर, माड्यूल-01

कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर के पूर्व प्रोफेसर डॉ. संजय रस्तोगी ने थेराप्यूटिक टेपिंग पर गहरी समझ होने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने स्पोर्ट्स इंजरी प्रिवेंशन में इस टेक्नीक का महत्वपूर्ण योगदान बताया और रिहैबिलिटेशन में टीम वर्क की अहमियत पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता डॉ. रोहित श्रीवास्तव, निदेशक, टेपिंग एप्टीट्यूड इंडिया, लखनऊ ने स्पोर्ट्स इंजरी में टेपिंग टेक्निक को लाभप्रद बताया। उन्होंने मरीज की मांसपेशी

जैसी परेशानियों में इस तकनीक के विशेष योगदान के बारे में विस्तार से बताया। डीएसडब्लू प्रो. संजय कुमार स्वर्णकार ने इस तकनीक के इतिहास से अवगत कराते हुए बताया कि इसका शुभारंभ 1970 में जापान के एक चिकित्सक डॉ. केंजोकेस ने किया था। सन् 1980 में उन्होंने अपने मरीजों पर इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया और धीर-धीरे इस विधा का प्रचार-प्रसार बढ़ता गया। सन् 1990 के दशक तक इस विधा द्वारा बड़ी संख्या में कई मरीज लाभान्वित हुए। संस्थान के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा ने इस विधा को मरीजों के लिए फायदेमंद

प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी के मार्गदर्शन तथा संरक्षण के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से छात्रों को सैद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों तरह के ज्ञान देने में सहायता मिल रही है। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. मुनीश रस्तोगी ने कार्यशाला में आए हुए अतिथियों के प्रति अपना अभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। संचालन आकांक्षा बाजपेयी ने किया। इस अवसर पर डॉ. वर्षा प्रसाद, डॉ. राम किशोर, चन्द्रशेखर कुमार, आदर्श कुमार श्रीवास्तव, हिना वैश्य, डॉ. अनामिका दीक्षित, आमना जैदी तथा बड़ी संख्या में

12. 29 अप्रैल, 2022 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर के मध्य मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग

परिवर्तन समाज का नियम है, जो परिवर्तन के प्रवाह के साथ नहीं चल पाता उसका अस्तित्व अधिक दिन नहीं रहता। जीवन का प्रत्येक पल प्रतियोगिता से भरा है। प्रत्येक क्षण परिवर्तन हो रहा है। जो इस परिवर्तन को समय की मांग के अनुरूप समायोजित कर लेता है वही अपने आप को सुरक्षित रख पाता है।

सीएसजेएमयू व जीएसवीएम मिलकर रिसर्च करेंगे

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

सीएसजेएम यूनिवर्सिटी और जीएसवीएम मेडिकल कालेज के बीच एमओयू हुआ साइन

kanpur@inext.co.in

KANPUR (29 April): सीएसजेएम यूनिवर्सिटी और जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज अब एक साथ मिलकर हेल्थ सेक्टर में रिसर्च वर्क करेंगे. कानपुर शहर को मेडिकल क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने के लिए फ्राईडे को सीएसजेएमयू और जीएसवीएम के बीच मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) साइन किया गया. ये एमओयू एकेडमिक, क्लीनिकल ट्रेनिंग, रिसर्च तथा पब्लिकेशन के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए किया गया.

डॉ. संजय काला और प्रो. विनय पाठक की मौजूदगी में हुआ एमओयू.

परस्पर सहयोग जरूरी

इस मौके पर सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि कोविड काल में भारत ने अन्य देशों की अपेक्षा जमीनी स्तर पर काफी अच्छा कार्य किया. लेकिन उन आंकड़ों का अनुसंधान की दृष्टि से अध्ययन नहीं हो पाया, जबकि अन्य देशों में किये गये कार्यों का प्रस्तुतीकरण और प्रकाशन किया गया. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में होने वाले अधिकतम अनुसंधान संस्थानों के परस्पर सहयोग से हो रहे हैं. बदलते हुए परिवेश में हमें अनुसंधान और अनुसंधानपरक प्रकाशन के प्रवाह के साथ चलने के लिए परस्पर सहयोग की आवश्यकता है.

रिसर्च पर रहेगा फोकस

जीएसवीएम मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय काला ने कहा कि मेडिकल कालेज और सीएसजेएमयू के परस्पर सहयोग से चिकित्सा क्षेत्र में अनेकानेक अनुसंधान किये जा सकते हैं. यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस, लाइफ साइंसेस, बायोटेक्नोलॉजी के साथ सभी प्रकार के रिसर्च का लक्ष्य इस एमओयू से पूरा होगा. उन्होंने कहा कि हमें रिसर्च क्षेत्र में अधिक कार्य करने की आवश्यकता है. इसके साथ ही स्टूडेंट्स को भी ऐसे कार्यों के लिए प्रेरित करने की जरूरत है.

बीमारियों से बचाव के रास्ते

प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि इस एमओयू से विभिन्न बीमारियों के मॉलीक्यूलर एवं सिग्नेचर जीन पर साथ मिलकर कार्य रिसर्च किया जा सकता है. इस रिसर्च से होने वाली बीमारियों के बचाव के रास्ते पहले ही निकाले जा सकेंगे. स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस के डॉ. प्रवीन कटियार ने इस एमओयू को छात्रों के लिए एक अच्छा अवसर बताया. संचालन स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा ने किया. इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार यादव, वित्त अधिकारी पीएस चौधरी, डॉ. वर्षा प्रसाद, डॉ. मुनीश रस्तोगी, मेडिकल कालेज से प्रो. डॉली रस्तोगी आदि उपस्थित रहे.

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

यह विचार छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी विश्वविद्यालय और जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर के एम0ओ0यू0 समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कोविड काल में भारत वर्ष ने अन्य देशों की अपेक्षा जमीनी स्तर पर काफी अच्छा कार्य किया परंतु उन आंकड़ों का अनुसंधान के दृष्टि से अध्ययन नहीं हो पाया, जबकि अन्य देशों में किये गये कार्यों का शोधपरक प्रस्तुतीकरण और प्रकाशन किया। वर्तमान समय में होने वाले अनुसंधानों के परिप्रेक्ष्य में बोलते हुए कुलपति महोदय ने कहा कि वर्तमान समय में होने वाले अधिकतम अनुसंधान संस्थानों के परस्पर सहयोग से हो रहे हैं। अतः बदलते हुए परिवेश में हमें अनुसंधान और अनुसंधानपरक प्रकाशन के प्रवाह के साथ चलने के लिए परस्पर सहयोग की आवश्यकता है।

जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर के प्रधानाचार्य डा0 संजय काला जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हमारे लिए भी यह अच्छा मौका है कि मेडिकल कालेज, कानपुर और छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के साथ परस्पर सहयोग द्वारा चिकित्सा क्षेत्र के अनेकानेक अनुसंधान किये जा सकते हैं। विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस, लाइफ साइंसेस, बायोटेक्नोलॉजी के साथ सभी प्रकार के अनुसंधान का मार्ग इस एम0ओ0यू0 से प्रशस्त होगा।

विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि होने वाली बीमारियों के मोलेकुलर एवं जीन स्तर पर अनुसंधान किया जा सकता है जो आने वाले समय के लिए एक बेहतर मौका है। इस अनुसंधान से होने वाली बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

एम0ओ0यू0 समारोह का संचालन स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा जी द्वारा किया गया और आए हुए अतिथियों के प्रति आभार अभिव्यक्ति संस्थान के सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी द्वारा हुआ।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा0 अनिल कुमार यादव और वित्त अधिकारी श्री पी.एस. चौधरी, डा0 प्रवीन कटियार, डा0 वर्षा प्रसाद, मेडिकल कालेज से प्रो0 डॉली रस्तोगी आदि गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

13. 30 अप्रैल, 2022 को स्वास्थ्य केन्द्र में थैलेसीमिया बच्चों हेतु स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति मा0 विनय कुमार पाठक जी की अनुमति और कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान अभियान–2022 का आयोजन किया गया। यह आयोजन थाना कल्यानपुर के साथ स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के स्वास्थ्य केन्द्र में थैलीसीमिया मरीजों हेतु पूर्वान्ह 10:00 बजे से आरम्भ हुआ। यह रक्तदान शिविर मुहिम 2.0 का पहला आयोजन है।

रक्तदान शिविर का आयोजन कानपुर थैलेसेमिक सोसाइटी के 150 बच्चों के लिए किया गया जो थैलेसीमिया रोग से ग्रसित हैं। ज्ञातव्य हो कि यह सोसाइटी थैलेसीमिया ग्रसित बच्चों के उपचार के लिए कार्य करती है। इन बच्चों के लिए समाज के द्वारा किया गया रक्तदान ही संजीवनी है। संस्था रक्त संग्रह के लिए निरंतर इस तरह के स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन करती रहती है।

इस शिविर के उद्घाटन के अवसर पर स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा, सहायक निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी, संस्थान के शिक्षक श्री चन्द्रशेखर कुमार, डा0 के0के0 पाण्डेय, डा0 राम किशोर, डा0 अनामिका दीक्षित, कु0 आमेना जैदी उपस्थित रहे।

इस रक्तदान शिविर में थाना कल्यानपुर के एस0एच0ओ0 श्री अशोक कुमार दुबे, एस0आई0 खालिद खान ने रक्तदान किया। स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस संस्थान की छात्रायें अंशी यादव, सुमन अग्रवाल, कल्पना सिंह, अंजली त्रिपाठी, छात्र विकास कुमार, अभिनव कुमार, आदि ने बढ़–चढ़कर रक्तदान में हिस्सा लिया। छात्रा अंशी यादव ने अपने जीवन का पहला रक्तदान इस शिविर में किया। इस शिविर में दोपहर 3:00 बजे तक 36 यूनिट रक्तदान जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज की कुशल टीम के सहयोग से एकत्र किया गया।

संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा, सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी ने सभी रक्तदान कर्मियों, छात्र एवं छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया एवं उनका उत्साह बढ़ाया।

रक्तदान के पश्चात के जलपान के अलावा उनके दोपहर के भोजन की व्यवस्था राबिनहुड आर्मी के सहयोग से की गयी थी।

इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कानपुर पुलिस कमिश्नरेट से थाना प्रभारी कल्यानपुर की टीम एवं सागर पोरवाल एवं कानपुर थैलेसेमिक सोसाइटी से श्री पी.एन. गुप्ता, डी.डी. मध्यानी, असीम तिवारी, जफर अहमद, बी. भट्टाचार्या अपनी टीम एवं कपिल कुमार के साथ उपस्थित रहे।

एक दूसरे से जुड़ने की प्रेरणा देता है रक्तदान

विश्वविद्यालय में रक्तदान करता युवक। फोटो : एसएनबी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय और कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान अभियान-2022 का आयोजन थाना कल्यानपुर के सहयोग से स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के स्वास्थ्य केन्द्र में थैलीसीमिया मरीजों के लिए किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में छात्रों के साथ पुलिसकर्मियों ने भी रक्तदान किया।

शिविर का उद्घाटन सीएसजेएमयू के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा. दिग्विजय शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की रक्षा के लिए सबसे बड़ा दान है। इससे न सिर्फ किसी व्यक्ति की जान बचायी जा सकती है, बल्कि समाज को एक-दूसरे से जोड़े रखने की प्रेरणा भी मिलती है। रक्तदान शिविर में थाना कल्यानपुर के थानाध्यक्ष अशोक कुमार दुबे, एसआई खालिद खान सहित कई पुलिसकर्मियों व स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस संस्थान की छात्राओं अंशी यादव, सुमन अग्रवाल, कल्पना सिंह, अंजली त्रिपाठी, छात्र विकास कुमार, अभिनव कुमार आदि ने बढ़चढ़कर रक्तदान में हिस्सा लिया। संस्थान के निदेशक डा. दिग्विजय शर्मा, सह निदेशक डा. मुनीश रस्तोगी ने सभी रक्तदान कर्मियों, छात्र एवं छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सहायक निदेशक डा. मुनीश रस्तोगी, संस्थान के शिक्षक चन्द्रशेखर कुमार, डा. के.के. पाण्डेय, डा. राम किशोर, डा. अनामिका दीक्षित, कु. आमना जैदी आदि उपस्थित रहे।

14. 30 अप्रैल, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आनलाइन माध्यम से आयोजित होने वाला साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला–सप्तम व्याख्यान

दिनांक 30 अप्रैल, 2022, दिन शनिवार को साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत सप्तम व्याख्यान छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति मा0 विनय कुमार पाठक जी की अनुमति और प्रेरणा से संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यान के मुख्य वक्ता डा0 गौरव दलाल, सहायक आचार्य, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा ने ''हठ योगिक ग्रंथों का परिचय'' विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। यह व्याख्यान यू.जी.सी. नेट योग पाठ्यक्रम पर आधारित था।

सत्र का शुभारम्भ संस्थान के निदेशक, डा0 दिग्विजय शर्मा जी ने मा0 कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक, मुख्य वक्ता डा0 गौरव दलाल आनलाइन माध्यम से जुड़े योग के विद्यार्थियों और प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह व्याख्यान निश्चित ही योग से जुड़े हुए विद्यार्थियों के साथ–साथ अन्य छात्र–छात्राओं व सामान्य जनों के लिए भी लाभकारी होगा।

हठ योग का अर्थ सामान्यतयः बल या ताकत के साथ किये जाने वाले योग से लोग समझते हैं परंतु हठ योगिक ग्रंथों के अनुसार 'ह' का अर्थ हकार अर्थात सूर्य नाड़ी और 'ठ' का अर्थ ठकार अर्थात चंद्र नाड़ी है। इन दोनों के अर्थात हकार और ठकार के मिलन को ही हठ योग कहा जाता है। जब सूर्य और चंद्र नाड़ी का मिलन होता है तो तीसरी प्रमुख सुषुम्ना नाड़ी में प्राण का प्रवाह होने लगता है, जिसके परिणामस्वरूप कुण्डलीन शक्ति का जागरण होता है। हठ योग साधना की दृष्टि से साधक के लिए यह अद्भुत स्थिति होती है।

उपरोक्त विचार व्याख्यान के मुख्य वक्ता डा0 गौरव दलाल ने रखे। उन्होंने कहा कि हठ योग, योग की विभिन्न शाखाओं में प्रमुख शाखा है। वर्तमान समय में हठ योग का ही वर्चस्व सर्वाधिक है। हठ योग के प्रमुख ग्रंथ हठ प्रदीपिका और घेरण्ड संहिता हैं। जिनके लेखक क्रमशः स्वात्माराम और महर्षि घेरण्ड हैं। ये दोनों ग्रंथ क्रमशः 14वीं एवं 17वीं शताब्दी के माने जाते हैं। हठ प्रदीपिका में योग के चार अंग आसन, प्राणायाम, मुद्रा बंध और नादानुसंधान है। आसन के अंतर्गत इस ग्रंथ में 15 आसनों का उल्लेख किया गया है। 08 प्रकार के प्राणायाम, 10 प्रकार की मुद्रायें और चार प्रकार के नादानुसंधान अर्थात समाधि का उल्लेख है। हठ प्रदीपिका में योग साधना की बाधक और साधक तत्वों का उल्लेख है जिनमें अधिक भोजन, अधिक श्रम, अधिक बोलना, नियम पालन में आग्रह अधिक जन संपर्क और मन की चंचलता यह 6 योग साधना के बाधक तत्व है और उत्साह, साहस, धैर्य, तत्व ज्ञान, दृढ़ निश्चिय और जन संघ का परित्याग योग साधना के साधक तत्व हैं।

व्याख्यान के समन्वयक डा0 राम किशोर ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि लगभग 02 माह से चल रही व्याख्यान श्रृंखला के विषय आज से यू.जी.सी. नेट योग पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे। आगामी जून माह के प्रथम सप्ताह में यू.जी.सी. नेट की परीक्षा प्रस्तावित है, जिसके दृष्टिगत नेट पाठ्यक्रम पर आधारित ही विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान कराये जायेंगे जो योग विषय से यू.जी.सी. नेट की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए काफी उपयोगी होंगे।

माह—मई, 2022

1. 06 मई, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 06—05—2022 दिन शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में दो दिवसीय कार्यशाला ''मोबीलाइजेशन आफ पेरीफेरल ज्वाइंट एण्ड वरटेबरल कालम एड्रेसिंग मेटलैण्ड कांसेप्ट (Mobilization of peripheral joint and vertebral column addressing maitland concept) विषय पर शुभारम्भ विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी के मार्गदर्शन एवं अनुमति से प्रारम्भ हुयी।

सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफहेल्थ साइंस में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

अमन यात्रा ब्यूरो

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में दो दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का विषय ''मोबिलाइजेशन ऑफ पेरीफेरल ज्वाइंट एंड वर्टेब्रल कॉलम एड्रेसिंग मेटलैंड कांसेप्ट÷ रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि वर्तमान समय में स्पाइनल इंजरी एक आम बात हो गयी है, जिसका मुख्य कारण बाइक ड्राइविंग, बैठने का गलत तरीका, खराब जीवनशैली, व्यायाम न करना आदि है। इस पर ध्यान देने की सबसे ज्यादा जरुरत है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशाला से छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों का भी ज्ञान वर्धन होता है। कार्यशाला से छात्र-छात्राओं को अपने चिकित्सा के दौरान सहायता मिलेगी और वे स्पाइनल इंजरी के रोगियों का और बेहतर तरीके से निदान कर पायेंगे।

मुख्य वक्ता प्रो. मनु गोयल, प्रधानाचार्य, एम.एम.आई.पी.आर., महर्षि मार्कण्डेश्वर डीम्ड यूनिवर्सिटी, अम्बाला, हरियाणा ने कहा कि मेटलैण्ड तकनीक को रटने की बजाय इसके सिद्धांत को समझना अधिक उपयुक्त होगा। अतः प्रत्येक प्रतिभागी को इसके सिद्धांतों को समझकर अपने व्यवसायिक जीवन में प्रयोग करने का प्रयास का प्रयास करना चाहिये।

संस्थान के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा ने इस तकनीक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह बहुत पहले से चिकित्सा जगत में प्रयोग में लायी जा रही है। उन्होंने बताया कि मेटलैण्ड कांसेप्ट एक टीम द्वारा विकसित की गयी एक तकनीक है, जिस टीम का नेतृत्व 'ज्योफ्रे डगलस मेटलैण्ड' द्वारा किया गया था, इसीलिए इस पद्धति को 'मेटलैण्ड तकनीक' के नाम से जाना जाता है।

उद्घाटन सत्र में संस्थान के सह निदेशक डॉ. मुनीश रस्तोगी ने अतिथियों का परिचय कराते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा रखी । सत्र का संचालन संस्थान की सहायक आचार्या आकांक्षा वाजपेयी ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षिका डॉ. वर्षा प्रसाद, चन्द्र शेखर कुमार, डॉ. के.के. पाण्डेय, हिना वैश, आदर्श कुमार श्रीवास्तव, डॉ. राम किशोर तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थित उल्लेखनीय रही।

कार्यशाला का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, मुख्य वक्ता प्रो0 मनु गोयल, संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा, सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी आदि ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया।

दीप प्रज्ज्वलन के बाद संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा जी ने आए हुए अतिथियों के स्वागत में अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि मेटलैण्ड कांसेप्ट एक टीम के द्वारा विकसित की गयी एक तकनीक है, जिस टीम का नेतृत्व 'ज्योफरे डगलस मेटलैण्ड' द्वारा किया गया था, जिसके कारण इस पद्धति को 'मेटलैण्ड तकनीक' के नाम से जाना जाता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में स्पाइनल इंजरी एक आम बात हो गयी है, जिसका मुख्य कारण बाइक ड्राइविंग, गलत पोस्चर आदि हैं। स्पाइनल कार्ड मस्तिष्क का महत्वपूर्ण भाग है जो मानव शरीर की समस्त गतिविधियों का आधार है। निश्चित ही आज की कार्यशाला में भाग ले रहे छात्र—छात्राओं को अपने चिकित्सा के दौरान उपयोगी होगी और वे स्पाइनल इंजरी के रोगियों का और बेहतर तरीके से निदान कर पायेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो0 मनु गोयल, प्रधानाचार्य, एम.एम.आई.पी.आर., महर्षि मार्कण्डेश्वर डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, अम्बाला, हरियाणा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति मा0 प्रो0 विनय कुमार पाठक जी के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनकी अनुमति से मुझे कानपुर आने का प्रथम अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि विषय बहुत ही व्यापक है, जिसे दो दिन की कार्यशाला में संपूर्णता प्रदान करना मुश्किल है परंतु मैं पूरी कोशिश करूंगा कि विषय को अधिक से अधिक समायोजित किया जा सके। मेटलैण्ड तकनीक को रटने की बजाय इसके सिद्धांत को समझना अधिक उपयुक्त होगा। अतः प्रत्येक प्रतिभागी से मेरा परामर्श है कि इसके सिद्धांतों को समझकर अपने व्यवसायिक जीवन में उसका प्रयोग करने का प्रयास करें।

संस्थान के सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी जी ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों, मीडिया के स्वजनों एवं छात्र—छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन संस्थान की सहायक आचार्या आकांक्षा बाजपेयी महोदया द्वारा किया गया।

उद्घाटन सत्र में संस्थान की वरिष्ठ शिक्षिका डा0 वर्षा प्रसाद, श्री चन्द्र शेखर कुमार, डा0 के0के0 पाण्डेय, कु0 हिना वैश, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, डा0 राम किशोर आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे।

2. 07 मई, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आनलाइन माध्यम से आयोजित होने वाला साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला–अष्टम व्याख्यान

दिनांक 7 मई, 20022 दिन शनिवार को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज द्वारा आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला का आठवां व्याख्यान सम्पन्न हुआ। यह व्याख्यान श्रृंखला विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा व अनुमति से सम्पन्न हो रहे हैं। व्याख्यान का विषय ''साइनोसाइटिस का योगिक प्रबंधन'' और व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. नंद लाल जिज्ञासु, योग विशेषज्ञ, बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ, रहे।

संस्थान के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा जी ने विश्वविद्यालय के सम्मानीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी की प्रति आभार व्यक्त करते कहा कि सर की प्रेरणा व अनुमति से यह व्याख्यान श्रृंखला सम्पादित हो पा रहे हैं। उन्होंने मुख्य वक्ता डॉ. नन्दलाल जिज्ञासु सहित ऑनलाइन माध्यम से जुड़े सभी श्रोतागणों का संस्थान की ओर से स्वागत और अभिनंदन किया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. नंद लाल जिज्ञासु जी ने अपने विचार रखते हुए कहा सदियों से भारतीय योगी, ऋषि, मुनि एवं साधक स्वास्थ्य संवर्धन, स्वास्थ्य संरक्षण, शरीर शोधन, साधना एवं रोग निवारण के दृष्टि से अपने दैनिक जीवन में योगाभ्यास एवं षटकर्म को शामिल किए हुए थे। वर्तमान परिवेश में बढ़ते प्रदूषण, अस्त–व्यस्त दिनचर्या, आहार–विहार एवं विचारों में असंतुलन के कारण रोग एवं रोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होती जा रही है, इन्हीं रोगों में नाक संबंधी बीमारी साइनोसाइटिस है।

साइनोसाइटिस से ग्रस्त व्यक्ति को सांस लेने में तकलीफ होना, अच्छी नींद न आना, घबराहट, बेचैनी, मानसिक तनाव का होना, नासिका के म्यूकस मेंब्रेन में सूजन हो जाना, आवाज का भारीपन, पीला या हरा बलगम का आना, थकावट कमजोरी लगना, दुर्गंध या सुगंध का एहसास ना होना आदि लक्षण साइनोसाइटिस के होते हैं।

साइनोसाइटिस के प्रबंधन में योगिक चिकित्सा–जल नेति, सूत्र नेति या रबड़ नेति, तेल नेति एवं कपालभाति कारगर है, जिसे किसी भी योग विशेषज्ञ अथवा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशन में सीखकर अथवा प्रशिक्षण उपरांत किया जा सकता है। साइनोसाइटिस के मरीज को मौसम के ताजे फल, हरी सब्जियां, अंकुरित अन्न, मोटे आटे की चोकर समेत चपाती एवं खजूर का सेवन करना चाहिए।

बढ़ते प्रदूषण, अस्त-व्यस्त दिनचर्या, आहार-विहार व विचारों में असंतुलन के कारण बढ़ रहा साइनोसाइटिस

प्रखर विकास

कानपुर। शनिवार को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साईंसेज द्वारा आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला का आठवां व्याख्यान सम्पन्न हुआ। यह व्याख्यान श्रृंखला विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा से हुआ। व्याख्यान का विषय ह्लसाइनोसाइटिस का योगिक प्रबंधनह्लह्ल और व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. नंद लाल जिज्ञासु, योग विशेषज्ञ, बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ रहे। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. नंद लाल जिज्ञासु जी ने अपने विचार रखते हुए कहा सदियों से भारतीय योगी, ऋषि, मुनि एवं साधक स्वास्थ्य संवर्धन, स्वास्थ्य संरक्षण, शरीर शोधन, साधना एवं रोग निवारण के दृष्टि से अपने दैनिक जीवन में योगाभ्यास एवं षटकर्म को शामिल किए हुए थे। वर्तमान परिवेश में बढ़ते प्रदूषण, अस्त-व्यस्त दिनचर्या, आहार-विहार एवं विचारों में असंतुलन के कारण रोग एवं रोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होती जा रही है, इन्हीं रोगों में नाक संबंधी बीमारी साइनोसाइटिस है।

साइनोसाइटिस से ग्रस्त व्यक्ति को सांस लेने में तकलीफ होना, अच्छी नींद न आना, घबराहट, बेचैनी, मानसिक तनाव का होना, नासिका के म्यूकस मेंब्रेन में सूजन हो जाना, आवाज का भारीपन, पीला या हरा बलगम का आना, थकावट कमजोरी लगना, दुर्गंध या सुगंध का एहसास ना होना आदि लक्षण साइनोसाइटिस के होते हैं। साइनोसाइटिस के प्रबंधन में योगिक चिकित्सा-जल नेति, सूत्र नेति या रबड़ नेति, तेल नेति एवं कपालभाति कारगर है, जिसे किसी भी योग विशेषज्ञ अथवा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशन में सीखकर अथवा प्रशिक्षण उपरांत किया जा सकता है। साइनोसाइटिस के मरीज को मौसम के ताजे फल, हरी सब्जियां, अंकुरित अन्न, मोटे आटे की चोकर समेत चपाती एवं खजूर का सेवन करना चाहिए।

संस्थान के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा जी ने विश्वविद्यालय के सम्मानीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी की प्रति आभार व्यक्त करते कहा कि सर की प्रेरणा व अनुमति से यह व्याख्यान श्रृंखला सम्पादित हो पा रहे हैं। उन्होंने मुख्य वक्ता डॉ. नन्दलाल जिज्ञासु सहित ऑनलाइन माध्यम से जुड़े सभी श्रोतागणों का संस्थान की ओर से स्वागत और अभिनंदन किया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राम किशोर जी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज में शीघ्र ही अगामी वर्ष 2022 में योग से स्नातक और परास्नातक की प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो जायेगी। संस्थान के सहनिदेशक डा. मुनीश रस्तोगी जी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

3. 08 मई, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में मदर्स डे के अवसर पर गर्भवती महिलाओं का फ्री चेकअप एवं बच्चों का स्वर्णप्राशन

88 बच्चों का कराया स्वर्ण प्राशन

कानपुर। नीमा उत्तर प्रदेश की महिला मंच की ऑर्गेनाइजर और चेयरपर्सन साइंटिफिक कमेटी की आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने सीएसजेएमयू और लाल बंगला स्थित क्लीनिक में स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया। विवि परिसर में 26 और क्लीनिक में 62 बच्चों को निशुल्क स्वर्ण प्राशन हुआ। डॉ. वंदना ने बताया कि स्वर्ण प्राशन 16 संस्कारों में से एक संस्कार है जो बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। इस मौके पर डॉ. प्रवीन कटियार, डॉ. अनुराधा, डॉ. सोनी गुप्ता, डॉ. रश्मि गोरे, डॉ. दिग्विजय शर्मा आदि मौजूद रहे। (संवाद)

मातृ दिवस एवं पुष्य नक्षत्र के अवसर पर स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम सम्पन्न

62 बच्चों को आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक द्वारा निशुल्क स्वर्ण प्राशन कराया गया

कानपुर, अमन यात्रा: रविवार को नीमा उत्तर प्रदेश की महिला मंच की ऑर्गेनाइजर एवं चेयरपर्सन साईंटिफिक कमेटी आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक द्वारा मातृ दिवस एवं पुष्य नक्षत्र के अवसर पर छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर एवं लाल बंगला स्थित क्लीनिक में में स्वर्ण प्राशन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर परिसर में 26 बच्चों को एवं लाल बंगला स्थित क्लीनिक में 62 बच्चों को आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक द्वारा निशुल्क स्वर्ण प्राशन कराया गया।

इस अवसर पर डॉ वंदना पाठक जी ने बताया कि कोविड-19 जैसी महामारियों से बचाव हेतु आयुर्वेद में बहुत सारे उपाय दिए गए हैं। स्वर्ण प्राशन भी इसी कड़ी में एक उपाय है। उन्होंने कहा कि स्वर्ण प्राशन बच्चों के इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। विशेषज्ञों द्वारा यह बताया गया है की कोविड-19 की तीसरी लहर मे स्वर्ण प्राशन ने बच्चों को कोविड-19 से बचाव में बहुत सहायता की है। ज्यादातर बच्चे इससे प्रभावित नहीं हुए। डॉ वंदना पाठक ने बताया कि स्वर्ण प्राशन 16 संस्कारों में से एक संस्कार है जो कि बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि स्वर्ण प्राशन एक ऐसी वैक्सीन है जो विभिन्न रोगों से बच्चों का बचाव करती है।

स्वर्ण प्राशन ऋतु परिवर्तन होने की स्थिति में बच्चों मैं संक्रमण से होने वाली बीमारी से भी बचाव करता है। यदि किसी को बुखार इत्यादि कोई बीमारी होती भी है तो वह अति शीघ्र ठीक हो जाता है। डॉ वंदना पाठक ने बताया कि अब बच्चों ने जंक फूड का भी विरोध करना शुरू कर दिया है जिससे उनके माता-पिता भी प्रसन्न है।आज छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर परिसर में 26 बच्चों को एवं लाल बंगला स्थित क्लीनिक में 62 बच्चों को एक-एक करके निशुल्क स्वर्ण प्राशन का सेवन कराया गया। इसी के साथ बच्चों के माता-पिता को भी आहार-विहार, दिनचर्या एवं ऋतुचर्या विषय पर निशुल्क काउंसलिंग की गई एवं उनको भोज्य पदार्थ भी निशुल्क प्रदान किया गया। यह स्वर्ण प्राशन स्वर्ण भस्म, वचा, गिलोय, ब्राह्मी घृत,गौघृत, मधु आदि द्रव्यों को मिलाकर कई घंटों के मर्दन के पश्चात तैयार किया जाता है।

आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक ने बताया कि पुष्य नक्षत्र में स्वर्ण प्राशन ग्रहण करने का बच्चों को अत्यधिक फायदा होता है। स्वर्ण प्राशन कराने वालों में विश्वविद्यालय के शिक्षकों /कर्मचारियों एवं विश्व विद्यालय के समीप निवास करने वाले अभिभावकों के बच्चे थे।

इस अवसर पर डॉ प्रवीन कटियार, डॉ अनुराधा, डॉ सोनी गुप्ता, डॉ रश्मि गोरे, डॉ दिग्विजय शर्मा, डॉ मुनीश रस्तोगी, डॉ वर्षा प्रसाद एवं अन्य शिक्षक गण, संस्थान के विद्यार्थी एवं अन्य कर्मचारी गण उपस्थित थे।

4. 12 मई, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आनलाइन माध्यम से आयोजित होने वाला साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला–नवम व्याख्यान

आज दिनांक 12 मई, 2022 दिन गुरुवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज में ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का नवां व्याख्यान संपन्न हुआ। व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ राम नारायण मिश्र असिस्टेंट प्रोफेसर स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, देहरादून ने 'योग सूत्र में समाधि की अवधारणा' विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।

व्याख्यान का शुभारंभ स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज के सहायक आचार्य डॉ राम किशोर जी ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि माननीय कुलपति महोदय की प्रेरणा और अनुमति से योग विषय पर ऑनलाइन माध्यम से चलने वाली व्याख्यान श्रृंखला का यह नवां व्याख्यान संपन्न होने जा रहा है, जिसके लिए मैं माननीय कुलपति महोदय को नमन वंदन करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। इसी के साथ संस्थान के निदेशक डॉ दिग्विजय शर्मा जी का भी मैं स्वागत और अभिनंदन करता हूं जिनकी प्रेरणा मार्गदर्शन और पूरा सहयोग इस व्याख्यान श्रृंखला में प्राप्त हो रहा है।

इसी के साथ आज के व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ राम नारायण मिश्र जी का बहुत–बहुत स्वागत और अभिनंदन करता हूं। आदरणीय मिश्रा जी ने डी.आर.डी.ओ. की डिपास लैब में योग प्रशिक्षक के पद पर अपनी सेवाएं दी हैं। उसके बाद योग में यूजीसी नेट और पीएचडी करने के बाद योग की शैक्षणिक अनेकों संस्थाओं में अपनी सेवाएं देते

हुए वर्तमान में स्वामी राम नारायण विश्वविद्यालय, देहरादून में सहायक आचार्य के पद पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इसी के साथ ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए सभी योग के विद्यार्थियों श्रोता गणों और विद्वानों का भी मैं बहुत बहुत हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूं।

व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉक्टर राम नारायण मिश्र ने ''योगसूत्र में समाधि की अवधारणा'' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा ''योगसूत्र'' योग का सबसे प्रमाणिक और आधारभूत ग्रंथ है। योग की सभी परंपराएं इसी ग्रंथ के आधार पर विकसित हुई हैं। इस ग्रंथ में चित्त की वृत्तियों के निरोध को योग कहा गया है जिसका अर्थ समाधि है।

यहां अभ्यास और वैराग्य को साधन बताया गया है अर्थात अभ्यास और वैराग्य से समाधि की प्राप्ति होती है। जिस भी प्रयत्न से चित्त स्थिर हो उसे अभ्यास कहते हैं। वैराग्य के दो भेद हैं ।

1. पर वैराग्य और 2. अपर वैराग्य।

इन दोनों वैराग्यों से क्रमशः समप्रज्ञात और असमप्रज्ञात समाधि की प्राप्ति होती है।

क्योंकि आज का व्याख्यान आने वाले यूजीसी नेट परीक्षा के पाठ्यक्रम पर आधारित था इसलिए योग के प्रमाणिक ग्रंथ योगसूत्र के आधार पर ही अपने व्याख्यान को प्रस्तुत करते हुए डॉ. मिश्र ने कहा समाधि का अर्थ बुद्धि का सम हो जाना है। संप्रज्ञात समाधि के भी चार प्रकार वितर्क, विचार, आनंद और अस्मिता हैं।

इन चारों समाधियों में क्रमशः सभी तत्वों का ज्ञान होकर अंत में प्रकृति और पुरुष इन दोनों भेद ज्ञान हो जाता है क्योंकि योग सूत्र और सांख्य दर्शन के अनुसार यह अखिल विश्व ब्रह्मांड मात्र दो प्रकृति और पुरुष तत्वों से मिलकर ही बना है और जब इन दोनों तत्वों का ज्ञान हो जाता है तो इस अखिल विश्व ब्रह्मांड का ज्ञान हो जाता है, जिसका चरमोत्कर्ष प्रकृति पुरुष भेद ज्ञान के रूप में होता है। यही ज्ञान का चरमोत्कर्ष है यही मानव जीवन का लक्ष्य है और इसी को अलग–अलग योगिक ग्रंथों उपनिषदों आदि अलग–अलग नामों से मोक्ष के रूप में जाना जाता है। जब इस प्रकृति पुरुष भेद रूपी ज्ञान का भी निरोध हो जाता है तब चित्त की सर्व वृत्ति निरोध अवस्था होती है और इसी का नाम असम्प्रज्ञात समाधि है। यह दोनों योग की ही अवस्थाएं है। असम्प्रज्ञात के बाद कैवल्य की प्राप्ति होती है और यही कैवल्य ही योग दर्शन या मानव जीवन का उद्देश्य है।

संस्थान के निदेशक डॉ दिग्विजय शर्मा जी ने आभार व्यक्त करते हुए सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के यषस्वी कुलपति माननीय प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी के अपने आभार व्यक्त किए और सर को बहुत–बहुत धन्यवाद दिया जिनके प्रेरणा और मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय नित नए आयामों को प्राप्त कर रहा है। इसी के साथ उन्होंने आज के मुख्य वक्ता डॉ राम नारायण मिश्र जी के प्रति अपने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं संस्थान की ओर से आदरणीय मित्र जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने अमूल समय से ज्ञान से हमारे संस्थान के विद्यार्थियों के प्रति अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

योग सूत्र में समाधि की अवधारणा विषय पर हुआ व्याख्यान

प्रखर विकास, कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज में योग सूत्र में समाधि की अवधारणा विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान यूजीसी नेट परीक्षा के पाठ्यक्रम पर आधारित रहा। मुख्य वक्ता डॉ. राम नारायण मिश्र, स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, देहरादून ने ह्ययोगसूत्रह्ल को योग का सबसे प्रमाणिक और आधारभूत ग्रंथ बताया। इस ग्रंथ में चित्त की वृत्तियों के निरोध को योग कहा गया है, जिसका अर्थ ह्यसमाधिह्ल है। डॉ. मिश्र ने कहा कि जिस भी प्रयत्न से चित्त स्थिर हो उसे अभ्यास कहते हैं। वही वैराग्य पर चर्चा करते उन्होंने कहा कि वैराग्य के दो भेद हैं, ह्यपर वैराग्यह्ल और ह्यअपर वैराग्यह्ल। इन दोनों वैराग्यों से समप्रज्ञात और असमप्रज्ञात समाधि की प्राप्ति होती है। संस्थान निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा ने कहा कि ध्यान की उच्च अवस्था को समाधि कहते हैं। पतंजलि के योगसूत्र में समाधि को आठवीं अवस्था बताया गया है। डॉ. शर्मा ने बताया कि जब साधक ध्येय वस्तु के ध्यान में अपने अस्तित्व को भूलकर पूरी तरह से डूब जाता है, तो उसे समाधि कहा जाता है। इस अवसर पर उन्होंने कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक का आभार व्यक्त किए, जिनके प्रेरणा और मार्गदर्शन से यह व्याख्यान आयोजित हो पाया। स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज के सहायक आचार्य तथा कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राम किशोर ने व्याख्यान का कुशल संचालन करते हुए वहां उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया। डॉ. दिग्विजय शर्मा ने धन्यावद ज्ञापित किया। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकगण तथा छात्र-छात्राएं मौजूद रहें।

5. 19 मई, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा बायोमेडिक वेस्ट मैनेजमेंट पर एक दिवसीय कार्याशाला का आयोजन

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा एवं संरक्षण में एकदिवसीय कार्यशाला **''बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट''** विषय पर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति, प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, मुख्य वक्ता डा0 सुरेन्द्र प्रताप सिंह, डिवीजनल कन्सलटेंट, क्वालिटी एश्योरेंस, कानपुर, विशिष्ट अतिथि प्रो0 सुमनलता वर्मा, विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर, संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा, सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी, कार्यशाला समन्वयक डा0 वर्षा प्रसाद आदि ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया।

कार्यशाला में आए अतिथियों के स्वागत के क्रम में संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा जी ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी एवं प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा आयोजित यह कार्यशाला मा0 कुलपति जी एवं प्रति कुलपति महोदय की प्रेरणा और उनके संरक्षण में संपन्न होने जा रही है। मा0 कुलपति महोदय समय–समय पर छात्र व

समाज हित में बहुउपयोगी कार्यशालाओं को आयोजित करने के लिए सदैव प्रेरित करते रहते हैं। इसी क्रम में आज **''बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट''** विषय पर कार्यशाला आयोजित हो रही है। डा0 शर्मा ने बताया इस कोर्स की बढ़ती हुयी मांग को देखते हुए मा0 कुलपति महोदय के आदेशानुसार इस कोर्स की सीटें भी बढ़ायी जा रही हैं।

बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट बेहद आवश्यक- प्रो अवस्थी

स्कूल ऑफहेल्थ साइंसेस में कार्यशाला का आयोजन

अमन यात्रा ब्यूरो

कानपुरः बायोमेडिकल वेस्ट का सही प्रबंधन बेहद आवश्यक है। इसे व्यवस्थित रूप से व्यवहार में लाए जाने की नितांत आवश्यकता है। चिकित्सा क्षेत्र में ही नहीं अपित समाज के सभी क्षेत्रों में इसे लेकर संवाद होना चाहिए। यह कहना है छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी को जो गुरुवार को स्कूल आफहेल्थ साइंसेस में ''बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। प्रो अवस्थी ने कहा कि बायोमेडिकल वेस्टेज के सुव्यवस्थित प्रबंधन न होने के कारण अनेकों लोगों को संक्रमित व असंक्रमित रोगों से ग्रसित होना पड़ सकता है। अतः सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों को गंभीरतापूर्वक इसके निस्तारण हेतु ध्यान देना चाहिए।

मुख्य वक्ता डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह, डिवीजनल कन्सलटेंट, क्वालिटी एश्योरेंस, कानपुर, ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि बायोमेडिकल वेस्ट का सही तरीके से मैनेजमेंट न होने के कारण यह एक गम्भीर समस्या का रूप धारण कर रहा है। उन्होंने 4त् (त्-त्मकनबम, त्-त्मनेम, त्-त्मबलबसम, त्-त्मबवअमत) पर जोर देते हुए इसे वेस्ट के प्रबंधन के आधारभूत स्तम्भ बताए। डॉ. सुरेन्द्र ने इस समस्या के लिए हर उस व्यक्ति को जिम्मेदार बताया जो कचरे के उत्पादन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल है। विशिष्ट अतिथि प्रो. सुमनलता वर्मा, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कॉलेज, पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष, ने हेल्थ सांइस विभाग के शिक्षकों तथा छात्रों की सराहना की।

कार्यशाला में आए अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा ने वि.वि. कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक का आभार व्यक्त किया, जिनकी प्रेरणा के कारण ही इस प्रकार की कार्यशाला छात्र व समाज हित के लिए आयोजित हो पाती है। डॉ.शर्मा ने बताया इस कोर्स की बढ़ती हुयी मांग को देखते बी.एस.सी इन मेडिकल लैबोरेट्री टेक्नोलॉजी कोर्स की सीटें भी बढ़ायी जा रही हैं। कार्यशाला समन्वयक डॉ. वर्षा प्रसाद ने कहा कि वर्तमान समय में बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट की आवश्यकता है, क्योंकि वर्तमान समय में जिस प्रकार से अस्पतालों, क्लीनिक, पशु चिकित्सालय, ब्लड बैंक, पैथोलॉजी, लैबोरेट्री आदि के द्वारा उत्पन्न बायोमेडिकल वेस्ट विभिन्न प्रकार के संक्रामक व असंक्रामक रोगों का कारण बन रहा है।

कार्यशाला का संचालन अंजली त्रिपाठी तथा अनुषा त्रिवेदी ने मिलकर किया। सह-निदेशक डॉ. मुनीश रस्तोगी ने सभी लोगो का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में चन्द्रशेखर कुमार, डॉ. कौशलेन्द्र कुमार पाण्डेय, आदर्श कुमार श्रीवास्तव, हिना वैश, डॉ. अनामिका दीक्षित, आमेना जैदी, डॉ. राम किशोर मौजूद रहे।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डा0 सुरेन्द्र प्रताप सिंह जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि बायोमेडिकल वेस्ट का सही तरीके से मैनेजमेंट न होने के कारण यह एक गम्भीर समस्या का रूप धारण कर रही है। इसके प्रबंधन के लिए उन्होंने 4R पर विशेष जोर देते हुए कहा कि यह 4R (R-Reduce, R-Reuse, R-Recycle, R-Recover) वेस्ट के प्रबंधन के आधारभूत स्तम्भ हैं। इस समस्या के लिए वह प्रत्येक व्यक्ति जिम्मेदार है जो कचरे के उत्पादन में प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार है। अतः हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है कि कचरे के कम से कम उत्पादन उनके पुनः इस्तेमाल, सुव्यवस्थित तरीके से निस्तारण आदि के प्रति सजग रहें।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो0 सुमनलता वर्मा महोदया ने अपने विचार रखते हुए कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से मेरा संबंध 1981 है। उन्होंने विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति महोदय व प्रतिकुलपति महोदय को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके दूरगामी दृष्टिकोण के कारण यह विश्वविद्यालय तेजी से नये आयामों को हासिल कर रहा है। यहां के छात्र और फैकल्टी भी बहुत ही कर्मठ हैं। प्रो0 वर्मा ने पिछले 16 वर्षों से स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में उच्च कोटि के मेडिकल लैब टेक्नीशियन अपनी विधा में पारंगत होकर भारत वर्ष के विभिन्न नामी संसाधनों में जैसे एम्स दिल्ली, आर.एम.एल. लखनऊ, जी.एस.वी.एम. कानपुर, जी.एम.सी. कन्नौज, एस.जी.पी.जी.आई. लखनऊ, सैफई आदि में अपनी सेवायें दे रहे हैं। साथ ही यहां से उत्तीर्ण कई छात्र विदेशों में कार्यरत हैं। यह संस्थान अपनी प्रशिक्षण एवं प्रयोगशालाओं की उच्चगुणवत्ता के लिए जाना जाता है।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सबसे पहले मैं संस्थान को अनवरत अकादमिक आयोजनों हेतु शुभकामनायें देता हूँ। उन्होंने कहा कि बायोमेडिकल वेस्टेज के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के खतरनाक वेस्टेज, केमिकल्स आदि आते हैं। अतः इनका निस्तारण ठीक प्रकार से कैसे हो सकता है इसका प्रशिक्षण मेडिकल और संबंधित संस्थानों से जुड़े सभी लोगों को होना चाहिए। सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों को गंभीरतापूर्वक इसके निस्तारण हेतु ध्यान देना चाहिए। अन्यथा जहां हम एक ओर चिकित्सा द्वारा लोगों को रोगमुक्त करते हैं वहीं दूसरी ओर बायोमेडिकल वेस्टेज के सुव्यवस्थित प्रबंधन न होने के कारण अनेकों लोगों को संक्रमित व असंक्रमित रोगों से ग्रसित करते हैं।

कार्यशाला समन्वयक डा0 वर्षा प्रसाद जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा वर्तमान समय में बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट की आवश्यकता है, क्योंकि वर्तमान समय में जिस प्रकार से अस्पतालों/क्लीनिक/डिसपेन्सरी/नर्सिंग होम/पशु चिकित्सालय/ब्लड बैंक/पैथोलॉजी लैबोरेट्री के द्वारा उत्पन्न बायोमेडिकल वेस्ट विभिन्न प्रकार के संक्रामक व असंक्रामक रोगों का कारण बन रहा है। अतः यह आवश्यक हो जाता है कि उचित तरीके से इन स्थानों से निकलने वाले बायोमेडिकल वेस्ट का निवारण बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट एण्ड हैण्डलिंग एक्ट–1998 के अनुसार किय जाये। प्रायः देखा जाता ाहै कि हेल्थ केयर वर्कर को इस एक्ट का ज्ञान एवं जागरूकता नही होती है। जानकारी के अभाव में जाने–अनजाने मरीज, परिजन एवं आम जनता में अनेकों रोग का कारण बनता है।

संस्थान के सहायक निदेशक, डा0 मुनीश रस्तोगी ने कार्यशाला में उपस्थित सभी अतिथियों, मीडियाकर्मी, संस्थान के सभी फैकल्टी एवं छात्र–छात्राओं के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की यह कार्यशाला हम सभी के लिए काफी उपयोगी होगी।

इस कार्यशाला में संस्थान के शिक्षक श्री चन्द्रशेखर कुमार, डा0 कौशलेन्द्र कुमार पाण्डेय, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, कु0 हिना वैश, डा0 अनामिका दीक्षित, कु0 आमेना जैदी, डा0 राम किशोर आदि उपस्थित रहे।

6. 22 मई, 2022, एक मासीय योग शिविर

मुख्य अतिथि : प्रो. विनय कुमार पाठक, माननीय कुलपति महोदय

विवि में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज में रविवार से एक महीने का योग प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से एक माह पूर्व शुरू हुए कार्यक्रम का शुभारंभ विवि के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक और आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रामकिशोर ने बताया कि 21 जून को स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज और शारीरिक शिक्षा विभाग संयुक्त रूप से विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करेगा। बीएससी योग के अंतिम वर्ष के छात्र शहर के 10 अलग-अलग स्थानों पर 15 दिवसीय योग शिविर आयोजित करेंगे। संस्थान के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा ने बताया कि विवि में संचालित कोर्सों बीएससी योग और एमएससी योग में प्रवेश प्रक्रिया 28 मई से शुरू हो जाएगी। (एजेंसी)

7. 30 मई, 2022, एन.सी.सी. के साथ सामान्य योगाभ्यास (प्रोटोकाल)

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति मा0 प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की अनुमति से आठवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विश्वविद्यालय योग के विविध आयोजनों के साथ मना रहा है। इसी कड़ी में स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस, एन.सी.सी. और शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज दिनांक 30 मई, 2022 दिन सोमवार को विश्वविद्यालय स्थित स्टेडियम में आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार योग का अभ्यास संपन्न हुआ। ज्ञातव्य हो कि आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय एक मासीय योग शिविर का आयोजन विगत 22 मई, 2022 को मा0 कुलपति महोदय द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ प्रारंभ हो चुका है।

यह योगाभ्यास प्रातः 7:00 से 7:30 के मध्य संपन्न हुआ, जिसमें ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, शलभासन, उष्ट्रासन, भद्रासन, उज्जयी, शीतली, शीतकारी, भ्रमारी, ध्यान आदि का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम समन्वयक डा0 राम किशोर जी ने बताया कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगासन प्रतियोगिता, योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, एक मासीय योग शिविर, व्याख्यान श्रृंखला आदि का आयोजन कर रही है।

स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा एवं सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी ने बताया कि कि इन सभी आयोजनों के विजेताओं और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर आगामी 21 जून, 2022 को संपादित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में सम्मानित किया जायेगा। योगासन प्रतियोगिता विश्वविद्यालय एवं इससे सम्बद्ध सभी महाविद्यालयों के छात्र–छात्रायें व अध्यापकगण/ कर्मचारीगण भाग ले सकेंगे। यह प्रतियोगिता अलग–अलग आयु वर्गों के अनुसार चार भागों में होगी और प्रत्येक भाग महिला एवं पुरूष दो भागों में विभक्त रहेगी। इस प्रकार आठों वर्ग की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को प्रमाण–पत्र और मेडल के साथ सम्मानित किया

जायेगा। योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत योग के स्नातक एवं परास्नातक छात्र–छात्रायें भाग लेंगे।

एन.सी.सी. इंचार्ज प्रो0 अपर्णा कटियार जी ने सभी प्रतिभागियों से नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया और कहा योगाभ्यास का मुख्य उद्देश्य यही है कि सभी जन योगाभ्यास को अपने दिनचर्या का अनिवार्य अंग बनायें।

शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 आशीष कुमार दुबे जी ने सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय द्वारा होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डा0 श्रवण कुमार यादव, श्री आशीष कटियार आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में एन.सी.सी. विद्यार्थी, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के लगभग 100 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का समापन निर्धारित प्रोटोकाल के संकल्प मंत्र– ''हमें अपने मन को हमेशा शांत रखना है। इसी में हमारा आत्म विकास समाया है। मैं अपने कर्तव्य, स्वयं के प्रति, कुटुम्ब के प्रति कार्य, समाज और विश्व के प्रति शांति, आनंद और स्वास्थ्य के प्रचार के लिए प्रतिबद्ध हूँ।'' के साथ हुआ।

8. 29 मई, 2022

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस की छात्राओं व फैकल्टी ने जयपुर में आयोजित ''फेमकान–3 नेशनल फीमेल समिट'' में 29 मई, 2022 को व्याख्यान व साइंटिफिक पेपर प्रस्तुत किए। मास्टर आफ फिजियोथिरैपी की छात्राओं सादिया रफत, सालिहा रफत, अंजली रघुवंशी व खुशबू अंजुम ने साइंटिफिक ओरल पेपर एवं पोस्टर प्रजेंट किए। छात्राओं के शोध पत्रों को तैयार करवाने में संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा और शिक्षिका सुश्री हिना वैश, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, सुश्री आकांक्षा बाजपेयी आदि का अहम सहयोग रहा। संस्थान की शिक्षिका सुश्री आंकाक्षा बाजपेयी ने प्रोफेशनल कैटेगिरी में साइंटिफिक पेपर प्रस्तुत किया। संस्थान की शिक्षिका सुश्री हिना वैश को Key Note Speaker का आमंत्रण था, उन्होंने "Women Health : Perspective of a Cardiopulmonary Physiotherapist" विषय पर व्याख्यान दिया। छात्रा सादिया रफत को ''स्टार स्टूडेंट फेमकान–3'' व शिक्षिका सुश्री हिना वैश को ''स्टार फैकल्टी फेमकान–3'' के एवार्ड से सम्मानित किया गया।

छात्रा सादिया रफत मास्टर आफ फिजियोथिरैपी एवं शिक्षिका सुश्री हिना वैश पी.एच.डी. शोध कार्य निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा के निर्देशन में कर रही है।

संस्थान के निदेशक ने बताया कि संस्थान से संगोष्ठी में कुल 05 पेपर व 02 पोस्टर प्रजेंट किये गये।

माह–जून, 2022

1. 8 एवं 9 जून, 202 योग प्रशिक्षण

स्थान : महिला पी.जी. कालेज, किदवई नगर, कानपुर

2. 10 एवं 11 जून, 2022, योग प्रशिक्षण एवं विचार संगोष्ठी

स्थान : एस.एन. सेन महिला पी.जी. कालेज, कानपुर।

3. 11 जून, 2022विचार संगोष्ठी

स्थान : एस.एन. सेन महिला पी.जी. कालेज, कानपुर।

4. दिनांक : 13 जून, 2022, मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग फार्चून हास्पिटल

आज दिनांक 13 जून, 2022 को मा0 कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा से एक मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं फार्चून हास्पिटल प्रा0लि0, शारदा नगर, कानपुर के बीच स्थापित हुआ। कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में यह मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग दोनों संस्थाओं के अति उपयोगी सिद्ध होगा। छात्र विभिन्न विधाओं में समाज की सेवा के दृष्टिगत कई नयी तकनीकों से अवगत होंगे, जिससे आने वाले समय में वह समाज के लिए अति उपयोगी सिद्ध होंगे।

स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा एवं सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी ने कार्यक्रम में अपने विचार करते हुए कहा कि मा0 कुलपति जी की प्रेरणा एवं प्रयास से यह मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग स्नातक एवं परास्नातक छात्रों के लिए कार्यान्वित किया जा रहा है जो कि उनकी रिसर्च एवं क्लीनिकल एक्सपोजर में लाभप्रद होगा।

चिकित्सा के क्षेत्र में सीएसजेएमयू और फॉर्च्यून हॉस्पिटल मिलकर करेंगे काम

-दोनों संस्थानों के बीच एमओयू साइन

अमन यात्रा ब्यूरो

कानपुरः छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के हेल्थ सांइस विभाग के छात्रों को अब फॉर्च्यून हॉस्पिटल के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा। वहीं फॉर्च्यून हॉस्पिटल के विशेषज्ञ भी अपने अनुभवों को यूनिवर्सिटी के क्लासरूम में स्टूडेंट्स के साथ साझा कर सकेंगे। रिसर्च और चिकित्सा शिक्षा में परस्पर सहयोग के लिए ही सोमवार को दोनों संस्थानों के बीच एमओयू (मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग) साइन किया गया।

विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एकेडमिक भवन में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। प्रति कुलपति प्रो सुधीर कुमार अवस्थी एवं फॉर्च्यून हॉस्पिटल के निदेशक डा0 मनीष वर्मा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक के निर्देशन में हुए इस एमओयू से दोनों संस्थाओं को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर काम करने का अवसर मिलेगा। छात्र विभिन्न विधाओं में समाज की सेवा के दृष्टिगत कई नयी तकनीकों से अवगत होंगे, छात्रों को वास्तव में सही प्रकार का प्रशिक्षण मिल सकेगा, जिससे आने वाले समय में वह समाज के लिए अति उपयोगी सिद्ध होंगे। वहीं डा0 मनीष वर्मा ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि दोनों संस्थाएं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में साथ कम रही हैं। हम विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं छात्रों को रियायती दरों पर चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत हैं। हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा एवं सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी ने कहा कि यह एम.ओ.यू स्नातक एवं परास्नातक छात्रों के लिए किया जा रहा है जो कि उनकी रिसर्च एवं क्लीनिकल एक्सपोजर में लाभदायी साबित होगा। कार्यक्रम में डा0 राजीव मिश्रा, डा0 पी0के0 यादव, डा0 प्रवीन कटियार, चन्द्रशेखर कुमार, डा0 कौशलेन्द्र कुमार पाण्डेय, आदर्श कुमार श्रीवास्तव, हिना वैश, फार्चून हास्पिटल से डा0 रश्मि रस्तोगी, निवेन्दु शुक्ला, आशीष अग्निहोत्री उपस्थित रहे।

फार्चून हास्पिटल के निदेशक डा0 मनीष वर्मा, उनकी पत्नी डा0 रश्मि रस्तोगी, श्री निवेन्दु शुक्ला, श्री आशीष अग्निहोत्री अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। डा0 मनीष वर्मा ने बताया कि उनके लिए यह गर्व एवं हर्ष का विषय है कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के साथ उनका शैक्षणिक अनुबंध मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग आज कार्यान्वित हो रहा है। साथ ही भविष्य में वह छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं छात्रों के रियायती दरों पर चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत हैं, जिसमें आउटडोर पैसेंट डिपार्टमेंट एवं दवाओं पर 10 प्रतिशत, इनडोर पैसेंट डिपार्टमेंट एवं डायग्नोस्टिक पर 15 प्रतिशत एवं हेल्थ पैकेज पर 30 प्रतिशत की छूट की सुविधा उपलब्ध है।

जीवन विज्ञान विभाग के डा0 राजीव मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्क रोग से पीड़ित मरीजों के लिए वह भी रिसर्च के दृष्टिगत अपना योगदान प्रस्तुत करने में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

डा0 पी0के0 यादव ने भी हैवी मेटल टाक्सीसिटी के मरीजों के बारे में अपने विचार व्यक्त किये।

एम0ओ0यू0 समारोह का संचालन स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा जी द्वारा किया गया और आए हुए अतिथियों के प्रति आभार अभिव्यक्ति संस्थान के सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी द्वारा हुआ।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक डा0 प्रवीन कटियार, श्री चन्द्रशेखर कुमार, डा0 कौशलेन्द्र कुमार पाण्डेय, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, सुश्री हिना वैश आदि अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

4. दिनांक : 17 जून, 2022, मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग गुरू तेग बहादुर हास्पिटल

आज दिनांक 17 जून, 2022 को मा0 कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा से एक मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं गुरू तेग बहादुर हासिप्टल, लाजपत नगर, कानपुर के बीच स्थापित हुआ। कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में यह मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग दोनों संस्थाओं के अति उपयोगी सिद्ध होगा। छात्र विभिन्न विधाओं में समाज की सेवा के दृष्टिगत कई नयी तकनीकों से अवगत होंगे, जिससे आने वाले समय में वह समाज के लिए अति उपयोगी सिद्ध होंगे।

सीएसजेएमयू एवं गुरू तेग बहादुर हॉस्पिटल के बीच करार

समझौता पत्र दिखाते विवि के अधिकारी व अन्य।

फ्रंट हाउस से लेकर हाउसकीपिंग तक प्रोफेशनल तरीके से सीखेंगे विद्यार्थी

कानपुर, 17 जून। सीएसजेएमयू के छात्र-छात्राओं को हॉस्पिटलिटी क्षेत्र में बेहतर रोजगार और प्रशिक्षण देने के लिए वि.वि के होटल मैनेजमेंट विभाग ने ग्रैंड गीत होटल के साथ शुक्रवार को एमओयू (मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग) साइन किया। इस एमओयू का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उनकी शिक्षा के साथ-साथ हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र का माहौल पहले से प्रदान करना, जिससे कि छात्रों को कोर्स के बाद ट्रेनिंग और नौकरी के लिए भटकना न पड़े उन्हें अपनी योग्यता अनुसार कार्य क्षेत्र में रोजगार मिल सके। वि.वि ने छात्रों की बेहतरी के संबध में सकारात्मक कदम उठते हुए ग्रैंड गीत होटल के साथ एमओयू साइन किया गया। प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार यादव एवं होटल ग्रैंड गीत के असिस्टेंट जनरल मैनेजर रोहित अग्रवाल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। अकादमिक समन्वयक सौरभ त्रिपाठी ने कहा कि इस एमओयू के तहत छात्रों को फ्रंटहॉउस से लेकर हाउसकीपिंग तक सभी चीजों को प्रोफेशनल ढंग से सीखने का मौका मिलेगा। ग्रैंड गीत होटल की एच.आर. मैनेजर पूजा वर्मा ने कहा कि हम छात्रों को ट्रेनिंग के साथ सर्टिफिकेट भी प्रदान करेंगे।

कानपुर. 17 जून। सीएसजेएमयू और गुरू तेगबहादुर हॉस्पिटल अब एक साथ मिलकर कार्य करेंगे। इस संबंध में कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की प्रेरणा से शुक्रवार को दोनों संस्थानों के मध्य एक मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौते से दीक्षा और दवा दोनों को एक साथ जोड़ने का एक बेहतरीन प्रयास हुआ है। गुरू तेग बहादुर हॉस्पिटल, कानपुर के निदेशक डा. दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि यह मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग संस्थान के विद्यार्थियों एवं जन सामान्य सभी के लिए काफी उपयोगी सिद्ध होगा। स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा. दिग्विजय शर्मा ने बताया कि उनके लिए यह हर्ष का विषय है कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर का शैक्षणिक अनुबंध मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग गुरू तेग बहादुर हॉस्पिटल के साथ हो रहा है। हॉस्पिटल की ओर से विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं छात्रों के लिए चिकित्सा सुविधाओं से लेकर दवाइयों में भी छूट प्रदान की जाएगी। विवि के डीन एकेडमिक प्रो सुधांशु पाण्डिया, डा. प्रवीन कटियार, सी.डी.सी. डायरेक्टर डा. राजेश कुमार द्विवेदी, डा0 प्रवीन कटियार, डा0 वर्षा प्रसाद ,चन्द्रशेखर कुमार डा0 राम किशोर, आदर्श कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। निदेशक महोदय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि उनके लिए यह गर्व एवं हर्ष का विषय है कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के साथ उनका शैक्षणिक अनुबंध मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग आज कार्यान्वित हो रहा है। साथ ही भविष्य में वह छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं छात्रों के रियायती दरों पर चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत हैं, जिसमें दवाईयों पर 10 प्रतिशत, सी.टी. एव एम.आर.आई पर 20 प्रतिशत, अस्पताल के बिल पर 20 प्रतिशत, जांचों पर 25 प्रतिशत, ओ.पी.डी. पर 50 प्रतिशत की छूट की सुविधा के साथ के साथ 24 घण्टे इमरजेंसी एम्बुलेंस, क्वालिटी मेडिकल हेल्थ चेकअप आदि की सुविधा उपलब्ध होगी।

गुरू तेग बहादुर हास्पिटल, कानपुर के निदेशक डा0 दीपक श्रीवास्तव ने अने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग संस्थान के विद्यार्थियों एवं जन सामान्य सभी के लिए काफी उपयोगी सिद्ध होगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक प्रो0 सुधांशु पाण्डया, सी.डी.सी. डायरेक्टर डा0 राजेश कुमार द्विवेदी संस्थान के पूर्व निदेशक डा0 प्रवीन कटियार ने अपने विचार व्यक्त किये।

संस्थान के वरिष्ठ शिक्षिका डा0 वर्षा प्रसाद ने सभी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक श्री चन्द्रशेखर कुमार, डा0 कौशलेन्द्र कुमार पाण्डेय, डा0 राम किशोर, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव आदि अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

4. 19 जून, 2022 योगासन खेल प्रतियोगिता

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के उपलक्ष्य में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी की अनुमति और प्रेरणा से योगासन खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज और शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज दिनाँक 19 जून को प्रातः 11 बजे सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम अध्यक्ष और संस्थान के निदेशक डॉ दिग्विजय शर्मा ने विभिन्न महाविद्यालयों से प्रतिभाग करने आये छात्र–छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि यह प्रतियोगिता स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज में आयोजित हो रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और उ.प्र. योगासन स्पोट्स एसोसिएशन के महासचिव आचार्य विपिन पथिक ने योगासन को खेल में शामिल किए जाने से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि आज योगासन को एक खेल के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुकी है। जैसे सभी खिलाड़ियों को खेल कोटे का लाभ मिलता है, उसी प्रकार योगासन खिलाड़ियों को भी नौकरी आदि में इस कोटे का लाभ मिलेगा। सीएसजेएमयसी मीडिया प्रभारी विशाल शर्मा जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुआ कहा कि योग हमारी प्राचीन विद्या है। हमारे ऋषि मुनि इस विद्या को अपनी चेतना शक्ति और बौद्धिक क्षमता विकसित करने के लिए करते थे। इसलिए यह जितनी प्राचीन काल में प्रासंगिक थी उतनी ही वर्तमान काल में भी है।

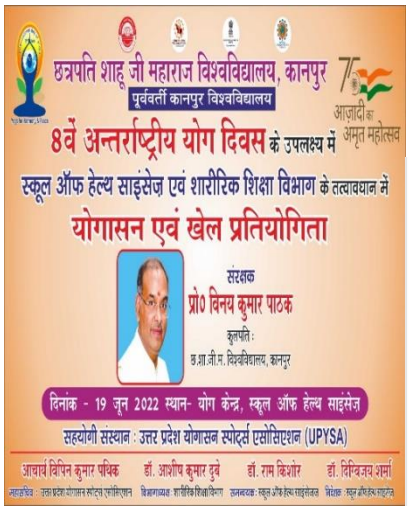

सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज में योगासन खेल प्रतियोगिता शुरू

कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डा. राम किशोर ने संपूर्ण कार्यक्रम की कार्य योजना को बताते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता में महिला पीजी कॉलेज कानपुर, सेन महाविद्यालय, वीएसएसडी कॉलेज, डीएवी कॉलेज, ब्रह्मानंद पीजी कॉलेज, स्कूल ऑफ हेल्थ साईंसेज, शारीरिक शिक्षा विभाग, यू.आई.ई.टी., फार्मास्यूटिकल, एजुकेशन विभाग आदि के 89 छात्र छात्राएं पंजीकृत हैं। इन्हें आयु के अनुसार चार वर्गों में बांटा गया है और प्रत्येक भाग से महिला और पुरुष अलग–अलग हैं इस प्रकार प्रतियोगिताओं के 8 समूह हैं जिसमें से प्रत्येक समूह के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को 24 तारीख के योग महोत्सव में मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।विदित हो कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की श्रृंखला में आगामी 24 जून को योग से प्रथम पद्मश्री प्राप्त स्वामी भारत भूषण महाराज जी विश्वविद्यालय में ''मानवता के लिए योग'' विषय पर अपना उद्बोधन देंगे। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की श्रृंखला का सबसे बड़ा और अंतिम आयोजन होगा जो विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में संपन्न किया जाएगा। शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष आशीष कुमार दुबे ने बताया 21 तारीख को भी दोनों संस्थाएं मिलकर एक भव्य आयोजन स्टेडियम में संपन्न करेंगे जिसमें लगभग 500 प्रतिभागी भाग लेंगे। यह कार्यक्रम प्रातः 7 बजे प्रारंभ हो जाएगा जो निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार सम्पन्न किया जायेगा। अतः सभी प्रतिभागियों से आग्रह है कि वह प्रातः 6:30 अपना स्थान ले।

प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि डॉ दीप्ति पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कि यह कार्यक्रम छात्र–छात्राओं में उत्साहवर्धन करेगा और लोग योगासन को भी एक खेल प्रतियोगिता के रूप में जानेंगे उन्होंने इसके आध्यात्मिक और वैज्ञानिक पक्ष को भी विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डा.श्रवण कुमार यादव, सचिन कुमार आदि लोग उपस्थिति रहें।

5. 21 जून, 2022विश्व योग दिवस, सामान्य योगाभ्यास क्रम एवं विचार संगोष्ठी

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने धूमधाम से मनाया आठवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस।

आज दिनांक 21 जून 2022 को आठवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी ने कानपुर नगर के सांसद माननीय सत्यदेव पचौरी सहित समस्त विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ निधार्रित सामान्य योगाभ्यास (प्रोटोकाल) किया। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री सत्यदेव पचौरी, माननीय सांसद, कानपुर नगर, प्रो0 विनय कुमार पाठक, कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, आयुर्वेदाचार्य, डा0 वंदना पाठक, कुलसचिव डा0 अनिल कुमार यादव, प्रो0 संजय स्वर्णकार, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डा0 दिग्विजय शर्मा, निदेशक, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस, डा0 मुनीष रस्तोगी, सह निदेशक, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस, डा0 आशीष कुमार दुबे, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग आदि ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। माननीय कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी ने मुख्य अतिथि श्री सत्यदेव पचौरी मा0 सांसद, कानपुर नगर का स्वागत तुलसी पादप, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए किया।

सीएसजेएमयू में वृहद योगाभ्यास का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सांसद सत्यदेव पचौरी ने कहाकि योग को अपनी जीवन शैली का अहम हिस्सा बनाने की बात कही। कुलसचिव डा. अनिल कुमार यादव, समन्वयक डा. राम किशोर, डा. प्रवीन भाई पटेल, डा. संदेश गुप्ता डॉ. आशीष कुमार दुबे, निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा, डॉ. प्रवीन कटियार मौजूद रहे।

यह आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थिति रोज़ गार्डेन में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में लगभग 600 प्रतिभागियों ने योगाभ्यास किया, जिन्हें विश्वविद्यालय की ओर से टी–शर्ट भी उपलब्ध करायी गयी। निर्धारित प्रोटोकाल के अन्तर्गत योगिक सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम और ध्यान आदि के अभ्यास किए गए। भारी संख्या में उपस्थित विश्वविद्यालय के छात्र–छात्रायें, समस्त शिक्षक और सहकर्मीगणों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ योगासनों का अभ्यास कर रहे थे। अभ्यास का प्रारम्भ प्रार्थना और समापन संकल्प मंत्र के साथ किया गया। प्रोटोकाल के प्रमुख अभ्यास ग्रीवा संचालन, स्कंध संचालन, वृक्षासन, ताड़ासन, भुजंगासन, मकरासन, पवन मुक्तासन, शवासन, अनुलोम विलोम प्राणायाम, भ्रामरी, ध्यान आदि प्रमुख अभ्यास थे।

योगाभ्यास के बाद मुख्य अतिथि श्री सत्यदेव पचौरी, माननीय सांसद, कानपुर नगर ने अपने विचार करते हुए कहा कि आज संपूर्ण विश्व जिस योग दिवस को मना रहा है वह भारत वर्ष की देन है। यह हमारे मनीषीयों, ऋषियों, की विधा है, जिसे आज संपूर्ण विश्व ने स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण को योगेश्वर कहा जाता है। भगवान कृष्ण ने गीता में भक्ति योग, ज्ञान योग, कर्म योग का प्रमुख रूप से उपदेश दिया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति मा0 प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी ने सर्वप्रथम उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकगणों, सहकर्मियों, छात्र–छात्राओं आदि को आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनायें दीं। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 श्री नरेन्द्र मोदी जी की पहल पर संपूर्ण विश्व आठवां योग दिवस मना रहा है। यह हम सब देशवासियों के लिए गौरव का विषय है। हम सब का परम कर्तव्य है कि ऋषियों की इस विधा को स्वयं अपनायें और दूसरों को भी प्रेरित करें। यह हम सब का सामाजिक कर्तव्य है। उन्होंने समस्त छात्र–छात्राओं से यह अपेक्षा कि वह नियमित योगाभ्यास करें। खेल और योग यह सभी के लिए विश्वविद्यालय अनिवार्य करने जा रहा है। निश्चित ही इसके दूरगामी परिणाम सकारात्मक होंगे और हमारे छात्र–छात्राओं का शारीरिक एवं बौद्धिक स्तर उच्च होगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक और कार्यक्रम आगामी 24 जून को विश्वविद्यालय आयोजित कर रहा है, जिसके मुख्य अतिथि योग के प्रथम पद्मश्री प्राप्त स्वामी भारत भूषण जी हैं। इसी अवसर पर अब तक हुयी सभी योग की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र वितरित किये जायेंगे।

विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि योग तन और मन के संतुलन का अभ्यास है। जब तक तन और मन का संतुलन नहीं होगा तब तक हम न ही भौतिक जीवन में सफल हो पायेंगे और न ही आध्यात्मिक।

मन, चित्त व बुद्धि के मध्य संतुलन बनाने में सहायक योगः प्रो. पाठक

आयुर्वेदाचार्य डा0 वंदना पाठक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं को सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम का अभ्यास नियमित करना चाहिए क्योंकि इस अभ्यास में कम से कम समय लगता है और युवाओं में विकसित हो रही कार्यप्रणाली को मदद मिलती है। युवाओं में यह उर्जा संचार का सबसे प्रभावशाली अभ्यास है।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा0 अनिल कुमार यादव जी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

सामान्य योगाभ्यास क्रम और मंच संचालन का कार्य आयोजन समन्वयक डा0 राम किशोर, सहायक आचार्य, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 का आयोजन स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस एवं शारीरिक शिक्षा विभाग ने संयुक्त रूप से किया गया जिसमें डा0 श्रवण कुमार यादव, डा0 प्रवीन कटियार, डा0 अर्पणा कटियार, डा0 मृदुलेश सिंह, डा0 संदेश गुप्ता, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, कु0 आकांक्षा बाजपेयी, कु0 हिना वैश, डा0 निमिशा सिंह चौहान आदि शिक्षकगणों और दोनों विभागों के छात्र–छात्राओं का विशेष रूप से सहयोग प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय के होटल मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष डा0 शिवांशु सचान व विश्वविद्यालय के अन्य विभागों का भी उल्लेखनीय योगदान रहा।

6. 24 जून, 2022 योग महोत्सव

मानवता ही एक मात्र विष्व समस्याओं का समाधान : स्वामी भारत भूषण (पद्मश्री)

आज दिनांक 24 जून 2022 छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के सभागार में ''मानवता के लिए योग'' प्रथम पद्मश्री योग गुरु स्वामी भारत भूषण महाराज जी ने कहा मानवता ही मानव जीवन का नैसर्गिक धर्म हैं। यह प्रत्येक मानव में स्वभाविक रूप से पाया जाता हैं, योग से विकसित होकर यह सम्पूर्णता को प्राप्त होता हैं।

'योग उत्सव' का शुभारंभ श्रद्धेय पद्श्री जी भारतभूषण महाराज, कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, प्रतिकुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, आयुर्वेदाचार्य डॉ. वन्दना पाठक, कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार यादव, हेल्थ साइस निदेशक डा. दिग्विजय शर्मा आदि ने दीप प्रज्जवलन करके किया। दीप प्रज्ज्वलन के उपरान्त संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना तदोपरान्त अतिथियों का स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि श्रद्धेय स्वामी जी का स्वागत माननीय कुलपति महोदय और डा. वंदना पाठक द्वारा तुलसी पादप, अंगवस्त्र, और स्मृतिचन्ह देकर किया। कार्यक्रम अध्यक्ष मा. कुलपति, प्रो. पाठक जी का स्वागत हेल्थ

साइंस निदेशक डा. दिग्विजय शर्मा, प्रतिकुलपति, प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी जी का स्वागत सहा. निदेशक डॉ. मुनीश रस्तोगी, डॉ. वंदना पाठक महोदया का स्वागत अकांक्षा और संजना और माननीय कुलसचिव जी का स्वागत डा. आशीष कुमार दुबे और डा. श्रवण कुमार यादव जी ने किया।

अतिथियों के प्रति अपने स्वागत उदगार व्यक्त करते हुए डा. दिग्विजय षर्मा ने बताया कि माननीय कुलपति महोदय की प्रेरणा से स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज और शारीरिक शिक्षा विभाग ने मिलकर आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विविध आयोजन सम्पन्न किये, इनमें शामिल प्रतिभागियों और विजेताओं को सम्मानित किया गया।

वि.वि. के प्रतिकुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी जी ने श्रद्धेय स्वामी पद्मश्री का परिचय देते हुए स्वामी जी किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। देश और विदेश में योग की ध्वजा पहराने वाले पद्मश्री को कौन नहीं जानता।

विशिष्ट अतिथि व आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा योग तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता है हमारी दिनचर्या को नियमित करता है। युवाओं और छात्र–छात्राओं को योग का नियमित अभ्यास अवश्य करना चाहिए। आसन प्राणायाम आदि के नियमित अभ्यास से बौद्धिक क्षमता का विकास और गलत पोस्चर के कारण होने वाली समस्याओं से आपे आपको बचाया जा सकता है।

सीएसजेएमयू में हुआ योग महोत्सव का आयोजन

योगी बनें, निरोगी बनें, उपयोगी बनें तथा सहयोगी बनें द स्वामी भारत भूषण | भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा योग पर शोध के लिए वि.वि. तैयार: प्रो. पाठक

CSJMU organises special session on yoga

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर अनिल कुमार यादव जी ने सभी के प्रति अपने आभार व्यक्ति करते हुए कहा............................

योग विजेताओं को स्वामी जी ने किया सम्मानित

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राम किशोर ने बताया कि 12 अपैल 2022 को आयोजित हुई 108 सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता में 46 प्रतिभागी, ''योगासन खेल प्रतियोगिता'' के 74 प्रतिभागी और अन्तर्राष्ट्रीय के उपलक्ष्य में आयोजित एक मासीय योग सत्र के 95 प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और विजेताओं को प्रमाणपत्र के साथ मेडल्स प्रदान किये गये।

योग करो, स्वस्थ रहो और फिर पढ़ो

विवि में योग गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण ने छात्रों को बताए योग के लाभ, नए सत्र से विश्वविद्यालय की हर क्लास में सुबह कराया जाएगा योग

ये रहे प्रतियोगिताओं के विजेता

'योगी व निरोगी बनें, उपयोगी व सहयोगी बनें'

यूनिवर्सिटी में आयोजित योग महोत्सव में आए पद्मश्री योग गुरु स्वामी भारत भूषण

इन विजेताओं को किया सम्मानित

आश्रम के साथ समझौता

विजेताओं को सम्मानित

योगासन खेल प्रतियोगिता में कुल 13 महाविद्यालयों और संस्थानों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया था। विभिन्न वर्गों की इस प्रतियोगिता में सेन महाविद्यालय से भूमि, शारीरिक शिक्षा विभाग से शुभी, योगेश, विनोद, रवि कुमार और तेजश्वी, हेल्थ साइंसेज़ से काजल और कंचन ने प्रथम, हेल्थ साइंसेज से अराधना यादव, डी.ए.वी. से मानसी मिश्रा, कमलपारु और विक्रान्त सिंह, यू.आई.इ.टी से आशुतोष शुक्ला, टीचर एजूकेशन से अमरनाथ वर्मा, शारीरिक शिक्षा विभाग से बेबी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किये। इसी प्रकार श्रद्धा कटियार, ज्योति सिंह, प्रियंका सेंगर, प्रखर सचान, रितेश कनौजिय, रितेश कनौजिय, ने तृतीय स्थान प्राप्त किया था। रुद्धेय स्वामी जी ने उपरोक्त विजेताओं को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह देकर उनका उत्साहवर्धन और आशीर्वाद दिया।

मंच का संचालन कार्यक्रम समन्यववयक डा. राम किशोर जी द्वारा किया गया।

12. 24 जून, 2022 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं मोक्षायतन योग संस्थान, सहारनपुर के मध्य मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग

सीएसजेएमयू छात्रों को योग में पारंगत करेगा मोक्षायतन संस्थान

जासं, कानपुर: सहारनपुर का मोक्षायतन योग संस्थान छत्रपति शाहू जी महाराज के विद्यार्थियों को योग में पारंगत करेगा। विद्यार्थियों को एक योगी की तरह जीवन के मूल्यों को समझाकर भविष्य संवारने और देश-समाज के लिए उपयोगी बनने का प्रशिक्षण देगा। शुक्रवार को सीएसजेएमयू सभागार में योग महोत्सव में मोक्षायतन के संस्थापक अध्यक्ष पद्मश्री स्वामी भारत भूषण और कुलपति के बीच यह करार (ओएमयू) हुआ। स्वामी ने विद्यार्थियों को योग के मूलमंत्र सिखाए और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

सीएसजेएमयू में स्वामी भारत भूषण व कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक एमओयू दिखाते हुए (दाएं से बाएं) • जागरण

इन्हें मिला पुरस्कार

कार्यक्रम में 108 सूर्य नमस्कार करने वाले 46, योगासन खेल प्रतियोगिता के 74 प्रतिभागियों और मासिक योग सत्र के 95 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया। डा. दिग्विजय शर्मा ने बताया कि योगासन प्रतियोगिता में 13 कालेज के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। एसएन सेन कालेज की भूमि, शुभी, योगेश, विनोद, रवि, तेजस्वी, हेल्थ साइंसेज से काजल और कंचन ने प्रथम स्थान पाया।

स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज की ओर से आयोजित कार्यक्रम में स्वामी भारत भूषण ने विद्यार्थियों से कहा कि आप योगी, निरोगी, उपयोगी, सहयोगी और प्रयोगी बनें। योग में हर बीमारी व समस्या का समाधान है। आज का युवा क्षमता से ज्यादा पाने के सपने देखता है और न मिलने पर अवसाद में चला जाता है। योग से इसे दूर कर सकते हैं। हर व्यक्ति को रोजाना योग के लिए कुछ समय निकालना चाहिए। योग से जो ऊर्जा विकसित होगी, उससे विद्यार्थियों का मन आम छात्रों की अपेक्षा कार्यों में ज्यादा लगेगा। उन्होंने कहा कि योगि क्रियाओं के लिए वक्त तय होते हैं, लेकिन योग में ध्यान व आचरण के लिए कोई वक्त तय नहीं होता। लोग जब चाहें ध्यान कर सकते हैं और अपने अंदर स्फूर्ति ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण सबसे बड़े योगी थे। उन्होंने योग से अर्जुन की चिंताएं दूर कीं। आयुर्वेदाचार्य डा. वंदना पाठक, डा. अनिल यादव, प्रो. सुधीर अवस्थी, डा. राम किशोर, प्रो. संजय स्वर्णकार, प्रो. सुधांशु पांडुया रहे।

13. 25 जून, 2022 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार के मध्य मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग

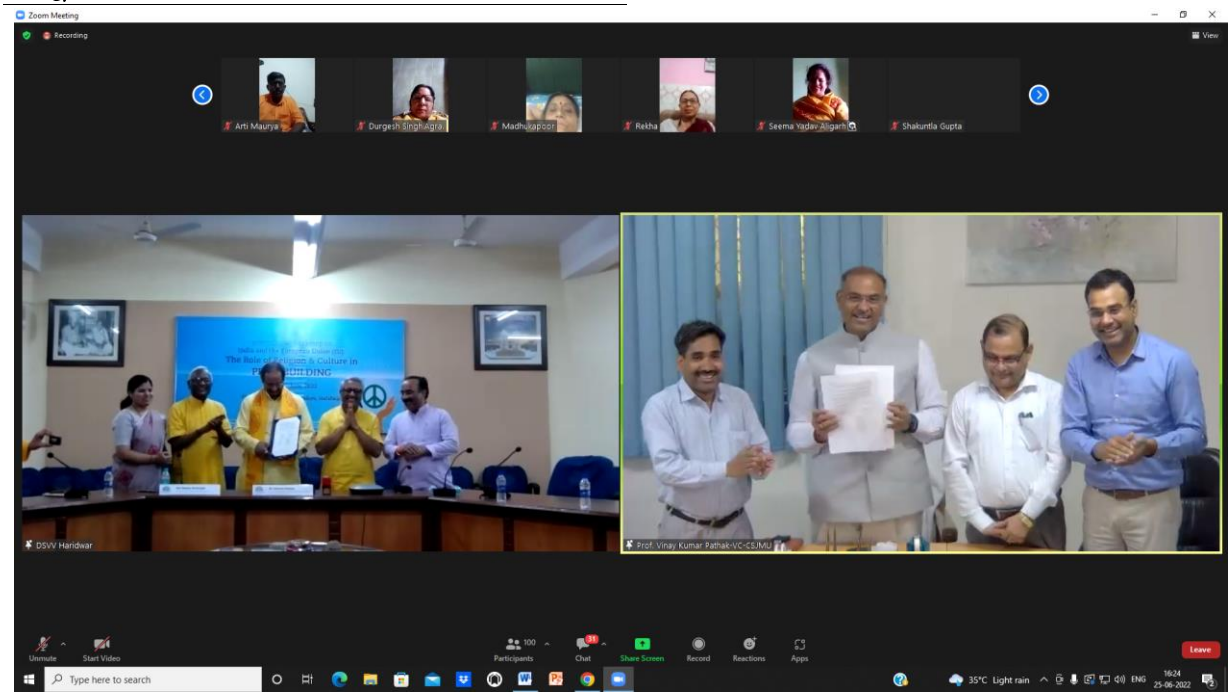

जुलाई, 2022

1. दिनांक : 01 जुलाई, 2022, डाक्टर्स डे के उपलक्ष्य में चिकित्सकों का सम्मान समारोह

आज दिनांक 01 जुलाई, 2022 दिन शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के यशस्वी मा0 कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी के संरक्षण में आज डाक्टर्स डे के उपलक्ष्य में चिकित्सकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर के सम्मानीय चिकित्सकगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी ने डा0 संगीता सारस्वत, डा0 रेनू गलहोत, डा0 सुमनलता वर्मा, विभागाध्यक्ष, पैथोलाजी, जी.एस. वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर, डा0 गरिमा शर्मा, डा0 कुलदीप सिंह, डा0 विष्णु टण्डन, डा0 गौतम दत्ता, डा0 अमित द्विवेदी, डा0 अविनाश यादव, डा0 वर्षा प्रसाद को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सीएसजेएमयू में डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों का सम्मान समारोह

ईश्वर के बाद हम सभी लोग डाक्टर को ही धरती पर ईश्वर मानते हैं- प्रो अवस्थी

अमन यात्रा ब्यूरो

कानपुरः छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में शुक्रवार को डाक्टर्स डे के उपलक्ष्य में चिकित्सकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सेंटर फॉर एकेडमिक के सभागार में हुए कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो सुधीर कुमार अवस्थी ने चिकित्सकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में डा0 संगीता सारस्वत, डा0 रेनू गलहोत, डा0 सुमनलता वर्मा, विभागाध्यक्ष, पैथोलाजी, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर, डा0 गरिमा शर्मा, डा0 कुलदीप सिंह, डा0 विष्णु टण्डन, डा0 गौतम दत्ता, डा0 अमित द्विवेदी, डा0 अविनाश यादव, डा0 वर्षा प्रसाद को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सम्मान समारोह के अवसर पर प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि ईश्वर के बाद हम सभी लोग डॉक्टर को ही धरती पर ईश्वर मानते हैं। कोरोना काल में डॉक्टरों ने मरीजों की दिनों रात सेवा करके यह सिद्ध कर दिया है। इस प्रकार उन्होंने इस नोबेल प्रोफेशन को भी कायम रखा है, जिस प्रकार हम ईश्वर पर भरोसा करते हैं उसी प्रकार से बीमारी के वक्त हम डाक्टर पर भरोसा करते हैं। चिकित्सक दिवस पर समस्त चिकित्सकों को शुभकामनायें, किंतु अपने उत्तरदायित्वों का मान चिकित्सक को सदा रखना चाहिए। समाज के साथ जुड़कर पूर्ण भाव से सेवा भाव व सदभावना से मरीज को अपनी सेवा देना प्रत्येक चिकित्सक का परम कर्तव्य है।

डा0 दिग्विजय शर्मा, निदेशक, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक के सरंक्षण में चिकित्सकों को सम्मानित करने का अवसर मिला है। उन्होने कहा कि डॉक्टर्स समाज की खुशहाली का सबसे आधारभूत अंग हैं। इनके समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के कारण ही समाज स्वस्थ और समृद्धि हो पाता है। इस अवसर पर डा0 सुमन लता वर्मा एवं डा0 संगीता सारस्वत ने इस प्रोफेशन की गरिमा को बनाये रखने की अपेक्षा की। डा0 रेलू गहलोत, स्त्री रोग विशेषज्ञ ने कहा कि सम्मान व आभार हमेशा से ही डाक्टर्स को सोसाइटी के लिए सद्भावना के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। डा0 वर्षा प्रसाद ने सभी चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी ने सर्वप्रथम डाक्टर्स डे पर सभी डाक्टरों को बधाई देते हुए अपने उद्गार कुछ इस तरह से व्यक्त किये ''ईश्वर के बाद हम सभी लोग डाक्टर को ही धरती पर ईश्वर मानते हैं'' कोरोना काल में डाक्टरों ने मरीजों की दिनों रात सेवा करके यह सिद्ध कर दिया है। इस प्रकार उन्होंने इस नोबेल प्रोफेशन को भी कायम रखा है, जिस प्रकार हम ईश्वर पर भरोसा करते हैं उसी प्रकार से बीमारी के वक्त हम डाक्टर पर भरोसा करते हैं। चिकित्सक दिवस पर समस्त चिकित्सकों को शुभकामनायें, किंतु अपने उत्तरदायित्वों का मान चिकित्सक को सदा रखना चाहिए। समाज के साथ जुड़कर के पूर्ण भाव से सेवा भाव व सदभावना से मरीज को अपनी सेवा देना प्रत्येक चिकित्सक का परम कर्तव्य है।

सीएसजेएम विश्वविद्यालय में चिकित्सकों का किया सम्मान

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एकेडमिक में प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने चिकित्सकों को सम्मानित किया। डॉ. संगीता सारस्वत, डॉ. रेनू गहलोत, डॉ. वंदना पाठक, डॉ. सुमनलता वर्मा, डॉ. गरिमा शर्मा, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विष्णु टंडन, डॉ. गौतम दत्ता, डॉ. अमित द्विवेदी, डॉ. अविनाश यादव, डॉ. वर्षा को सम्मानित किया गया। सभी ने डॉक्टरों का आभार जताया। (ब्यूरो)

इस अवसर पर डा0 सुमन लता वर्मा एवं डा0 संगीता सारस्वत ने भी अपने विचार व्यक्त किये व डाक्टरों को इस अवसर पर अपने इस प्रोफेशन की गरिमा को बनाये रखने की अपेक्षा की। सम्मान व आभार हमेशा से ही डाक्टर्स को सोसाइटी के लिए सद्भावना के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित करता है यह विचार डा0 रेलू गहलोत, स्त्री रोग विशेषज्ञ ने व्यक्त किया। उनके अनुसार समाज में स्वास्थ्य एवं खुशहाली डाक्टरों के सद्कार्यों, मरीजों की पूर्ण समर्पण भावना से सेवा करते हुए बीमारियों से मृत्यु दर पर काबू पाया जा सकता है। डा0 वर्षा प्रसाद ने आये हुए सभी सम्मानित चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समान किया।

2. जुलाई, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में के बी.पी.टी. के विद्यार्थियों द्वारा मनाया गया फेयरवेल

3. 24 जुलाई, 2022 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं रिजेन्सी हासिप्टल लि0, कानपुर के मध्य मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग

सीएसजेएमयू और रीजेंसी हॉस्पिटल के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

समझौता पत्र दिखाते कुलपति व अन्य।

कानपुर, 25 जुलाई। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय और रीजेंसी हॉस्पिटल, कानपुर अब एक साथ मिलकर चिकित्सा के क्षेत्र में शोध कार्य करेंगे। इस उद्देश्य के लिए अपनी सहमति दर्ज कराते हुए वि.वि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक और रीजेंसी हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ अतुल कपूर ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। कुलपति ने कहा कि भविष्य में यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थाओं के लिए सार्थक सिद्ध होगा। इस समझौते से चिकित्सा के क्षेत्र में तकनीक को साथ साथ लेकर दोनों संस्थाएं छात्रों को इंटर्नशिप और जॉब के अवसर प्रदान करेंगे। रीजेंसी हॉस्पिटल, कानपुर के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ अतुल कपूर ने कहा कि यह मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग दोनों संस्थान के विद्यार्थियों के साथ साथ शिक्षकों तथा समाज के लिए भी उपयोगी साबित होगा। संस्थान के प्रोफेशनल कामकाज से यूनिवर्सिटी के छात्रों को अपने-अपने क्षेत्र में नया सीखने का अवसर प्राप्त होगा। जिससे वह अपने करियर को नई दिशा दे सकेंगे। दोनों संस्थान चिकित्सा शिक्षा में शोध के नए -नए विषयों पर भी मिलकर काम कर सकेंगे। समझौता ज्ञापन के अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार यादव, डीन प्रशासन प्रो सुधांशु पांड्या, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा, डॉ वर्षा प्रसाद, डॉ. प्रवीन कटियार रीजेंसी हॉस्पिटल से रवि प्रताप सिंह आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

the pioneer

LUCKNOW | WEDNESDAY | JULY 27, 2022

CSJMU signs MoU to work in field of medical science

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University (CSJMU), Kanpur and Regency Hospital, Kanpur, signed a memorandum of understanding (MoU) on Tuesday to work together in the field of medical science. The MoU was signed by Vice-Chancellor of the university, Prof Vinay Kumar Pathak and Regency Managing Director, Dr Atul Kapoor. Addressing the function Prof Pathak said that the MoU would benefit both institutions in future and through this collaboration the two institutions will collaborate to exchange resources and work with the latest technology and new research in the field of medical science. He said that it would also provide students better internship opportunity.

Addressing the gathering Dr Kapoor said this MoU will benefit society, professors and students at both institutions in research and study. He said the university's students will also have the chance to discover new things in their specialised field that will enable students to give their careers a new path. He said it will also help in working on new ideas in the medical field.

He said advances in medical science were being propelled by significant investment and research across the public and private sectors—government, biopharmaceutical companies, technology giants and startups and academic institutions—bringing new innovations to the masses. He said in the next 20 years, the current "one size fits all" approach to medicine could be replaced and this was due to advances in personalised medicine or precision medicine. He said Regency was one of the leading hospitals in the private sector and stood in the forefront of medical research. He said with the varsity joining hands both will gradually stand pro par with the West.

During the MoU ceremony Pro-Vice-Chancellor Prof Sudhir Kumar Awasthi, Registrar Dr Anil Kumar Yadav, Dean Administrative Prof Sudhanshu Pandya, Director of Health Sciences Dr Digvijay Sharma, Dr Varsha Prasad, Chief Proctor.

5. 28 जुलाई, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में के बी.एस–सी. ह्यूमन न्यूट्रीशन एवं बी.एस–सी. योग के विद्यार्थियों द्वारा मनाया गया फेयरवेल